

राजधानी के विभिन्न मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

भाद्रपद मास की कृष्ण पक्ष की एकादशी (अजा एकादशी) सोमवार को मनाई जाएगी। मां चामुण्डा दरबार के पुजारी गुरु पं. रामजीवन दुबे के अनुसार भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि पर सर्वार्थ सिद्धि योग सहित कई संयोग बन रहे हैं। इसे पापों के नाश और मोक्ष प्राप्ति के लिए उत्तम के नाम से भी जाना जाता है। एकादशी पर राजधानी के विभिन्न मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी। इस मौके पर लोग व्रत रखेंगे। वैष्णोधाम आदर्श नवदुर्गा-बाबा खाटू श्याम मंदिर में 11 तरह के 121 किलो फूलों से बाबा का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। पूजा के बाद 56 भोग लगाया जाएगा। इसी तरह राजधानी के बिड़ला मंदिर सहित अन्य मंदिरों में भी अजा एकादशी के उपलक्ष्य में श्रद्धालु माथा टेकने पहुंचेंगे। भक्तजन भजन-कीर्तन के बाद प्रसाद का वितरण किया जाएगा। पंडित रामजीवन दुबे ने बताया कि अजा एकादशी के दिन व्रत रखने से जीवन में शांति, समृद्धि और सुख की प्राप्ति होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन व्रत और पूजा करने से सभी पापों का नाश होता है और व्यक्ति को मुक्ति का मार्ग प्राप्त होता है। श्रद्धालुओं की आस्था और भक्ति के साथ यह व्रत करना चाहिए।

सर्वार्थ सिद्धि योग में आज मनाई जाएगी अजा एकादशी, खाटू श्याम मंदिरों में बाबा का होगा विशेष श्रृंगार, चढ़ाया जाएगा 56 प्रकार का भोग

नायर समाज ने ओणम उत्सव में दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां
ओणम दुनिया भर में बसे मलयालियों को एकता के सूत्र में पिरोता है: वल्लभन

प्रो. अमिताभ बोले-भाषा और संस्कृति से ही सुरक्षित रहती है पहचान

भोपाल। नायर समाज ने खजुरीकला स्थित मन्नन भवन में ओणम का त्यौहार पारंपरिक उत्साह, हर्षोल्लास और भव्यता के साथ मनाया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कार्यकारी निदेशक प्रो. अमिताभ सक्सेना ने अपने संबोधन में भाषा और सांस्कृतिक धरोहर को बचाने पर विशेष जोर दिया।



नायर समाज का आयोजन।

समावेशिता, अपनत्व और सहभागिता का संदेश

उन्होंने कहा कि भाषा पीढ़ियों को आपस में जोड़ने वाली मजबूत कड़ी है। यदि यह कड़ी कमजोर पड़ती है, तो देश की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं और मूल्यों की निरंतरता पर विपरीत असर पड़ता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भोपाल नायर समाज के अध्यक्ष एजी वल्लभन ने कहा कि ओणम दुनिया भर में बसे मलयालियों को एकता के सूत्र में पिरोता है। यह पर्व समावेशिता, अपनत्व और सहभागिता का संदेश देता है, जहाँ हर घर अतिथियों के स्वागत के लिए तैयार रहता है।

मुख्य आकर्षण पारंपरिक महामोज 'ओणसद्या' रहा

समारोह के दौरान केरल के पौराणिक राजा महाबली के शासनकाल को याद किया गया, जो करुणा, समानता और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। कार्यक्रम में मनमोहक तिरुवातिराक्ली नृत्य, समृद्ध नृत्य और पारंपरिक गीतों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने केरल की जीवंत संस्कृति की झलक पेश की। आयोजन का मुख्य आकर्षण पारंपरिक महामोज 'ओणसद्या' रहा, जिसमें उपस्थित अतिथियों एवं समाज के सदस्यों ने केरल के प्रामाणिक व्यंजनों का आनंद लिया।



सांस्कृतिक प्रस्तुति देती समाज की कलाकार।

खबर संक्षेप

एम्स में डीएमडी बीमारी पर जागरूकता कार्यक्रम



भोपाल। एम्स भोपाल में सोमवार को इयूरोन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी (डीएमडी-मांसपेशियों को कमजोर करने वाली एक आनुवंशिक बीमारी) जागरूकता कार्यक्रम आयोजित होगा। कार्यक्रम का आयोजन मेडिकल जेनेटिक्स विभाग, रेयर डिजीज उत्कृष्टता केंद्र एवं डॉक्टर्स फॉर यू संस्था द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। कार्यक्रम में पीडियाट्रिक्स, पैथोलॉजी एंड लैब मेडिसिन, एंजाइम, बायोकेमिस्ट्री, ट्रांसलेशनल मेडिसिन, ओथोपेडिक्स, न्यूरोलॉजी, ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी तथा फिजिकल मेडिसिन एंड रीहैबिलिटेशन विभाग सम्मिलित होंगे। कार्यक्रम में डीएमडी की पहचान, प्रबंधन, पुनर्वास एवं हृदय संबंधी जांच से जुड़े महत्वपूर्ण व्याख्यान होंगे, जो मरीजों एवं परिजनों के लिए उपयोगी सिद्ध होंगे।

मप्र के 21 आयुर्वेद कॉलेजों को मिली मान्यता

भोपाल। मध्यप्रदेश के 21 आयुर्वेद मेडिकल कॉलेजों को भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग (एनसीआईएसएम) नई दिल्ली ने मान्यता प्रदान की है। एनसीआईएसएम द्वारा जारी सूची के अनुसार मध्यप्रदेश के 21 समेत देशभर के 289 कॉलेजों को सत्र 2026-27 की मान्यता प्रदान की है। अभी फिलहाल 300 से ज्यादा कॉलेजों पर निर्णय आना शेष है। आयुर्वेद मेडिकल एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ राकेश पाण्डेय ने कहा कि इस वर्ष पहले वर्षों की तुलना में ज्यादा पारदर्शिता व कड़ाई से मापदण्डों के पालन के पश्चात ही आयोग मान्यताएं जारी कर रहा है जो छात्र व पैथी के हित में ऐतिहासिक कदम है।

तुलसी का पौधा, साहित्य भी किए प्रदान

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

शिक्षक दिवस पर कायस्थ समाज की अग्रणी संस्था कायस्थम से अपने घर पर कायस्थ शिक्षक सम्मान पाकर वर्षों पहले सेवानिवृत्त हुए वृद्ध शिक्षक अभिभूत हो उठे। कायस्थम ने उन्हें शिक्षक दिवस पर उनके घर पहुंचकर स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र, चित्रगुप्त चालीसा, तुलसी का पौधा और साहित्य भेंटकर सम्मानित किया।

कायस्थम के अध्यक्ष प्रलय श्रीवास्तव के अनुसार शिक्षकों को सम्मानित करने की परम्परा भविष्य में भी जारी रखी जाएगी और अधिक शिक्षकों को समारोहपूर्वक कायस्थम शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। कायस्थम ने जिन 5 शिक्षकों को शिक्षा के क्षेत्र

प्रदेशभर से गोविंदा की टीमों ने जोशो-खरोश से लिया हिस्सा

ढोल-नगाड़ों और जयकारों से गूंजा करोंद, रोमांचक रहा ‘मटकी फोड़’

मटकी फोड़ में बॉलीवुड अभिनेत्री अदा ने दिखाई अदा, तो राजपाल यादव व चंकी पांडे ने दर्शकों को खूब हंसाया

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

जन्माष्टमी के अवसर पर करोंद में आयोजित भव्य मटकी फोड़ प्रतियोगिता में देर रात तक रोमांच का माहौल बना रहा। बॉलीवुड तड़के और गोविंदा टीमों के जोश ने आयोजन को खास बना दिया। करीब 20 वर्षों से समिति द्वारा आयोजित की जा रही इस प्रतियोगिता में प्रदेशभर से गोविंदा की टीमों ने हिस्सा लिया। मटकी फोड़ने के लिए गोविंदाओं की टोलियां एक के बाद एक मानव पिरामिड बनाकर जोर-आजमाइश करती नजर आईं। जैसे-जैसे टीमों ने मटकी तोक पहुंचने की कोशिश की, मौके पर मौजूद लोगों का उत्साह भी बढ़ता गया। ढोल-नगाड़ों और जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा।

प्रतियोगिता में विजेता टीम को एक लाख रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान शामिल हुए। मटकी फोड़ने के लिए भोपाल करवाला, बेतूल, छिंदवाड़ा, सीहोर, जलपुर, देवास और आष्टा सहित कई जिलों की टीमों जोर आजमाइश करती नजर आईं।



मटकी फोड़ने का प्रयास करती गोविंदाओं की टोली



एक्ट्रेस अदा शर्मा का स्वागत करते केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर।



एक्टर राजपाल यादव और मौके पर मौजूद लोगों की भीड़।

बड़ी संख्या में कार्यक्रम देखने पहुंचे लोग

प्रतियोगिता के दौरान अभिनेत्री अदा की प्रस्तुति से दर्शक भी झूमने लगे। तो वहीं राजपाल यादव व चंकी पांडे ने दर्शकों को जमकर हंसाया। बॉलीवुड के इन कलाकारों को देखने के लिए बड़ी संख्या में राजधानी वाली पहुंचे। इसके चलते यहां पर जाम की स्थिति बन गई। कई मार्गों को यातायात पुलिस को बंद कर डायवर्ट करना पड़ा। इसके चलते वाहन चालकों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा।

एक लाख 51 हजार बहनों ने विधायक को बांधी राखी बहनों की सेवा, सुविधा और सुरक्षा मेरी पहली प्राथमिकता: रामेश्वर

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

हुजूर विधानसभा में 11 दिवसीय रक्षाबंधन उत्सव का रविवार को बिलखिरिया मंडल में आयोजित कार्यक्रम के साथ समापन हुआ। रक्षाबंधन उत्सव में बड़ी संख्या में बहनों ने सहभागिता कर विधायक रामेश्वर शर्मा को राखी बांधकर आशीर्वाद दिया। संत हिरदाराम नगर, श्री हरिहर नगर फंदा, पंडित दीनदयाल उपाध्याय मंडल, गांधीनगर मंडल, नीलबड़ मंडल और रविवार को बिलखिरिया मंडल में आयोजित रक्षाबंधन



बहनों का प्रेम और आशीर्वाद मिलना बहुत बड़ा सौभाग्य है।

कार्यक्रमों में एक लाख 51 हजार बहनों ने विधायक शर्मा को राखी बांधी। रामेश्वर ने बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि हर बहन की सेवा, सुविधा और सुरक्षा मेरी प्राथमिकता है। बहनों का शुभाशीष जनसेवा की नवीन ऊर्जा का माध्यम बना है। इस अपार अपनत्व के लिए सभी बहनों का मनपूर्वक आभार। रामेश्वर ने कहा कि रक्षाबंधन उत्सव में बहनों के स्नेह का यह दृश्य देखकर आह्लादित हूं। इतनी बड़ी संख्या में बहनों का प्रेम और आशीर्वाद मिलना बहुत बड़ा सौभाग्य है।

सारंग ने कार्यक्रम में आई बहनों का किया स्वागत नरेला रक्षाबंधन महोत्सव: 24 हजार बहनों ने विश्वास को बांधे रक्षासूत्र

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

नरेला रक्षाबंधन महोत्सव में रविवार को वार्ड 36, 37 एवं 70 में आयोजित रक्षाबंधन महोत्सव के पांचवें दिन 24 हजार 604 बहनों ने राखी बांधकर भैया विश्वास सारंग को अपना स्नेह और आशीर्वाद प्रदान किया। सारंग ने भी कार्यक्रम में पधारी बहनों का पुष्पवर्षा कर आत्मीय स्वागत किया। सारंग ने बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के अटूट स्नेह और विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मैं बहुत सौभाग्यशाली हूं कि हर वर्ष मुझे लाखों की



संख्या में बहनों का अपार स्नेह और आशीर्वाद मिलता आ रहा है। नरेला रक्षाबंधन महोत्सव स्थल पहुंचने पर क्षेत्रवासियों ने सारंग का भव्य स्वागत किया। सारंग को बगीचे से मुख्य कार्यक्रम स्थल तक डीजे और ढोल-ताशो के साथ मंच तक ले जाया गया।

अतिथियों ने कहा, यह सम्मान समाज के लिए गौरव की बात भार्गव ब्राह्मण समाज और परशुराम कल्याण बोर्ड प्रतिभावान बच्चों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

भार्गव ब्राह्मण समाज और परशुराम कल्याण बोर्ड द्वारा रविवार को समाज के प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि मप्र कर्मचारी मंच के प्रदेशाध्यक्ष अशोक पांडे, डॉ अनिल भार्गव, पंडित विष्णु राजोरिया, ज्योतिषाचार्य विनोद गौतम, अधिवक्ता बच्चन आचार्य, संजना खिरिया, ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष दिनेश तिवारी, पार्षद देवेंद्र भार्गव ने ब्राह्मण समाज के प्रतिभावान बच्चों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथियों ने कहा कि समाज के लिए गौरव की बात है प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित करके उन्हें आगे बढ़ाने में जो भूमिका समाज निभा रहा है।

28वें चरण के ब्रजदर्शन यात्रा पास वितरित

कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला ने किया मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान



भोपाल। कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला के नेतृत्व में नरेला विधानसभा क्षेत्र के प्रतिभावान विद्यार्थियों के सम्मान, निशुल्क 28वें ब्रजदर्शन एवं गिरिराज जी परिक्रमा यात्रा पास वितरण तथा प्रदेश की बिगडूटी शिक्षा व्यवस्था पर संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं राधोगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह उपस्थित रहे।

मप्र से पूर्वोत्तर तक लंबा रेल नेटवर्क जोड़ेगी ट्रेन

कामकाजी लोगों को मिलेगा इसका लाभ रानी कमलापति- अगरतला ट्रेन 22 अक्टूबर से नियमित

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

रानी कमलापति से अगरतला के बीच सफर करने वाले यात्रियों के लिए राहत की खबर है। यात्रियों की बढ़ती मांग और लंबी दूरी की यात्रा को आसान बनाने के लिए रेलवे ने रानी कमलापति-अगरतला साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन को नियमित करने का फैसला लिया है। अब यह ट्रेन स्पेशल के बजाय 11665/11666 रानी कमलापति-अगरतला साप्ताहिक एक्सप्रेस के रूप में चलेगी। ट्रेन नंबर 11665 रानी कमलापति-अगरतला एक्सप्रेस 22 अक्टूबर से प्रत्येक गुरुवार को रानी कमलापति स्टेशन से रवाना होगी। वापसी में ट्रेन नंबर 11666 अगरतला-रानी कमलापति एक्सप्रेस 25 अक्टूबर से प्रत्येक रविवार को अगरतला से चलेगी।

ट्रेन रानी कमलापति से चलकर नर्मदापुरम, इंदारसी, पिपरिया, गाडरवारा, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, मैहर, सलाना, माणिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, पं. दौनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, दानापुर, पार्लिपुत्र, हाजीपुर, बरौनी, कटिहार, किशनगंज, न्यू जलपाईगुड़ी, गुवाहाटी, बहरपुर जंक्शन, धर्मनगर, कुमाराघाट, अंबाला और तिलियानुरा होनी हुए अगरतला पहुंचेंगी।

गायत्री शक्तिपीठ में स्वास्थ्य परीक्षण गर्भ संस्कार से संस्कारवान पीढ़ी निर्माण का संकल्प



गायत्री शक्ति पीठ का आयोजन।

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

गायत्री परिवार ट्रस्ट, हरिद्वार-शांतिकुंज के मार्गदर्शन में गायत्री शक्तिपीठ में जिला स्तरीय “आओ गढ़ें संस्कारवान पीढ़ी” अभियान के प्रथम सप्ताह के अंतर्गत साप्ताहिक गर्भ संस्कार कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नवदंपतियों को गर्भ संस्कार के महत्व का प्रशिक्षण दिया गया तथा 16 गर्भवती बहनों का विधिवत सामूहिक पुंसवन संस्कार संपन्न कराया गया। युवा प्रकोष्ठ टीम एवं महिला मंडल की बहनों ने जिला समिति अभियान प्रभारी शांति के साथ मिलकर सराहनीय भूमिका निभाई। संस्कार सत्र को नम्रता जोशी, रीता विजयवर्गीय, सुषमा कुलश्रेष्ठ, संध्या जैन, कविता, सीमा एवं अनमोल पाठक ने संपन्न कराया।

लहारपुर-बागमगुलिया में महायज्ञ की तैयारियां शुरू

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में लहारपुर-बागमगुलिया क्षेत्र में प्रस्तावित 51 कुंडीय श्री गायत्री महायज्ञ की तैयारियों को लेकर वीम वीन पार्क में जिला स्तरीय गोष्ठी आयोजित की गई। गायत्री शक्तिपीठ, प्रज्ञापीठ एवं उपजोन-जिला क्षेत्र के वरिष्ठ परिजनों और कार्यकर्ताओं ने इसमें सहभागिता की। आयोजन की तैयारियां वरिष्ठ परिजनों महाकालेश्वर श्रीवास्तव, सूरज परमार, सरिता सिंह, सरला शर्मा, ओपी विश्वकर्मा के मार्गदर्शन में की जाएंगी।

कई कर्मचारियों ने जानवरों को डाला खाना, बोले- काम के दबाव के बीच भोजन भी नहीं मिल रहा ठीक

भोपाल मंडल के बीना यार्ड में 200 से ज्यादा कर्मचारियों को दिया बासी और खराब खाना... तबीयत बिगड़ने की शिकायत

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

भोपाल रेल मंडल के बीना यार्ड रिमॉडलिंग जैसे महत्वपूर्ण काम में जुटे रेलवे कर्मचारियों की परेशानी अब खराब भोजन और काम के बढ़ते दबाव तक पहुंच गई है। कर्मचारियों का आरोप है कि गति शक्ति यूनिट की ओर से उपलब्ध कराया जा रहा पैकेट बंद भोजन कई बार बासी और खराब गुणवत्ता का होता है। इसे खाने के बाद कुछ कर्मचारियों की तबीयत बिगड़ने की शिकायत भी सामने आई है। रविवार को भी 200 से अधिक कर्मचारियों को भोजन के पैकेट दिए गए,

गति शक्ति यूनिट की ओर से उपलब्ध कराया जा रहा पैकेट बंद खाना

कर्मचारी बोले समय पर पौष्टिक, ताजा भोजन मिलना बेहद जरूरी

रविवार को कर्मचारियों को परोसा गया बासी भोजन।

कर्मचारियों ने केवल भोजन ही नहीं, बल्कि काम की व्यवस्था को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि निर्धारित समय से अधिक काम कराया जा रहा है। लगातार घंटों काम करने के बाद पर्याप्त आराम नहीं मिलने से कर्मचारियों पर शारीरिक और मानसिक दबाव बढ़ रहा है। स्टाफ के लोगों के अनुसार, यदि कोई कर्मचारी बीमार पड़ जाता है तो उसके स्थान पर वैकल्पिक कर्मचारी की व्यवस्था नहीं की जाती है। बीमारी की स्थिति में भी उसी कर्मचारी पर काम करने का दबाव रहता है। कर्मचारियों का कहना है कि एक तरफ लंबे समय तक काम, दूसरी तरफ खराब भोजन और आराम की कमी से उनकी परेशानी लगातार बढ़ रही है।

स्वास्थ्य पर पड़ रहा असर काम की गुणवत्ता पर भी चिंता

कर्मचारियों का कहना है कि यार्ड रिमॉडलिंग का काम रेलवे के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। ऐसे काम में बड़ी संख्या में कर्मचारी लगातार जुटे हुए हैं। यदि उन्हें ही पर्याप्त आराम और गुणवत्तापूर्ण भोजन नहीं मिलेगा तो इसका सीधा असर उनके स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। कर्मचारियों ने मांग की है कि भोजन की गुणवत्ता की नियमित जांच हो और बीमार कर्मचारियों के लिए वैकल्पिक स्टाफ की व्यवस्था की जाए।

जांच कराई जाएगी

यदि स्टाफ को खराब खाना दिया गया है तो इसकी जांच कराएंगे। इसमें यदि कोई गड़बड़ी पाई जाती है तो उचित कार्रवाई की जाएगी।

मधुर वर्मा, सीपीआरओ, पमरे जौन

कहीं डामर उखड़ा, कहीं दो फीट तक गहरे गड्ढे, पानी में छिपे गड्ढे बन रहे हादसों का कारण, जिम्मेदार बेपरवाह

तीन दिन की बारिश ने सड़कों के दिखा दिए बेहिसाब गड्ढे

राजधानी की सड़कों की बदहाली सामने ला दी

अंदरूनी सड़कों की हालत ज्यादा खराब चलना भी मुश्किल

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

तीन दिन की लगातार बारिश ने राजधानी की सड़कों की बदहाली सामने ला दी है। मुख्य मार्ग हो या कॉलोनियों की सड़कें, कई जगह डामर उखड़ गया है और बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। बारिश का पानी भरने से कई गड्ढे दिखाई तक नहीं दे रहे हैं। ऐसे में वाहन चालकों को सड़क पर चलते समय हर कदम पर हादसे का खतरा बना हुआ है। सबसे खराब स्थिति कई अंदरूनी इलाकों में नजर आ रही है, जहां वाहन तो दूर पैदल निकलना भी मुश्किल हो गया है। राहगीर अनिल कुशवाहा ने बताया कि बारिश के बाद हर साल यही स्थिति बनती है। सड़क खराब होती है, गड्ढे बढ़ते जाते हैं और कुछ समय बाद उनमें पेंचवर्क कर दिया जाता है। लेकिन स्थाई सुधार नहीं होने से अगली बारिश में सड़क की समस्या फिर सामने आ जाती है।

मैदा मिल एसबीआई के सामने रोड पर इतने गड्ढे हैं कि वाहन चालकों को यहां से गुजरना टेढ़ी खीर साबित हो रहा है।

शहर की कई प्रमुख सड़कों पर दो फीट गहरे गड्ढे

ओल्ड सिटी में सिंधी कॉलोनी, आंबेडकर फ्लाईओवर की सड़क, आयकर भवन के आसपास, न्यू मार्केट, जवाहर चौक क्षे्र रडिपो चौराहा से भदभदा तक, सिंधी कॉलोनी से डीआईजी बंगला चौराहा, करौंद चौराहा, कृषि उपज मंडी की ओर जाने वाला मार्ग, पुल बोगदा से प्रभात चौराहा, डीआरएम चौराहा से एम्स मार्ग मेट्रो मार्ग पर दो फीट तक गहरे गड्ढे हैं। बारिश के बाद वार्ड 85 समेत कई जगह स्थिति और बिगड़ गई है। कुछ हिस्सों में करीब दो फीट तक गहरे गड्ढे हो गए हैं। एमपी नगर में मेट्रो स्टेशन के नीचे करीब 50 मीटर हिस्से में सड़क की ऊपरी परत पूरी तरह उखड़ गई है। यहां दोपहिया वाहन चालकों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है और हादसे का खतरा बढ़ गया है।

अशोक गार्डन, सेमरा, करौंद में कई जगह सड़कें जर्जर

नगर निगम के अशोक आने वाली अंदरूनी सड़कों की स्थिति भी बारिश ने बिगाड़ दी है। अशोक गार्डन थाना से सेमरा, ऐशबाग स्टेडियम के सामने, अशोक गार्डन नवाब होटल से सेमरा जंक्शन और करौंद हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र में कई जगह सड़कें टूट गई हैं। इन इलाकों में बारिश के बाद कीचड़ और पानी के बीच गड्ढे से निकलना लोगों के लिए बड़ी परेशानी बन गया है।

8 करोड़ रुपए से होगा पेंचवर्क

नगर निगम ने खराब सड़कों के पेंचवर्क के लिए करीब 8 करोड़ रुपए स्वीकृत किए हैं। अधिकारियों के अनुसार बारिश के दौरान बड़े गड्ढों को भरकर सड़कों को फिलहाल चलने लायक बनाया जाएगा। स्थाई सुधार का काम बारिश खत्म होने के बाद किया जाएगा। इसके लिए सितंबर तक खराब सड़कों को चिह्नित कर मरम्मत को फाइल तैयार करने और नवंबर में व्यापक सुधार शुरू करने की योजना है।

अधूरी सड़क बनी मुसीबत

रहवासियों का कहना है कि सीसी रोड का निर्माण शुरू होने के बाद उम्मीद थी कि जल्द ही उन्हें बेहतर सड़क मिल जाएगी, लेकिन काम बीच में ही रोक दिया गया। निर्माण स्थल पर सड़क का एक हिस्सा पक्का और दूसरा हिस्सा कच्चा होने से वाहन चालकों को अचानक ऊबड़-खाबड़ रास्ते का सामना करना पड़ता है। बारिश में कीचड़ के कारण फिसलने का खतरा रहता है।

आज से बारिश में कमी आने की संभावना

शहर में सुबह से शाम के बीच बारिश कलियासोत डैम के 2 गेट खोले

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

राजधानी सहित अधिकांश जिलों में रविवार को सुबह से शाम तक बारिश का दौर रहा। शहर में दोपहर बाद हुई बारिश के बाद करीब साढ़े 3 बजे कलियासोत डैम के दो गेट खोल दिए गए। इससे पहले शनिवार को भी रात करीब 11 बजे 4 गेट खोले गए थे, जिन्हें पानी छोड़ने के बाद रात 12 बजे एक-एक कर बंद कर दिया गया था। मौसम केंद्र के अनुसार सोमवार को भी करीब 40 जिलों में हल्की बारिश होगी। एक दर्जन जिलों में तेज बारिश की उम्मीद है। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार अब सिस्टम आगे बढ़ रहा है, इस लिए बारिश में कुछ दिन कमी आने की संभावना है। कल से भोपाल सहित कई जिलों में बादलों का असर रहेगा। रविवार को दोपहर से शाम के बीच हुई बारिश के बाद पिकनिक स्पोर्ट्स पर सैलानी बढ़ गए। बोट क्लब, सैरसपाटा सहित लगभग सभी पिकनिक स्पोर्ट्स देर शाम तक फुल देखे गए। यहां हल्की बारिश, बादल भोपाल सहित करीब 40 जिलों में सोमवार से बारिश में कमी के साथ कुछ जगह हल्की बारिश और बादलों का असर रहेगा। राजधानी में कुछ देर धूप खिलने मौसम सुहाना रहने की उम्मीद है।

एनजीटी की गठित टीम ने बड़े तालाब और आसपास के संवेदनशील क्षेत्रों का सर्वे किया

गौहर महल से शुरू हुआ ड्रोन सर्वे, खानूगांव में कई स्थानों पर मौके पर नहीं दिखाई दी एफटीएल और ग्रीन बेल्ट की मुनारें

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

रविवार को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) द्वारा गठित टीम के साथ बड़े तालाब और आसपास के संवेदनशील क्षेत्रों का सर्वे किया गया। गौहर महल से ड्रोन सर्वे की शुरुआत की गई, वहीं दूसरी टीम ने अलग-अलग स्थानों पर स्थलीय निरीक्षण और जमीनी हकीकत का कार्य किया। सर्वे के दौरान कई स्थानों पर तालाब की सीमा, एफटीएल (फुल टैंक लेवल) और ग्रीन बेल्ट के चिह्नों में जुड़े बिंदु सामने आए। कई जगह रिटेनिंग वॉल के ऊपर से पानी बहता हुआ पाया गया। करबला पंप हाउस के सामने, ग्रीन नदी के आसपास और अन्य स्थानों पर तालाब में जलकुंभी और पानी में उगने वाली घास का फैलाव भी दिखाई दिया। खानूगांव क्षेत्र में कई स्थानों पर एफटीएल और ग्रीन बेल्ट की मुनारें मौके पर दिखाई नहीं दीं। इसके बाद टीम ने उन स्थानों का भी निरीक्षण किया गया, जहां पानी वास्तविक रूप से काफी आगे तक फैला हुआ पाया गया।

टीम के साथ यह रहे मौजूद

सर्वे के दौरान पर्यावरणविद डॉ. सुभाष सी. पांडेय और याचिकाकर्ता राशिद नूर खान टीम के साथ मौजूद रहे। निरीक्षण की कार्रवाई दोपहर 3 बजे तक जारी रही। वहीं बैरागढ़ क्षेत्र का सर्वे अभी शेष है, जिसे आगे पूरा किया जाना है। इस सर्वे से यह महत्वपूर्ण तथ्य सामने आया है कि भोजताल से जुड़े कई क्षेत्रों में एफटीएल, ग्रीन बेल्ट और वास्तविक जलभराव क्षेत्र के मौके पर स्पष्ट चिह्नों की स्थिति का तकनीकी परीक्षण आवश्यक है। एनजीटी द्वारा कराए जा रहे ड्रोन सर्वे और ग्राउंड ट्रूथिंग (जमीनी हकीकत) के बाद इन क्षेत्रों की वास्तविक स्थिति और सीमाओं को लेकर स्थिति और स्पष्ट होने की उम्मीद है।

आज इन जिला तेज बारिश के आसार

मौसम केंद्र के अनुसार सोमवार तक गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, गुराणा, श्योपुरकला, सतना, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी जिलों में कुछ जगह तेज बारिश का आलट है।

यहां हल्की बारिश, बादल

भोपाल सहित करीब 40 जिलों में सोमवार से बारिश में कमी के साथ कुछ जगह हल्की बारिश और बादलों का असर रहेगा। राजधानी में कुछ देर धूप खिलने मौसम सुहाना रहने की उम्मीद है।

- सर्वे के दौरान प्रमुख रूप से इन क्षेत्रों को कवर किया गया
- ☐ खानूगांव: अंडर-कंस्ट्रक्शन कूच साइट

☐ खानूगांव: आर्मी स्पोर्ट्स एरिया

☐ ग्राम कोहेफिजा

☐ हलालपुरा: फिजा फार्म

☐ हलालपुरा: लैंडमार्क मैरिज गार्डन के पीछे

☐ विरायु अस्पताल क्षेत्र

मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में सेवा सदन आई हॉस्पिटल के सहयोग से पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ संतनगर

मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में सेवा सदन आई हॉस्पिटल, भोपाल के सहयोग से कक्षा सातवीं, आठवीं, नौवीं एवं ग्यारहवीं के विद्यार्थियों के लिए 'नेत्रदान' पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता की गई। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में नेत्रदान के प्रति जागरूकता लाना तथा उन्हें इस महान मानवीय कार्य के लिए प्रेरित करना था।

प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने 23 रचनात्मक प्रविष्टियां प्रस्तुत कीं। विद्यार्थियों ने अपने पोस्टरों के माध्यम से नेत्रदान के महत्व, मानवता तथा किसी के जीवन में दृष्टि का उजाला लाने का प्रेरक संदेश दिया। इस अवसर पर सेवा सदन आई हॉस्पिटल की डॉ. माया ज्ञानचंदानी एवं डॉ. शुभा राय उपस्थित रही।



पोस्टर के जरिए नेत्रदान का महत्व बताते विद्यार्थी, अतिथि व शिक्षक।

नेत्रदान किसी के जीवन में ला सकता है प्रकाश और आशा

स्कूल के विद्यार्थियों ने 23 पोस्टर बनाकर बताया नेत्रदान का महत्व

नेत्रदान के महत्व, इसकी उपयोगिता एवं सामाजिक सरोकारों के प्रति जागरूक किया

मुख्य अतिथियों ने पीपीटी प्रेजेंटेशन से विद्यार्थियों को नेत्रदान के महत्व, इसकी उपयोगिता एवं सामाजिक सरोकारों के प्रति जागरूक किया। डॉ. माया ज्ञानचंदानी ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए नेत्रदान के महत्व पर प्रकाश डाला और इसे एक ऐसा पुनीत कार्य बताया, जो किसी के जीवन में प्रकाश और आशा ला सकता है। विद्यार्थियों ने संवाद सत्र में भी सहभागिता की तथा नेत्रदान के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित हुए।

डॉक्टरों ने विद्यार्थियों के पोस्टर व संदेशों की सराहना की

डॉक्टरों ने विद्यार्थियों के बनाए पोस्टरों की रचनात्मकता एवं उनके माध्यम से दिए गए संदेशों की सराहना की। इस संवाद ने विद्यार्थियों को जागरूकता के दूत के रूप में समाज में सकारात्मक संदेश प्रसारित करने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता में विनय विश्वकर्मा ने प्रथम, प्रियांशु मेहेर ने द्वितीय तथा दानिश दादलानी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र एवं प्रोत्साहन पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका पिंकी दादलानी ने किया।

अब गोविंद की आंखों से होंगी दो जिंदगी रोशन

संतनगर। संत हिरदाराम नगर निवासी गोविंद वासवानी (मोटू)का देहावसान गत दिवस हो गया।



दिवंगत प्राणी के भाई गोपाल वासवानी ने अपने बड़े भाई की आंखें सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय को दान में दी हैं। दिवंगत प्राणी के नेत्र, अब दो जरूरतमंद दृष्टिबाधित व्यक्तियों को प्रत्यारोपित किए जाएंगे। सेवा सदन अस्पताल ने अभी तक 2,363 दृष्टिबाधित लोगों को निःशुल्क नेत्र प्रत्यारोपित कर नेत्र उज्योति प्रदान की है। सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय ट्रस्ट के सचिव हीरो ज्ञानचंदानी ने दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना तथा परिवार जन के प्रति संजवन के नेत्रों का दान करवाने पर कृतज्ञता प्रकट की है।



खबर संक्षेप

पूर्व विधायक पटेल को दी जन्मदिन की बधाई
 औबेदुल्लागंज। उदयपुरा विधानसभा के पूर्व विधायक देवेन्द्र पटेल (गडरवास) के 63वें जन्मदिन पर उनकी प्रतिकृति भेंट करते हुए एवं भोपाल दिल्लीद के निवासी मप्र कांग्रेस सेवा दल के प्रदेश अध्यक्ष अरुणेश भागव के पिताजी के निधन पर शोकाकुल परिवार के साथ उपस्थित जिला कांग्रेस रायसेन के प्रभारी पूर्व विधायक रौलेन्द्र पटेल के साथ औबेदुल्लागंज के पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष महेश शर्मा, जीतू नागर, नर्मदा प्रसाद यादव, विश्राम दंगोलिया, महेंद्र सिंह धाकड़ (अधिवक्ता) सोशल मीडिया प्रभारी ब्लॉक कांग्रेस औबेदुल्लागंज उपस्थित थे।

वरिष्ठ नेता माखन सेन का जन्मदिन मनाया
 औबेदुल्लागंज। अर्जुन नगर के वरिष्ठ नेता माखन सेन का जन्मदिन मनाया गया। इस अवसर पर विधायक सुरेंद्र पटवा, मंडल अध्यक्ष डॉ. भूपेंद्र नागर, पंकज कोठारी, आरती यादव, राहुल प्रजापति, वचन लोधी, सना आमीर ममनून, नरेश सेठी, बागिस अग्रवाल, पुरुषोत्तम शर्मा, मनोज चौरसिया आदि ने माखन सेन को जन्मदिन की बधाई दी।

बीमारी से तंग युवक ने फांसी लगाकर दी जान
 भोपाल। बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित गांव ललरिया में बीस साल के युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसकी लाश परिजन ने घर के बाहर टीनशेड में नालोन की रस्सी के सहारे फंदे पर लटकी देखी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस को मृतक के पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रार्थमिक जांच में यह बात सामने आई कि वह अक्सर बीमार रहता था। अनुमान है कि बीमारी से परेशान होकर उसने यह कदम उठाया है। पुलिस के अनुसार सलमान खान पिता चंद्र खान (20) गांव ललरिया में रहता था और खेती किसानी में हाथ बंटता था। परिजन ने बताया कि शुक्रवार रात वह खाना खाकर सो गया था। रविवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे परिजन को नींद खुली तो उन्होंने सलमान को फंदे पर लटका देखा।

समर्थकों ने जनसंपर्क अभियान शुरू करने का किया आग्रह

विधायक पटवा के आशीर्वाद से पंकज को मिली नई ऊर्जा, समर्थकों में उत्साह

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ औबेदुल्लागंज

भोजपुर विधानसभा क्षेत्र के मीडिया प्रभारी पंकज कोठारी को विधायक सुरेंद्र पटवा का आशीर्वाद मिलने के बाद उनके समर्थकों और शुभचिंतकों में उत्साह का माहौल है। स्व. विजय कोठारी की स्मृति में आयोजित प्रसाद वितरण कार्यक्रम के दौरान विधायक सुरेंद्र पटवा ने पंकज कोठारी को स्नेह एवं आशीर्वाद प्रदान किया।

इस अवसर पर विधायक पटवा ने कहा कि पंकज कोठारी हमारे परिवार के सदस्य हैं। विधायक के इस आत्मीय संबोधन के बाद कार्यक्रम में मौजूद समर्थकों में खुशी

संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज की 650वीं जन्म जयंती वर्ष पर आयोजन

समरसता कलश यात्रा में समाज में आपसी प्रेम सद्भाव, भाईचारे को मजबूत करने का आह्वान

समरसता कलश यात्रा का भव्य स्वागत

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ औबेदुल्लागंज

संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज की 650वीं जन्म जयंती वर्ष के पावन अवसर पर रविवार को औबेदुल्लागंज में समरसता कलश यात्रा का आगमन हुआ। इस अवसर पर भोजपुर विधायक सुरेंद्र पटवा के नेतृत्व में समरसता कलश यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। यात्रा ने पूरे नगर में भ्रमण कर सामाजिक समरसता, भाईचारे और एकता का संदेश दिया। इस अवसर पर विधायक सुरेंद्र पटवा और जनप्रतिनिधियों ने स्वजनों के साथ संत रविदास महाराज की प्रतिमा का पूजन-अर्चन कर समस्त समाज एवं जगत के कल्याण, सुख-शांति की कामना की।



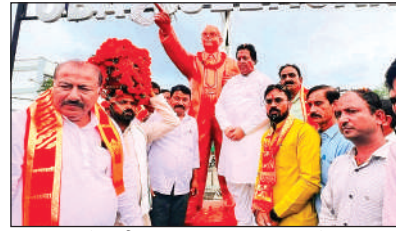
संत रविदास महाराज की जयंती के उपलक्ष्य में निकाली कलश यात्रा में पटवा शामिल हुए।

संत रविदास महाराज के विचारों को जीवन में अपनाएं: विधायक पटवा

विधायक पटवा ने कहा कि संत रविदास महाराज का संदेश मन चंगा तो कठौती में गंगा हम सभी को समानता, सद्भाव और समरसता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। यात्रा के माध्यम से सामाजिक एकता और समरसता का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। पटवा ने नागरिकों से संत रविदास महाराज के विचारों को अपने जीवन में अपनाने और समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव एवं भाईचारे को मजबूत करने का आह्वान किया।

यह रहे समरसता कलश यात्रा में शामिल

समरसता कलश यात्रा में संत मोहनलाल जिला उपाध्यक्ष ओमप्रकाश मीणा, पूर्व महामंत्री विजयवर्गीय, मंडल अध्यक्ष डॉ. भूपेंद्र नागर, कन्हैया नंदवंशी, नरेंद्र शर्मा, पार्षद सुनील सेरिया, पार्षद सुनील यादव, माधव यादव, वागिस अग्रवाल, नरेश सेठी, सना आमीर ममनून, राधा राजेंद्र साहू, रामकिशोर नंदवंशी, पवनजोत सिंह, आरती यादव, विक्रम यादव, पुरुषोत्तम शर्मा, मनोज चौरसिया, प्रियंका गुप्ता, निशा बाहेकर, प्रेम नारायण सोनी, सीधम ओं किरण रहगडाले, नगर परिषद के रामेश्वर नागर समेत अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।



बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते पटवा।

फूलों की वर्षा कर कलश की आरती की

प्राचीन श्री हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष सोनू चौकसे, कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीप अरोड़ा, सुजीत यादव, अशोक जायसवाल, हिंदू उत्सव समिति के वरिष्ठ सुधीर कमल, रमेश वासवानी, दौलत वासवानी, गीगा गंगवानी आदि ने फूल वर्षा कर कलश की आरती की। नगर परिषद के सामने बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर कलश के साथ पुष्प वर्षा की। इसके बाद नगर परिषद कार्यालय में भव्य स्वागत किया गया। आखिर में संत रविदास महाराज

लाइफ लाइन पब्लिक स्कूल में शिक्षक सम्मान समारोह

उत्कृष्ट कार्यों के लिए शिक्षिकाओं को शील्ड देकर किया सम्मानित



शिक्षिकाओं को सम्मानित करते अतिथि।

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ संतनगर

विजय श्री एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा संचालित लाइफ लाइन पब्लिक स्कूल में शिक्षक सम्मान समारोह पूज्य सिंधी पंचायत के उपाध्यक्ष ओमप्रकाश रीझवानी (शेरू) के मुख्य आतिथ्य में हुआ। अतिथियों का स्वागत किरण वाधवानी ने मां तुलसी के पौधे के साथ शॉल पहनाकर किया। स्टूडेंट्स ने डांस परफॉर्मेंस दिए।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी का उत्सव मनाया

बाबा गोविंदराम बरसी महोत्सव में प्रतिदिन सुबह और शाम गूंज रहे भजन-कीर्तन

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ संतनगर

सुखसागर उदासीन आश्रम बैरागढ़ में सतगुरु स्वामी बाबा गोविंददास उदासीन का वर्सी महोत्सव, तीजड़ी पर्व, श्री कृष्ण जन्माष्टमी का उत्सव व 34वां महोत्सव आश्रम के गद्ददीशीन महंत स्वामी बाबा रामदास उदासीन के सानिध्य में मनाया गया। सात दिवसीय महोत्सव में प्रातः व सांयकाल भजन कीर्तन का कार्यक्रम हो रहा है। इस अवसर पर गद्ददीशीन बाबा रामदास उदासीन गुरु ग्रंथ साहिब, भागवत कथा व गीता के वचनों को अपनी वाणी से श्रद्धालुओं को श्रवण करा रहे हैं।



महोत्सव में प्रतिदिन सत्संग का आयोजन किया जा रहा है।

यह गणगान्य महोत्सव में हुए शामिल

जन्माष्टमी पर भगवान श्री कृष्ण के जीवन पर बाबा ने विचार रखे। इस अवसर पर महंत बाबा रामदास उदासीन के अलावा गुरु माता राधा देवी, संतोष उदासीन, नानक उदासीन, बाबा गोविंद दास सेवा समिति के नारायण दास सभनानी, तुलसी सदरंगानी, माधु चांदवानी, लीलाराम लेखवानी, लालचंद जसवानी, श्याम कुमार गोपलानी, नरेश तोलानी, मोहनलाल, दीपक साधवानी, अमित सदरंगानी व भक्त उपस्थित रहे।

4.5 मीटर विशाल जैन प्रतिमा होगी संरक्षित एवं पुनः स्थापित

अब आशापुरी की जैन धरोहर को मिलेगा नया जीवन 40 लाख रुपए के बजट से संरक्षण कार्य की तैयारी



ग्राम आशापुरी के समीप ऐतिहासिक धरोहर।

तीन चरणों में किया जाएगा विकसित

पहले चरण में परिसर की सफाई, प्राचीन मंदिर के चबूतरे एवं गर्भगृह क्षेत्र की वैज्ञानिक जांच/उत्खनन तथा आवश्यक पैदल मार्ग का विकास किया जाएगा। दूसरे चरण में करीब 4.5 मीटर ऊंची विशाल जैन तीर्थंकर प्रतिमा का विशेषज्ञों की देखरेख में वैज्ञानिक संरक्षण कर उसके मूल स्वरूप एवं कायोत्सर्ग मुद्रा में पुनःस्थापना का प्रयास किया जाएगा। तीसरे चरण में सुरक्षा दीवार, सड़क, समतलीकरण, पाकिंग, मुख्य प्रवेश द्वार एवं अन्य पर्यटक सुविधाओं का विकास प्रस्तावित है।

आशापुरी की विशाल जैन प्रतिमा और मंदिर अवशेष मग्न की महत्वपूर्ण सांस्कृतिक एवं जैन विरासत
 जैन धरोहर संरक्षण परिषद के इंजीनियर अमित कुमार जैन एवं राजीव जैन, इंजीनियर कुमेश जैन आदि ने निरीक्षण के दौरान प्राचीन अवशेषों के वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण, प्रतिमा के मूल स्वरूप के संरक्षण तथा उपलब्ध प्राचीन पत्थरों के परीक्षण एवं उचित उपयोग को लेकर सुझाव दिए। परिषद ने पुरातत्व विभाग के संचालक मदन कुमार (आईएफए), उप संचालक डॉ. मनोज शर्मा तथा वरिष्ठ पुरातत्व विशेषज्ञ एवं परियोजना प्रभारी रमेश यादव के प्रयासों की सराहना की। सर्वोदय अध्यक्ष पंकज जैन ने भी स्थल का महत्व बताया।

भिंड में भी जहरीली शराब से हुई थी मौतें, पर नहीं रुका माफिया का काम

हरिभूमि न्यूज

सागर जिले के बंडा से करीब 18 किमी दूर उत्तर प्रदेश बार्डर के उगांव, बरेठी समेत तीन गांवों में जहरीली शराब के कहर से दर्जन भर से ज्यादा मौतें हुई हैं।

इसकी जानकारी के तत्काल बाद हालांकि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सख्त एक्शन लेते हुए पुलिस व आबकारी विभाग के अफसरों के खिलाफ कार्रवाई की। किंतु एक बड़ा सवाल यह है कि पिछले सात सालों में जहरीली शराब से चार जिलों में 60 से अधिक मौतें हुई। किंतु मौतों का सिलसिला रूकने का नाम नहीं ले रहा है।

तत्कालीन सरकार में उज्जैन से शुरू हुआ था सिलसिला

उज्जैन, मुरैना और मंदसौर में जहरीली शराब ने मचाया था कहर

मंदसौर में भी जहरीली शराब से हुई थी मौतें

इस घटना के कुछ ही महीनों बाद जुलाई 2021 में ही मंदसौर और आसपास के इलाकों में जहरीली शराब का मामला सामने आया। एसआईटी ने जांच के बाद इसे स्पूरियस लिकर से जुड़ी घटना माना था। उस समय करीब 11 मौतों की बात सामने आई थी। एक के बाद एक सामने आई इन घटनाओं ने यह सवाल खड़ा किया कि प्रदेश में अवैध शराब बनाने और दूसरे राज्यों से इसकी तस्करी रोकने के लिए बनी व्यवस्था आखिर कितनी प्रभावी है।



फाइल फोटो।

सागर की घटना से भी आबकारी पर उठे सवाल

सूत्रों ने बताया कि प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में बड़े पैमाने पर अवैध शराब खुद शराब ठेकेदारों की ओर से बिकवाई जा रही है। इस घटना में भी आबकारी ठेकेदार मनीष लोधी व नीरज लोधी के ठेके को जिम्मेदार माना जा रहा है। आशंका जताई जा रही है कि ठेकेदारों ने ही उगांव व बरेठी गांव में असली शराब के साथ नकली शराब की विक्री ग्रामीण एजेंटों से कराई है। चूंकि ठेकेदारों का गांव गांव तक नेटवर्क शुरू है। बताते हैं कि जिस बैच की शराब की विक्री उगांव व तीन गांवों में की गई। उसी बैच की शराब की सप्लाई कई जिलों में हुई, किंतु उन जिलों में कोई घटना नहीं हुई। जिस बैच की शराब से मौतें हुई हैं, वह नकली मानी जा रही है, उसे असली के साथ बेचा गया था। सूत्रों ने बताया कि उप्र के बार्डर के जिलों ललितपुर में नकली शराब का कारोबार है। वहीं से शराब यहां ले आकर बेचा गया है। पिछले करीब सात वर्षों में हर बड़ी घटना के बाद पुलिस और आबकारी विभाग ने कार्रवाई की, अधिकारियों पर गज गिरी और सरकार ने कानून भी सख्त किए, पर अवैध शराब बनाने और बेचने वाला नेटवर्क खत्म नहीं हो सका।

मुख्यमंत्री ने कहा, वैश्विक मीडिया के समक्ष प्रस्तुत हुई मप्र की विकास दृष्टि सरकार का उद्देश्य दीर्घकालिक विकास साझेदारी का विश्वसनीय मंच तैयार करना

नीति-निर्माताओं ने भाग लेकर वैश्विक निवेश एवं आर्थिक सहयोग के विभिन्न आयामों पर विचार-विमर्श किया

हरिभूमि न्यूज

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मीडिया से बातचीत में मप्र की औद्योगिक, अवसंरचनात्मक, पर्यटन तथा लॉजिस्टिक्स क्षमताओं को वैश्विक मीडिया के समक्ष प्रस्तुत किया।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य केवल निवेश आकर्षित करना नहीं, बल्कि निवेशकों के लिए दीर्घकालिक विकास साझेदारी का एक विश्वसनीय मंच तैयार करना है। मुख्यमंत्री ने मप्र की सिंगल विंडो प्रणाली, त्वरित स्वीकृति तंत्र, प्रतिश्रीील औद्योगिक नीतियों तथा राज्य की रणनीतिक भौगोलिक स्थिति को निवेशकों के लिए विशेष आकर्षण बताया।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 27 की रूपरेखा से कराया कराया अवगत

विकास अभियान का सहभागी बनने का आमंत्रण

डॉ. यादव ने विभिन्न देशों के वरिष्ठ नीति-निर्माताओं, निवेशकों, वित्तीय संस्थानों के प्रमुखों और वैश्विक उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ संवाद करते हुए मध्यप्रदेश की निवेश-अनुकूल नीतियों, लॉजिस्टिक क्षमताओं तथा आगामी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2027 की रूपरेखा से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने मप्र विनिर्माण, खाद्य प्रसंस्करण, नवकरणीय ऊर्जा,



अरब संसद के अध्यक्ष मो. अहमद अल यामाही को जीआईएस 27 में निवेशकों के साथ भोपाल आने का सीएम ने आमंत्रण पत्र सौंपा।

लॉजिस्टिक्स, शहरी अवसंरचना, प्रौद्योगिकी तथा निर्यातमुख्य उद्योगों में उपलब्ध व्यापक निवेश अवसरों को रेखांकित करते हुए वैश्विक निवेशकों को राज्य के विकास अभियान का सहभागी बनने का आमंत्रण दिया। इस संवाद ने मप्र और अंतर्राष्ट्रीय निवेश समुदाय के बीच दीर्घकालिक आर्थिक सहयोग और रणनीतिक साझेदारियों की संभावनाओं को और सुदृढ़ किया।

एआईएम कांग्रेस 2026 के ‘टाइकून्स रात्रि भोज’ कार्यक्रम में सहभागिता

दुबई दौरे के प्रथम दिवस का समापन एआईएम कांग्रेस 2026 के विशेष आमंत्रण-आधारित उच्चस्तरीय नेटवर्किंग कार्यक्रम ‘टाइकून्स रात्रि भोज’ में मुख्यमंत्री शामिल हुए। यह कार्यक्रम एआईएम कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ. थानी बिन अहमद अल जेयूदी की मेजबानी में आयोजित किया गया। इस अवसर पर महामहिम इं. सुल्तान अहमद बिन सुलेयम अल मंसूरी, अध्यक्ष, दुबई कैबर्स, मोहम्मद अली राशिद तुता, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, दुबई कैबर्स; जालेम मोहम्मद अबुलदेवी, महासचिव, खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी); अब्दुल्ला बिन आदेल फखरी, तुर्किक राज्यों का संगठन, तथा बद्र जाफर, विशेष दूत, संयुक्त अरब अमीरात विदेश मंत्रालय विशेष रूप से उपस्थित रहे।

दुबई में मप्र के ‘एक जिला-एक उत्पाद’ की प्रदर्शनी का शुभारंभ

दुबई में मप्र के विभिन्न जिलों के विशिष्ट उत्पादों पर आधारित ‘एक जिला-एक उत्पाद’ प्रदर्शनी का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया। प्रदर्शनी के माध्यम से मप्र के विभिन्न जिलों की विशिष्ट पहचान रखने वाले उत्पादों, स्थानीय कला, शिल्प एवं उत्पादों की अंतरराष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराया जा रहा है। इसका उद्देश्य प्रदेश के स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार से जोड़ना तथा प्रदेश के उद्यमियों एवं उत्पादकों के लिए नए अवसर सृजित करना है। दुबई में आयोजित यह प्रदर्शनी 7 दिनों तक खुली रहेगी, जिससे स्थानीय नागरिकों के साथ अंतरराष्ट्रीय आगंतुकों भी मध्यप्रदेश के विविध उत्पादों और उसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिचित हो सकेंगे।

10 सितंबर दोपहर 12 बजे तक करा सकेंगे पंजीयन

यात्री परिवहन विजन समिट में जुटेंगे विशेषज्ञ, बस ऑपरेटर और उद्योग जगत के प्रतिनिधि

हरिभूमि न्यूज

मप्र के नागरिकों को सुगम, सुरक्षित, स्मार्ट और प्रदूषण रहित परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में मप्र सरकार का और से यात्री परिवहन विजन समिट 2026 का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा पर केंद्रित इस दो दिवसीय समिट में निजी बस ऑपरेटर, नीति निर्माता, परिवहन विशेषज्ञ और उद्योग जगत के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

समिट में प्रदेश की मौजूदा यात्री परिवहन व्यवस्था को और बेहतर, आधुनिक एवं प्रभावी बनाने को लेकर विचार-विमर्श किया जाएगा। यह समिट 11 एवं 12 सितंबर को इंदौर

के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में होगी। इसमें परिवहन क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ, बस ऑपरेटर और उद्योग जगत के प्रतिनिधि अपने अनुभव एवं सुझाव साझा करेंगे। साथ ही प्रदेश में यात्री परिवहन को अधिक भागीजनक और तकनीक आधारित बनाने, यात्रियों की सुरक्षा और पर्यावरण अनुकूल परिवहन व्यवस्था विकसित करने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा होगी।

समिट में यात्री परिवहन क्षेत्र में होने वाले नवाचारों पर भी चर्चा होगी। सार्वजनिक परिवहन को अधिक सक्षम बनाने के साथ ही निजी क्षेत्र की भागीदारी और आधुनिक तकनीक के उपयोग पर भी विशेषज्ञ अपने सुझाव देंगे।

कार्यक्रम स्थल को लेकर बना है असमंजस राहुल गांधी के कार्यक्रम के लिए कलेक्टर से मिले कांग्रेसी नेता

विशेष प्रतिनिधि

इंदौर में राहुल गांधी के 19 सितंबर के प्रस्तावित कार्यक्रम ‘छात्रों की गुंज’ को लेकर कांग्रेस की तैयारियां जारी हैं, लेकिन कार्यक्रम स्थल को लेकर अब भी असमंजस बना हुआ है। कांग्रेस नेता रीजनल पार्क के सामने आईडीए के



खाली मैदान की अनुमति के लिए प्रयास कर रहे हैं। इसके अलावा भंवरकुआं इलाके

में भी वैकल्पिक जगह तलाशने की कवायद चल रही है। कांग्रेस नेताओं ने कलेक्टर से मिल कर इंदौर के तीन स्थानों में से किसी एक जगह पर कार्यक्रम की अनुमति मांगी है। इनमें रीजनल पार्क के सामने खाली मैदान, खंडवा रोड स्थित यूनिवर्सिटी का खाली ग्राउंड और जीपीसीसी कॉलेज के पीछे का खाली मैदान शामिल है। कांग्रेस ने और से कार्यक्रम में शामिल होने वाले छात्रों के लिए व्हायर कोड जारी कर रजिस्ट्रेशन कराया जा रहा है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेड़े ने दावा किया कि शुक्रवार रात तक 35 हजार से ज्यादा छात्रों का रजिस्ट्रेशन हो चुका है।

मानस भवन में मनाया गया विधायक सबनानी का जन्मदिन

ऊर्जा प्रदान करती है जनता का स्नेह और विश्वास क्षेत्र का विकास पहली प्राथमिकता: सबनानी

हरिभूमि न्यूज

दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक और भाजपा के वरिष्ठ नेता भगवानदास सबनानी के जन्मदिन पर मानस भवन में भव्य समारोह आयोजित किया गया। बड़ी संख्या में पहुंचे भाजपा नेता कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने अपने विधायक के जन्मदिन को उत्सव के रूप में मनाया। समारोह में ऐसा नजारा देखने को मिला, जहां हर तरफ अपने नेता के लिए लोगों का उत्साह और आत्मीयता दिखाई दी... किसी ने शुभकामनाएं दीं... तो किसी ने फूलों से स्वागत कर अपने विधायक के प्रति स्नेह जताया।

जन्मदिन के अवसर पर विधायक सबनानी ने सुबह शहर के प्राचीन नेवरी मंदिर में सपरिवार पूजा अर्चना की। संत हिरदाराम नार में संतजी की कुटिया पर जाकर आशीर्वाद लिया। क्षेत्र में अनेकों जगह आयोजित कार्यक्रमों में जाकर



सेवा कार्य किया, एक पेड़ मां के नाम पर नमो वन में पौधारोपण किया। मानस भवन में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि, इतनी बड़ी संख्या में लोगों का स्नेह प्यार और विश्वास देखकर मैं अभिभूत हूं। मैं सभी स्नेहीजनों को हजारों धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने मेरी जन्मदिन को एक उत्सव की तरह मनाया। आपका यही विश्वास मुझे ऊर्जा प्रदान करता है। जन्मदिन पर मानस भवन में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री



कृष्णा गौर, सांसद आलोक शर्मा, रजनीश अग्रवाल, विधायक रामेश्वर शर्मा, महापौर मालती राय, शैलेंद्र शर्मा, सत्येंद्र भूषण सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष रविंद्र यती, कैलाश मिश्रा, गोविंद गोयल, जिला बार के अध्यक्ष देवेंद्र रावत महापौर परिषद के सदस्यों के साथ पार्षदों एवं एल्टरड मैम सहित कर्मचारी संगठन सामाजिक संगठन धार्मिक संगठन रहवासीय समितियों ने अपनी शुभकामनाएं

दवे ने सबनानी को दीं जन्मदिवस की शुभकामनाएं

भोपाल। दक्षिण पश्चिम के विधायक भगवान दास सबनानी के जन्मदिवस पर भाजपा झुगुनी-झोपड़ी प्रकोष्ठ, जिला भोपाल के सहसंयोजक महेंद्र दवे ने उनके निज निवास पहुंचकर पुष्पगुच्छ भेंट कर जन्मदिवस की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर दवे ने बाबा महाकाल से भगवान दास सबनानी के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं यशस्वी जीवन की कामना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं व्यक्त कीं।



23-24 अक्टूबर को ‘एमपी सेमीकंडक्टर समिट-2026’ का आयोजन सेमी-कंडक्टर क्षेत्र में मध्यप्रदेश शािएगा अग्रणी भूमिका : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

विशेष प्रतिनिधि

इंदौर में अगले महीने 23-24 अक्टूबर को ‘एमपी सेमीकंडक्टर समिट-2026’ का आयोजन किया जा रहा है। समिट में देश-विदेश के निवेशक, तकनीकी विशेषज्ञ और नीति-निर्माता एक मंच पर जुटेंगे।

यहां प्रदेश में मजबूत सेमीकंडक्टर इको सिस्टम विकसित करने, निवेश की संभावनाओं, तकनीकी सहयोग और औद्योगिक विस्तार पर व्यापक विचार-मंथन होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को नई गति देने के लिए मध्यप्रदेश अग्रणी भूमिका निभाने को तैयार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में



अत्याधुनिक तकनीक, निवेश और नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया जा रहा है, जिससे मध्यप्रदेश देश के उभरते सेमीकंडक्टर इको सिस्टम का महत्वपूर्ण केंद्र बन सके। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि सेमीकंडक्टर तकनीक भारत के आत्मनिर्भर और विकसित भविष्य की आधारशिला है।



भाजपा के विरोध ने कर दिया राहुल का प्रचार

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का 19 सितंबर को इंदौर में होने वाला ‘छात्रों की गुंज’ कार्यक्रम देहरादून, प्रयागराज और पुणे से भी ज्यादा चर्चा में है। वजह है कांग्रेस द्वारा कार्यक्रम के लिए मांगे गए नेहरू स्टेडियम को भाजपा शाषित मंत्र परिषद द्वारा देने से इंकार और भाजपा नेताओं द्वारा लगातार की जा रही बयानबाजी। भाजपा ने ऐसा कर राहुल गांधी का प्रचार कांग्रेस से ज्यादा कर दिया। कांग्रेस ने इसे धुनाने की तैयारी शुरू कर दी है और इंदौर के कार्यक्रम में पुणे से भी ज्यादा युवाओं को इकट्ठा करने का टारगेट हाथ में ले लिया है। पुणे सहित अन्य भाजपा शाषित राज्यों में भी राहुल के कार्यक्रम को काफी अनाकाली के बाद शर्तों के साथ मंजुरी मिली लेकिन इंदौर में मामले को कुछ ज्यादा ही तूल दे दिया गया। कांग्रेस का दावा है कि राहुल गांधी के कार्यक्रम में 50 हजार युवा आएंगे तो इंदौर के महापौर ने मजाकिया अंदाज में कहा कि फिर कांग्रेस को कोई बड़ा मैदान देखना चाहिए क्योंकि नेहरू स्टेडियम की क्षमता 50 हजार की है ही नहीं। कांग्रेस यही चाहती थी कि भाजपा की ओर से राहुल गांधी का विरोध हो।

नितिन, जामवाल से मुलाकात के बाद फिर चर्चा में नरोत्तम

दतिया उप चुनाव में भाजपा की हार के एक माह बाद प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा फिर चर्चा में हैं। वजह है भाजपा के दिग्गजों से उनकी मुलाकातें। मुलाकातों में क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल का उनके निवास जाकर मिलना और इसके बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को दिल्ली बुलाकर बात करना महत्वपूर्ण है। नबीन से मिलने नरोत्तम भोपाल के पूर्व निर्धारित कार्यक्रम छोड़ कर दिल्ली पहुंचे। उनकी भाजपा अध्यक्ष के साथ लगभग आधा घंटे बातचीत हुई। इधर जामवाल ने उनसे लंबी चर्चा की। कुछ का कहना है कि नरोत्तम की पार्टी में नई भूमिका को लेकर कवायद शुरू हुई है और जल्द ही उन्हें कोई जवाबदारी मिल सकती है। दूसरी खबर यह भी है कि दतिया उप चुनाव के दौरान और उसके बाद नरोत्तम ने नबीन से मुलाकात का समय मांगा था। तब तब नहीं मिला और अब समय दिया गया। मैसेज आने पर वे दिल्ली पहुंच गए। क्या नरोत्तम को कोई नई जवाबदारी मिलने वाली है? दतिया जिलाध्यक्ष को लेकर उनकी राय ली गई है।

संघ की आड़ में दिग्विजय का अपनों पर निशाना

दिग्विजय सिंह की सोशल मीडिया पर ताजा पोस्ट ने

शराब कांड के दोषियों को 24 घंटे में जेल भेजें, राहुल के दौरे को अनुमति दें: पटवारी

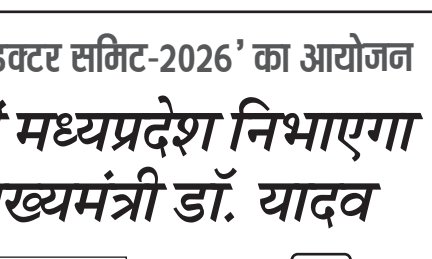


गुलारा खुर्द, नौराज, बराज स्मृत गांवों में संदिग्ध जहरीली शराब पीने से हुई मौतों पर दुःख जताया। उन्होंने कहा कि इससे पहले सागर के शाहपुरा में 9 और अब बंडा में 11 लोगों की जान जा चुकी है। पटवारी ने कहा कि मैंने मुख्यमंत्री को पहले ही पत्र लिखकर आगाह किया था कि प्रदेश नशे की गिरफ्त में है। सरकार 24 घंटे के भीतर दोषियों को जेल भेजे।

जहरीली शराब से मौतें सरकार की नाकामी का प्रमाण : कुणाल

बंडा में जहरीली और नकली शराब पीने से बेगुनाह लोगों की मौत केवल एक हादसा नहीं, बल्कि सरकार की तंत्र की गंभीर लापरवाही और जवाबदेही के अभाव का

परिणाम है। यह आरोप कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक कुणाल चौधरी ने पीसीसी में मीडिया से चर्चा के दौरान लगाए। चौधरी ने कहा कि यदि जहरीली शराब की आपूर्ति की जानकारी पहले से थी, तो समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं की गई? यह सवाल सीधे पुलिस, आबकारी विभाग और सरकार की कार्यप्रणाली पर उठता है।



तकनीकी क्षेत्र में हो रहे जरूरी बदलाव देश में तकनीकी क्षेत्र में हो रहे बदलाव और विकास में मध्यप्रदेश भी सहभागी बन रहा है। सेमीकंडक्टर इंडिया प्रोग्राम 2.0 में मध्यप्रदेश अपनी भूमिका मजबूत कर रहा है। केंद्र सरकार द्वारा 6 राज्यों में 12 सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी दिए जाने के बाद इस क्षेत्र में देश की गति तेज हुई है। डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश अपनी नीतिगत पहल, विदेश-अनुकूल वातावरण और औद्योगिक क्षमता के जरिए इस उद्योग अभियान को नई ऊंचाई देगा।

संघ को लेकर समूची कांग्रेस के रुख पर ही सवाल खड़ा कर दिया है। उन्होंने लिखा कि वे वर्ष 1972 से आरएसएस, विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल से लड़ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जब भी वे इन संगठनों के खिलाफ आवाज उठाते थे, तो एआईसीसी के तत्कालीन मीडिया विभाग के प्रमुख उन्मके बयानों से किनारा कर लेते थे। उन्होंने खुलासा करते हुए कहा कि जब वे बम ब्लास्ट के मामलों में आरोपी संघ कार्यकर्ताओं की शिकायत लेकर कांग्रेस सरकार के तत्कालीन केंद्रीय गृहमंत्री के पास पहुंचे थे, तो उन्होंने आरएसएस को एक ‘राष्ट्रवादी संगठन’ बता दिया था। अंत में उन्होंने लिखा कि मुझे इस बात की अति प्रसन्नता है कि अब कांग्रेस नेतृत्व ने संघ के असली चेहरे को पहचाना है।

मानक के सामने भूले-विगत नेताओं को जोड़ने की चुनौती

लंबे समय से संगठन के काम-काज से दूर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मानक अग्रवाल को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने नई जवाबदारी सौंपी है। यह है पार्टी के पूर्व सांसदों और विधायकों में समन्वय बनाना और पटवारी के साथ जोड़ कर उन्म चुनाव तक सक्रिय रखना। इसके साथ ही उन्हें मानक को प्रदेश मुख्यालय में खुद के चैंबर से जुड़ा एक कक्ष भी आवंटित करा दिया। बाहर से देखने में यह वास्तव सामान्य लगता है लेकिन है यह बड़ा और चुनौतीपूर्ण। भूला-बिसरा समझ कर आस के साथ उन्हें कांग्रेस की कार्यप्रणाली में खुद का कक्ष प्रदान करने का प्रयास करने की आवश्यकता है। इनके घर बैठने का नुकसान कांग्रेस को चुनाव में उठाना पड़ता था। पहली बार किसी प्रदेश अध्यक्ष ने इनकी नागराणी दूर कर पार्टी में सक्रिय करने की ओर ध्यान दिया है। इस काम के लिए मानक अग्रवाल ने अच्छा चुनाव नहीं हो सकता था। मानक तत्कालीन सीएम प्रकाशचंद्र सेठी के समय से सक्रिय और महत्वपूर्ण भूमिका में रहे हैं। हर वरिष्ठ पूर्व सांसद और विधायक उनसे परिचित हैं।

भाजपा के दिग्गजों ने दी कार्यकर्ताओं की पीड़ा को आवाज

भाजपा के दो दिग्गज नेता और पूर्व वरिष्ठ मंत्रियों के बयानों पर पार्टी नेतृत्व को गौर फरमाना चाहिए। इन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं की पीड़ा को आवाज दी है। बयान देने वाले नेता हैं प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री हिमंत कोठारी और पूर्व वित्त मंत्री जयंत मलैया। कोठारी ने प्रदेश सरकार के गठन के दौरान पीने तीन वर्ष बीत जाने के बावजूद विभिन्न समितियों, निगम-मंडलों, प्राधिकरणों और सहकारी क्षेत्र में कार्यकर्ताओं की नियुक्तियां लंबित रहने पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि यह देखने में आता है कि सरकार बनने के बाद बड़े पदों पर नियुक्तियां अपेक्षाकृत जल्दी हो जाती हैं, लेकिन जब जमीनी स्तर पर वर्षों से संगठन के लिए काम कर रहे कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी देने की बात आती है, तो निर्णय में काफी समय लग जाता है। इससे कार्यकर्ताओं में निराशा का भाव पैदा होता है। मलैया का एक वीडियो वायरल है। इसमें वे कहते दिखाई पड़ रहे हैं कि अधिकारी हों या नेता, सभी रिश्त खाने में मस्त हैं। किसी का कोई काम बिना पैसा लिए नहीं हो रहा।

दिनेश निगम ‘त्यागी’

खबर संक्षेप

इनफिनिक्स हॉट 70 प्रो भारत में हुआ लांच

नई दिल्ली। स्मार्टफोन ब्रांड इनफिनिक्स ने भारत में अपना नया स्मार्टफोन हॉट 70 प्रो लॉन्च किया है।



कंपनी के मुताबिक, यह फोन युवाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जिसमें आकर्षक डिज़ाइन, इंटरैक्टिव अनुभव और बेहतर रोजमर्रा की परफॉर्मेंस का संयोजन देखने को मिलता है। इनफिनिक्स इंडिया के सीएमओ मिराज गुप्ता ने कहा कि आज के स्मार्टफोन केवल ज्यादा स्मार्ट होने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उनमें यूजर की पर्सनैलिटी को भी व्यक्त करने की क्षमता होनी चाहिए।

मिवी का स्मार्टफोन ‘मिवी वन’ 24 को होगा लांच

नई दिल्ली। घरेलू कंज्यूमर टेक्नोलॉजी ब्रांड्स में शामिल मिवी ने स्मार्टफोन कैटेगरी में प्रवेश करने की घोषणा की है। कंपनी



क्वालकॉम, फ्लिपकार्ट और गूगल के साथ साझेदारी में अपना पहला स्मार्टफोन ‘मिवी वन’ 24 सितंबर 2026 को लॉन्च करेगी। यह स्मार्टफोन विशेष रूप से केवल फ्लिपकार्ट पर उपलब्ध कराया जाएगा।कंपनी के अनुसार, अपने सेगमेंट में मिवी वन भारत का एकमात्र स्मार्टफोन होगा, जिसमें स्नैपड्रैगन जंजी चिपसेट दिया जाएगा। इसे भारतीय उपभोक्ताओं की जरूरतों और उपयोग को ध्यान में रखते हुए

हीरो ने एथर एनर्जी में हिस्सेदारी बढ़ाई

नई दिल्ली। दोपहिया वाहन निर्माता हीरो मोटोकॉर्प ने इलेक्ट्रिक दोपहिया कंपनी एथर एनर्जी में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 32.8 प्रतिशत कर ली है। कंपनी ने खुले



बाजार में सिंगापुर सरकार से करीब 1,758 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर खरीदे। एनएसई के आंकड़ों के मुताबिक, हीरो मोटोकॉर्प ने बेंगलुरु स्थित एथर एनर्जी के 1,18,80,000 शेयर औसतन 1,480 रुपए प्रति शेयर की कीमत पर खरीदे। इस सौदे की कुल कीमत करीब 1,758.24 करोड़ रुपए रही। एथर एनर्जी में उसकी हिस्सेदारी बढ़कर 32.8 प्रतिशत हो गई है।

बिजनेस न्यूज़

शिक्षक दिवस पर ओरिएंटल में हुआ ‘युवा संवाद’

भोपाल। शिक्षक दिवस के अवसर पर ओरिएंटल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी भोपाल में ‘युवा संवाद’ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अवधूत दादा गुरुजी भगवान के सान्निध्य में युवाओं को शिक्षा, संस्कार, जीवन-मूल्यों और जीवन में सही दिशा के महत्व पर प्रेरक विचार दिए गए।अवधूत दादा गुरुजी भगवान ने युवाओं को प्रकृति के करीब रहने तथा उसके संरक्षण के साथ प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी शिक्षा के साथ संस्कार और जीवन-मूल्यों को आत्मसात कर समाज और राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। कार्यक्रम में प्रवीण शर्मा, अध्यक्ष, एबीवीपी, डॉ. पिया भावे चित्तावर, राष्ट्रीय समन्वयक, नर्मदा मिशन, डॉ. स्मिता रिछारिया (जिजी माई), अध्यक्ष, नर्मदा मिशन तथा सुश्री मधु चौधरी, संचालिका, रविंद्र भवन, संस्कृति विभाग सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन अवसर पर परिसर में वृक्षारोपण किया गया।



मामा में शिक्षक दिवस पर हुआ भव्य आयोजन

भोपाल। भाभा विश्वविद्यालय, भोपाल में शिक्षक दिवस हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन एवं वंदना से हुई। इस दौरान शिक्षकों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और शिक्षक दिवस को यादगार बनाया। कार्यक्रम में केक काटने के साथ प्रेरक विचार, प्रेरणादायक कहानियां, शेर-ओ-शायरी, मनमोहक नृत्य और शिक्षकों की विभिन्न प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं। शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से गुरु-शिष्य परंपरा और शिक्षक के महत्व को रेखांकित किया। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षक केवल विद्यार्थियों को शैक्षणिक ज्ञान प्रदान करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे उन्हें अनुशासन, जीवन-मूल्य, आत्मविश्वास, मेहनत, मानवता और सही निर्णय लेने की क्षमता भी विकसित करने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम में कहा गया कि मां हमारी प्रथम गुरु हैं, जबकि भावान श्रीराम सत्य, मर्यादा, कर्तव्य और आदर्श जीवन का मार्ग दिखाते हैं। इस अवसर पर डॉ. बीआर अंबेडकर, डॉ. एस. राधाकृष्णन, शहीद भगत सिंह और आचार्य चाणक्य जैसे महान व्यक्तित्वों को भी स्मरण किया गया। वक्ताओं ने कहा कि इन महापुरुषों ने अपने ज्ञान, विचारों और कर्मों से समाज तथा आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरणा दी है।



मप्र सरकार से की मांग, लिखा मुख्यमंत्री, परिवहन मंत्री और मुख्य सचिव को पत्र

वाणिज्य प्रतिनिधि ►►भोपाल

हाईवे पर सड़क किनारे खड़े भारी वाहनों के कारण होने वाले हादसों और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के प्रभावी पालन को लेकर ट्रक ऑपरेटर्स एवं परिवहन क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों ने मध्यप्रदेश सरकार से सुरक्षित ट्रक पार्किंग की ठोस व्यवस्था करने की मांग की है। इस संबंध में आरटीओ एवं ट्रैफिक कमेटी, एआईएमटीसी के चेयरमैन तथा ईदौर ट्रक ऑपरेटर्स एंड ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आईटीओटीए) के पूर्व अध्यक्ष सीएल मुकाती ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह और मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल को पत्र भेजा है।

पत्र में हाईवे पर खड़े ट्रकों और सड़क सुरक्षा का हवाला देते हुए कहा गया है कि हाईवे या सड़क किनारे भारी वाहनों की पार्किंग रोकना सड़क सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक है, लेकिन इसके साथ ट्रक चालकों के लिए सुरक्षित और व्यवस्थित पार्किंग की सुविधा उपलब्ध कराना भी जरूरी है।

आरटीओ एवं ट्रैफिक कमेटी, एआईएमटीसी के चेयरमैन ने उठाई सरकार से मांग



चालक की थकान बन सकती है हादसे का कारण

मुकाती ने कहा कि वर्तमान में ट्रक चालकों के सामने सबसे बड़ी समस्या सुरक्षित विश्राम स्थल की है। सड़क किनारे ट्रक खड़ा करने पर वाहन में लदे लाखों रुपये के माल, डीजल, बैटरी और अन्य सामान की चोरी का खतरा बना रहता है। सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण चालक कई बार पूरी नींद नहीं ले पाते और थकान की स्थिति में वाहन चलाने को मजबूर होते हैं। उन्होंने कहा कि अधूरी नींद और

चालक की थकान सड़क दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बन सकती है। इसलिए केवल हाईवे से ट्रकों को हटाना समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। इसके साथ सुरक्षित पार्किंग और चालक विश्राम केंद्र विकसित करना भी आवश्यक है। पत्र में प्रदेश के प्रमुख नेशनल और स्टेट हाईवे पर लगभग प्रत्येक 100 किलोमीटर की दूरी पर सुरक्षित एवं व्यवस्थित ट्रक पार्किंग विकसित करने की मांग की गई है।

नवी मुंबई के आरसीपी से चलती है जियो की डिजिटल रफ्तार

550 एकड़ में फैला जियो संसार: एक कैंपस हजारों तकनीकी दिमाग व करोड़ों कनेक्शन

►►मुंबई से आत्माराम सोनी

घनसोली की ओर बढ़ते हुए रिलायंस कॉर्पोरेट पार्क का विशाल परिसर जैसे-जैसे सामने आता है, वैसे-वैसे यह एहसास होने लगता है कि यह सामान्य कॉर्पोरेट ऑफिस नहीं है। सैकड़ों एकड़ में फैला यह परिसर बाहर से जितना शांत और व्यवस्थित दिखाई देता है, भीतर की दुनिया उतनी ही तेज, तकनीकी और अन्याधुनिक है। करीब 550 एकड़ में फैला रिलायंस कॉर्पोरेट पार्क (आरसीपी) रिलायंस समूह के सबसे महत्वपूर्ण कॉर्पोरेट परिसरों में है। यहीं जियो प्लेटफार्म्स का कॉर्पोरेट कार्यालय भी स्थित है। परिसर में प्रवेश करते ही सबसे पहले जो चीज ध्यान खींचती है, वह है सुरक्षा का बेहद व्यवस्थित ढांचा। हर व्यक्ति और हर वाहन की आवाजाही नियंत्रित नजर आती है। विशाल परिसर होने के बावजूद कहीं अफरा-तफरी नहीं दिखती। ऐसा लगता है जैसे पूरा कैंपस अपने आप में एक अलग शहर हो, जिसके अपने रास्ते, अपने कार्यालय, अपनी सुविधाएं और अपनी कार्य-संस्कृति है।



तकनीक, सुरक्षा, हरियाली और अंबानी परिवार की कारोबारी विरासत एक ही परिसर में

अंबानी परिवार की मौजूदगी का एहसास

आरसीपी की खसियत सिर्फ जियो की तकनीक नहीं है। इस परिसर से गुजरते हुए मुकेश अंबानी, आकाश अंबानी और ईशा अंबानी के नेतृत्व की छाप भी महसूस होती है। 2015 में जियो के शुरुआती दौर की रिपोर्टों में बताया गया था कि मुकेश अंबानी के साथ आकाश और ईशा समेत शीर्ष नेतृत्व ने आरसीपी के पीसी /टीसी -22 स्थित ओपन-ऑफिस में काम किया। उस समय कंपनी ने पारंपरिक बंद केबिनो के बजाय खुली कार्य-संस्कृति को अपनाने पर जोर दिया था। यह विवरण अपने आप में दिलचस्प है। जिस कारोबारी समूह की पहचान आलीशान कॉरपोरेट संस्कृति से की जाती है, उसी के डिजिटल कारोबार में शीर्ष नेतृत्व के लिए भी ओपन ऑफिस की अवधारणा सामने रखी गई थी।

जियो एक्सपीरियंस सेंटर जहां भविष्य को छूने का मिलता है मौका

कैंपस का सबसे आकर्षक हिस्साजियो एक्सपीरियंस सेंटर है। यहां पहुंचते ही माहौल बदल जाता है। सामान्य ऑफिस की जगह स्क्रीन, डिजिटल इंटरफेस, कनेक्टेड डिवाइस और भविष्य की तकनीक का संसार दिखाई देता है। जियो ने एक्सपीरियंस सेंटर की अवधारणा के जरिए यह दिखाने की कोशिश की कि मोबाइल नेटवर्क सिर्फ फोन पर बात करने या इंटरनेट चलाने तक सीमित नहीं रहेगा। यहीं वह जगह है जहां जियो की अगली महत्वाकांक्षा समझ में आती है। आज जियो की कहानी सिर्फ 4जी या 5जी तक

सीमित नहीं है। कंपनी डिजिटल सेवाओं, बॉटबैड, मनोरंजन, स्मार्ट डिवाइस और एआई जैसी तकनीकों की दिशा में लगातार विस्तार कर रही है। आरसीपी के भीतर का तकनीकी वातावरण इस बदलाव की एक झलक देता है। बाहर से देखने पर एक मोबाइल नेटवर्क कंपनी का विशाल कार्यालय दिखाई देता है, लेकिन भीतर पहुंचने पर यह समझ आता है कि इसके पीछे हजारों इंजीनियर, तकनीकी विशेषज्ञ, नेटवर्क ऑपरेटर और डिजिटल सेवाओं से जुड़े लोग काम करते हैं।

अगस्त में सोयाबीन तेल का आयात रिकॉर्ड स्तर पर, पाम तेल की आवक 6 माह में सबसे ज्यादा

बढ़ी मांग: रिफाइनरों ने भारत का खाद्य तेल आयात 4 प्रतिशत बढ़ाकर 15.4 लाख टन पर पहुंचा दिया

एजेंसी ►►नई दिल्ली

देश में त्योहारी सीजन की बढ़ती मांग को देखते हुए रिफाइनरों ने खाद्य तेलों का आयात बढ़ा दिया है। अगस्त में भारत का खाद्य तेल आयात करीब 4 फीसदी बढ़कर 15.4 लाख टन पर पहुंच गया, जो 11 महीनों का सबसे ऊंचा स्तर है। सोयाबीन और पाम तेल के बढ़े आयात ने कुल खाद्य तेल आयात को बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभाई। अगस्त-सितंबर में आमतौर पर त्योहारी मांग के कारण सोयाबीन तेल की खरीद बढ़ जाती है। इस बार भी रिफाइनरों ने मांग को पूरा करने के लिए पहले से स्टॉक बढ़ाना शुरू



कर दिया है। अगस्त में सोयाबीन तेल का आयात महीने-दर-महीने आधार पर 21 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 6.01 लाख टन हो गया। रिफाइनरों के औसत अनुमानों के मुताबिक अगस्त में भारत का पाम तेल आयात जुलाई की तुलना में करीब 7 फीसदी बढ़कर 7.80 लाख टन

के आयात में तेज गिरावट दर्ज की गई। अगस्त में इसका आयात 38 फीसदी घटकर करीब 1.57 लाख टन रह गया, जो छह महीने का सबसे निचला स्तर है। डीलरों के अनुसार अनुमानों के मुताबिक अगस्त में भारत का पाम तेल आयात जुलाई की तुलना में करीब 7 फीसदी बढ़कर 7.80 लाख टन

यूपीआई, आईएमपीएस और योनो सेवाएं रहीं प्रभावित

भारतीय स्टेट बैंक की बैंकिंग सेवाओं के इस्तेमाल में ग्राहकों को हुई परेशानी

एजेंसी ►►नई दिल्ली

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के ग्राहकों को रविवार को कुछ डिजिटल बैंकिंग सेवाओं के इस्तेमाल में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बैंक के मुताबिक तकनीकी समस्या के कारण यूपीआई , आईएमपीएस और योनो सेवाएं बीच-बीच में प्रभावित हो रही हैं। एसबीआई ने रविवार सोशल मीडिया के माध्यम से ग्राहकों को इसकी जानकारी दी। तकनीकी खराबी के कारण एएसबीआई की



कुछ डिजिटल बैंकिंग सेवाएं लगातार उपलब्ध नहीं रह पा रही हैं। बैंक ने इसे ‘इंटरमिटेट’ समस्या बताया है। इसका मतलब है कि ग्राहकों को इन सेवाओं का इस्तेमाल करते समय बीच-बीच में लेनदेन या सेवा उपलब्धता से जुड़ी दिक्कत आ सकती है। समस्या का असर

यूपीआई के जरिए भुगतान, आईएमपीएस के माध्यम से तत्काल बैंक ट्रांसफर और योनो की कुछ डिजिटल बैंकिंग सुविधाओं पर पड़ सकता है। एसबीआई ने ग्राहकों को सलाह दी है कि डिजिटल सेवाओं के पूरी तरह सामान्य होने तक वे यूपीआई लाइट और एटीएम जरूरी भुगतान के लिए ग्राहक उपलब्ध होने पर यूपीआई लाइट का इस्तेमाल कर सकते हैं, जबकि नकदी निकालने के लिए एटीएम सेवा का विकल्प खुला है।

हाईवे पर हर 100 किलोमीटर पर बने सुरक्षित ट्रक पार्किंग और ड्राइवर सुविधा केंद्र पर भी दें ‘ध्यान’

पार्किंग स्थलों पर 24 घंटे सुरक्षा, सीसीटीवी कैमरे और सुरक्षा गार्ड उपलब्ध हों

मांग की गई है कि पार्किंग स्थलों पर 24 घंटे सुरक्षा, सीसीटीवी कैमरे, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा गार्ड उपलब्ध हों। इसके साथ ड्राइवर रेस्ट रूम, स्वच्छ शौचालय, खानपान और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएं। ट्रक पार्किंग स्थलों



सोिएल मुकाती

बनाए रखने में भी मदद मिलेगी। मुकाती ने केंद्र एवं राज्य सरकार, एनएसईआई तथा स्थानीय प्रशासन के सम्मन्ध से प्रदेश के प्रमुख हाईवे का सर्वे कराने और प्रत्येक लगभग 100 किलोमीटर पर ट्रक पार्किंग एवं

ड्राइवर सुविधा केंद्र विकसित करने की कार्ययोजना तैयार करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पर्याप्त वैकल्पिक पार्किंग व्यवस्था उपलब्ध कराने के बाद ही सड़क किनारे खड़े भारी वाहनों को हटाने की कार्रवाई प्रभावी रूप से की जानी चाहिए, ताकि सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन भी हो और ट्रक चालकों के सामने नई व्यावहारिक समस्या खड़ी न हो। सोिएल मुकाती ने कहा कि ट्रक ऑपरेटर्स का उद्देश्य हाईवे पर ट्रकों की अनियंत्रित पार्किंग को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि इसका स्थायी और व्यावहारिक समाधान उपलब्ध कराना है। सुरक्षित ट्रक पार्किंग से वाहन और माल की सुरक्षा, चालक को पर्याप्त नींद, थकान में कमी और दुर्घटनाओं में कमी संभव है। उन्होंने मुख्यमंत्री से मध्यप्रदेश में ‘प्रत्येक 100 किलोमीटर पर सुरक्षित ट्रक पार्किंग एवं ड्राइवर सुविधा केंद्र’ विकसित करने की नीति बनाने और तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश देने का आग्रह किया है।

तकनीक आधारित समाधान विकसित

यूनियन बैंक ने आइडिया 2.0 हैकथॉन के ग्रैंड फिनाले का किया आयोजन



एजेंसी ►►मुंबई

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने के. जे. सोमैया स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग के ऑडिटोरियम, विद्याविहार (पूर्व), मुंबई में पीएसबी हैकथॉन सीरीज 2026 के अंतिम आइडिया 2.0 हैकथॉन के ग्रैंड फिनाले का आयोजन किया।

सोमैया विद्याविहार विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित इस हैकथॉन का उद्देश्य विचारकों, नवप्रवर्तकों, छात्रों और पेशेवरों को एक साझा मंच उपलब्ध कराना था, जहां वे बैंकिंग एवं वित्तीय क्षेत्र से जुड़ी चुनौतियों के लिए नए और तकनीक आधारित समाधान विकसित कर सकें। यह इस वर्ष आयोजित श्रृंखला का दूसरा संस्करण है। पहला संस्करण राज्य स्तर पर आयोजित किया गया था, जबकि आइडिया 2.0 को अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित किया गया। यह हैकथॉन वित्तीय सेवा विभाग , वित्त मंत्रालय, भारत सरकार की पहल का हिस्सा है, जिसे भारतीय बैंक संघ द्वारा संचालित किया जा रहा है। इसके

तहत सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं एवं बीमा क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने और प्रौद्योगिकी आधारित समाधान विकसित करने के लिए हैकथॉन आयोजित कर रहे हैं।

आइडिया2.0 का मुख्य विषय साइबर सुरक्षा और धोखाधड़ी की रोकथाम तथा जनेरेटिव एआई का उपयोग करके ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाना रहा।

हैकथॉन को देशभर से 1,511 प्रतिस्पर्धी प्राप्त हुईं। कठिन एवं बहुस्तरीय मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद चयनित फाइनलिस्ट टीमों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फिनटेक, साइबर सुरक्षा, डिजिटल ट्रस्ट, ग्राहक सुरक्षा, गोपनीयता, आश्वासन, विश्वसनीयता एवं सुविधा और कारोबार सुगमता जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अपने अभिनव समाधान प्रस्तुत किए। ग्रैंड फिनाले के अवसर पर यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ आशीष पाण्डेय, कार्यपालक निदेशक नितेश रंजन और अमरेश प्रसाद ने प्रतिभागियों एवं उपस्थित लोगों को संबोधित किया।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना हनुमानगंज भोपाल

क्रमांक/था.प्र./हनु.गंज/भो/ मंरं क्र.24/26

दिनांक - 02/09/26

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 29/7/26 को सूचक सीएमओ डॉ अजय धुर्वे टेलीफोन अटेंडर महेश जोशी हमीदिया अस्पताल कोहेफिजा भोपाल मो.न. 9329384392 से फोन कर बताया कि पशेंट / मृतिका अज्ञात महिला उम्र करीब 50 साल नि. अज्ञात को नावेद मो.न. 9753875813 ने दिनांक 29/7/26 के दोपहर करीबन 14.00 बजे इलाज हेतु अस्पताल लेकर



आया और बताया था कि महिला भोपाल टाकीज के सामने फुटपाथ पर बीमारी की हालत में थी। जिसे अस्पताल में भर्ती किया गया था, जिसका दौरान इलाज दिनांक 30/7/26 के सुबह 5.30 बजे मृत्यु हो गई है। जिसका पी एम एल सी न. 855/26 है कि सूचना पर मर्ग सदर का कायम कर कायमी की सूचना पृथक से एस डी एम महोदय हनुमानगंज संभाग को दी जाती है। नोट प्र.आर. 974 उपेन्द्र सिंह को जांच दी जाती है। जिसका फोटो उपरोक्तानुसार है। यदि अज्ञात महिला के संबंध में किसी को कोई जानकारी हो तो थाना हनुमानगंज भोपाल दूरभाष क्रमांक 0755-2677323, जांचकर्ता प्र.आर. 974 उपेन्द्र सिंह बघेल मो.न. 7987758576 पर तत्काल संपर्क करें।

थाना प्रभारी

जी - 18230/26

स्वच्छता ही सेवा

थाना हनुमानगंज भोपाल

कार्यालय कार्यपालन संन्त्री ग्रामीण यात्रिकी सेवा संभाग रायसेन (म.प्र.) तहसील केम्पस, साँची रोड, रायसेन

07482-223251

क्रमांक 1899 व.ले.लि. /2026

eeresraisen@mp.gov.in

रायसेन, दिनांक 01/09/2026

संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 04/2026-27 / रायसेन

निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑन लाईन प्रतिशत दर पर निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट: https://www.mptenders.gov.in/ पर देखा जा सकता है:-

क्र	सिस्टम टेंडरिंग नंबर	कार्य का नाम	निविदा लागत (पी.ए.सी.) (रु. लाख में)	अमानत राशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य राशि (रुपये में)	अवधि वर्षांकाल ससित (दिवस)	आमंत्रण क्रम
1	2026_RES_533359_1	फिजिक्स लैब निर्माण कार्य संख्या -1, शासकीय हाई स्कूल ईंटखेडी, ग्राम ईंटखेडी वि.ख. बाडी	14.62	0.30	2000/-	120	द्वितीय

उपरोक्त निविदाओं के निविदा प्रपत्र (टेंडर डाक्यूमेंट), वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in/ पर ऑनलाइन भुगतान कर क्रय किये जा सकेंगे। निविदा प्रपत्र क्रय एवं प्रस्तुत करने की दिनांक 07/09/2026 समय 10-30 बजे से दिनांक 23/09/2026 समय 05-00 बजे तक निर्धारित है। विस्तृत निविदा सूचना व अन्य जानकारी वेब साईट पर देखी जा सकती है। निविदा में संशोधन सूचनाएं केवल वेबसाईट पर दी जावेगी, पृथक से कोई सूचना समाचार-पत्रों में प्रकाशित नहीं की जावेगी।

G-18252/26

" स्वच्छता ही सेवा "

कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यात्रिकी सेवा संभाग रायसेन म.प्र.

चिंतन नियमों की अनदेखी जवाबदेही किसकी ?

दिल्ली के सत्य निकेतन में पांच मंजिला हॉस्टल का भरभराकर गिरना महज एक इमारत के ढहने की घटना नहीं है। यह उस जर्जर व्यवस्था पर बड़ा सवाल है, जो हादसे के बाद तो पूरी ताकत से सक्रिय दिखाई देती है, लेकिन हादसे से पहले खतरे को पहचानने में अक्सर नाकाम रहती है। दो छात्रों की मौत और कई लोगों के घायल होने के बाद राहत-बचाव अभियान चल रहा है, लेकिन असली सवाल मलबे से कहीं बड़ा है। आखिर इमारत गिरी क्यों और इसे गिरने से पहले रोका क्यों नहीं जा सका? प्रारंभिक जांच में नवीनीकरण और बेसमेंट में चल रहे काम से इमारत के निचले हिस्से के कमजोर होने की आशंका सामने आई है। इनमें नियमों की अनदेखी की गई। अब यह जवाबदेही किसकी है। अगर भवन में नवीनीकरण या बेसमेंट की खुदाई चल रही थी तो उसकी सुरक्षा जांच किसने की? क्या काम के दौरान भवन की संरचनात्मक मजबूती का आकलन किया गया? क्या आसपास की इमारतों पर पड़ने वाले संभावित खतरे को देखा गया? गंभीर बात यह है कि सत्य निकेतन में यह पहला हादसा नहीं है। वर्ष 2022 में भी इसी इलाके में नवीनीकरण के दौरान तीन मंजिला मकान का हिस्सा गिरने से दो लोगों की मौत हुई थी। हादसे के बाद भी जांच और कार्रवाई की बातें हूँ थीं। चार साल बाद फिर उसी इलाके में बहुमंजिला इमारत का गिरना बताया है कि पुराने हादसे से मिले सबक कितने कमजोर साबित हुए। सवाल यह है कि क्या इस बीच यहां के पीजी, हॉस्टल और नवीनीकरण वाली इमारतों का कोई सुरक्षा सर्वे हुआ? इससे पहले भी राष्ट्रीय राजधानी में होटल में आगजनी, कोचिंग सेंटers में हादसे और बुराई में इमारत गिरने से कई लोगों की मौत के मामले सामने आ चुके हैं। सत्य निकेतन दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर के आसपास का प्रमुख छात्र इलाका है। बड़ी संख्या में छात्र यहां पीजी और किराये के कमरों में रहते हैं। ऐसे में एक छोटी सी संरचनात्मक चूक बड़ी त्रासदी में बदल सकती है। फिर भी सवाल यही है कि प्रशासन के पास ऐसे भवनों का अद्यतन रिकॉर्ड और उसकी सुरक्षा की नियमित निगरानी कितनी प्रभावी है? यह समस्या सिर्फ सत्य निकेतन की नहीं है। दिल्ली में समय-समय पर इमारतों के गिरने की घटनाएं सामने आती रही हैं। हर हादसे के बाद अवैध निर्माण, कमजोर ढांचे और प्रशासनिक लापरवाही की चर्चा होती है। कुछ समय बाद जांच की फाईलें डंडी पड़ जाती हैं और शहर उसी ढाँ पर लौट आता है। यही सबसे खतरनाक स्थिति है। हादसे के बाद दमकल, पुलिस, आपदा प्रबंधन और बचाव दलों का तेजी से मौके पर पहुंचना जरूरी है, लेकिन सरकार की असली परीक्षा मलबे में फंसे लोगों को निकालने से पहले शुरू होती है। क्या उसने उस खतरे को पहचाना था, जिसे समय रहते टाला जा सकता था? आपदा प्रबंधन जरूरी है, लेकिन आपदा रोकना उससे कहीं बड़ी जिम्मेदारी है। अब जरूरत केवल इस इमारत की जांच की नहीं है। दिल्ली के सभी प्रमुख छात्र इलाकों में पीजी, हॉस्टल और बहुमंजिला इमारतों का विशेष संरचनात्मक सर्वे होना चाहिए। जहां बेसमेंट की खुदाई, बड़े स्तर पर नवीनीकरण या अनधिकृत निर्माण हो रहा है, वहां तत्काल तकनीकी जांच जरूरी है। जांच में यदि भवन मालिक, ठेकेदार या किसी तकनीकी विशेषज्ञ की लापरवाही सामने आती है तो कार्रवाई हो। यदि निगरानी करने वाले विभाग की चूक मिलती है तो अधिकारियों की जिम्मेदारी भी तय हो। जवाबदेही उस व्यवस्था की भी होनी चाहिए, जिसने खतरे को समय रहते रोकने का काम नहीं किया।

मंथन ज्ञानेन्द्र रावत



पूरे हिमालय क्षेत्र की साझा चेतावनी है नेपाल त्रासदी

बीती 26 सितंबर की अल-सुबह तिब्बत सीमा से लगे नेपाल के रसुवा जिले में आए सैलाब के तांडव की चपेट से थारिंघ, नुवाकोट, गोरखा, तनहुँ, नवरपासी और चितवन समेत तमाम निचले इलाकों के हजारों घर, दफ्तर, बाजार का अस्तित्व मिट गया। वहां सड़कों का अता-पता नहीं है। करोड़ों-अरबों के आर्थिक नुकसान का अनुमान है। अभी तक 1127 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। उनकी पहचान प्रशासन के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। चार बजार आठ सौ अड्डावन से ज्यादा की तादाद में लोग और 583 विदेशी पर्यटक अभी भी लापता हैं, जबकि 315 पर्यटक बचा लिए गए हैं। अभी तक 756 से ज्यादा लोगों को बचाव दल द्वारा बचा लिया गया है। 290 मानसरोवर जाने वाले यात्रियों की तलाश जारी है। वहां अस्पतालों में शवों के रखने की जगह कम पड़ने के बाद शवों को बाहर टैटों में रखना पड़ रहा है। भोटेकोशी और त्रिशूली घाटियों में स्थित 14 पनबिजली परियोजनाएं पूरी तरह तबाह हो गई हैं, परियोजनाओं की सुरंगों में फंसे लोगों का अभी तक कोई सुराग नहीं लग सका है। नेपाल, चीन और भारत के हजारों राहतकर्मि बचाव कार्य में लगे हैं। नदी के तेज बहाव के बीच दुरंग हालात में बचाव कर्मियों के साहस की जितनी प्रशंसा की जाए वह कम है। नेपाल में यह सैलाब कैसे आया, इस बाबत अलग-अलग वैज्ञानिक दृष्टिकोण सामने आए हैं। सच्चाई यह है कि न तो उस वक्त नेपाल में तेज बारिश हुई, न मौसम ही खराब था लेकिन इस जलजले ने वहां सब-कुछ तबाह कर दिया। कुछ वैज्ञानिक मानते हैं कि हिमस्खलन द्वारा तिब्बत के केरूंग इलाके में लेंडे नदी को अवरुद्ध करने से नदी में झील का निर्माण हुआ और भारी मात्रा में उसमें पानी जमा हो गया। जब यह हिमनद फटा तो भोटेकोशी और त्रिशूली नदी में बाढ़ आ गयी।

दूरग्री और भूवैज्ञानिक मानते हैं कि गोसाईं कुंडा से 47 किलोमीटर उत्तर में तिब्बती इलाके में उस दिन सुबह 8.37 बजे 4.4 तीव्रता का भूकंप आया। इससे नदी में बनी झील का बांध टूट गया। इस दृष्टिकोण को नेपाल के विदेश मंत्री भी स्वीकारते हैं। कुछ इसके पीछे ग्लेशियर झील के फटने, कुछ बर्फ के पिघलने से या हिमस्खलन से अचानक नदी में बाढ़ आने, कुछ तिब्बत के पठारी इलाके में भारी बारिश आने से नदी के जलस्तर बढ़ने से आयी बाढ़ आने और कुछ रसुवा जिले में 17 हजार फीट की ऊंचाई पर ग्लेशियर के फटने और उसके हिस्से टूटकर गिरने और अपने साथ मलबा बहाकर लाने को इस जल प्रलय की असली वजह मानते हैं। इसमें दो राय नहीं है कि समूचा हिमालयी क्षेत्र गंभीर पारिस्थितिकी संकट से जुड़ा रहा है। पारिस्थितिकी और पर्यावरणीय परिस्थितितन्त्र्य स्थितियों से जुड़े संकट का मौजूदा हालात में केवल नेपाल ही नहीं, समूचा हिमालयी क्षेत्र सामना कर रहा है। यह पहाड़ों पर विकास और पर्यावरण के बीच असंतुलन का ही दुष्परिणाम है। यह गंभीर मामला है। विकास को राहत उपायों के साथ संतुलित किए जाने की बेहद जरूरत है। मानव ने प्रकृति में इतना अधिक हस्तक्षेप किया है जिसका प्रकृति अब हमें जवाब दे रही है। हिमालय के हादसे बता रहे हैं कि हिमालय क्षेत्र में सब ठीक नहीं चल रहा है। इस महत्वपूर्ण क्षेत्र की अनदेखी समझ से परे है। ऐसे समय जब समूची दुनिया बढ़ते तापमान के कहर से त्रस्त है और जब इस इलाके में मौसमी विभीषिका विकराल रूप ले रही हैं, तब ये आपदायें इस क्षेत्र में तमाम खतरों की संवेदनशीलता की ओर संकेत करती हैं और हिमालय की नाजुक ढलान, घाटियों में मानवीय तथा निर्माण गतिविधियों के प्रति सावधान करती हैं। नेपाल में जिस तरह कुदरत का कहर बरपा है, उससे न सिर्फ शासन तंत्र को, बल्कि समाज को भी सबक लेने की जरूरत है। यह भी कि हिमालयी अंचल में विकास योजनाओं के निर्माण के समय क्या-क्या सावधानियां बरती जानी चाहिए। हमारी जिद ही हमें इस इलाके में मैदानी क्षेत्र की तरह विकास करने की ओर ले जाती है। यही वजह है कि यह पर्वत शृंखला को हमारे लिए ही नहीं, समूचे क्षेत्र के लिए बरदान है, हमारा साथ छोड़ रही हैं। बीते दशक की आपदाएं चेतावनी हैं जिन्हें समझना और उन पर अमल बेहद जरूरी है। इसलिए अभी भी समय है कि सभी हिमालयी देशों को इसके मूल चरित को समझते हुए इसके संरक्षण हेतु आगे आना होगा। ऐसे हालात में इस अति संवेदनशील इलाके में एक साझी पर्यावरणीय दृष्टि विकसित करने, भारत, चीन, नेपाल, भूटान और तिब्बत क्षेत्र के बीच वैज्ञानिक संस्थाओं और आपदा प्रबंधन तंत्र विकसित किए जाने की जरूरत है जो एक साथ अति वृष्टि, भूस्खलन, ग्लेशियरों के पिघलने, ग्लेशियर झीलों के टूटने, पामाफ्रास्ट से होने वाले नुकसान पर अंकुश लगा सके।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार और पर्यावरणविद् हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)



विशेष जयंत चौधरी

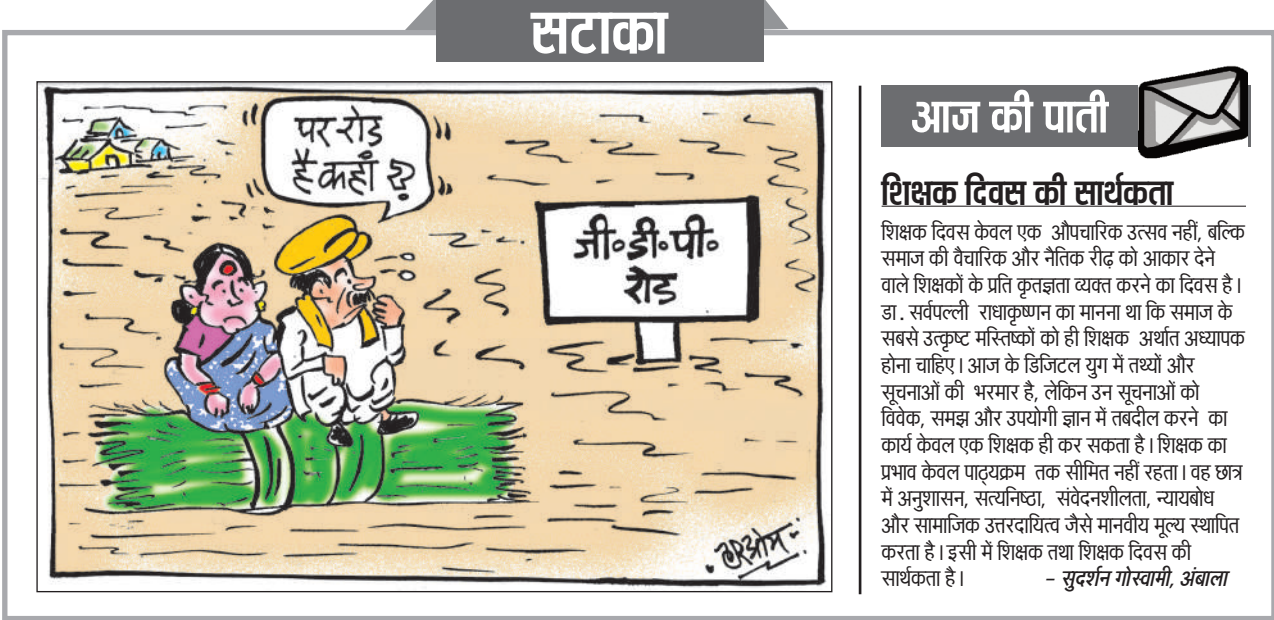
किसी को भी पहली बार पढ़ना सीखने का सटीक दिन याद नहीं होता । लेकिन लगभग हर व्यक्ति उन शिक्षकों को जरूर याद रखता है, जिन्होंने उसे पढ़ाया होता है । भूल जाने वाले पल और कभी न भुलाए जाने वाले व्यक्ति के बीच का यही अंतर हमें शिक्षण कार्य के बारे में कुछ बेहद जरूरी बातें बता जाता है । एक शिक्षक अपने पीछे ऐसी चीजें छोड़ जाता है, जिन्हें आसानी से आंक पाना संभव नहीं होता– कोशिश करने का आत्मविश्वास, डटे रहने का अनुशासन, सवाल पूछने की जिज्ञासा या कभी–कभी मात्र यह भरोसा कि इंसान और भी बहुत कुछ कर सकता है । इसलिए, शिक्षण को एक कला से कम कुछ भी नहीं माना जा सकता ।

ईश्वर के उपकारों का सिलसिला अनंत



संकलित दर्शन

किसी संकट एवं कष्ट के समय हर क्षण हमारी जिह्वा पर प्रभु का नाम होता है। मन, कर्म एवं वचन से भी हमें उनके अनुनय-विनय की मुद्रा में ही रहते हैं। फिर एक दिन जब हम प्रभु की अनुकंपा से उन बुरे दिनों की चपेट से उबर जाते हैं तो उन्हें भूल जाते हैं। इस प्रकार जन्म से लेकर आज तक हमारे ऊपर ईश्वर के ऐसे उपकारों का सिलसिला अनंत है। प्रभु के उपकार रूपी ऋण से उन्मग्न होना हम मनुष्यों के लिए जीवनपर्यंत असंभव है। धन्य हैं वे करुणानिधान, जिन्होंने विशेष कृपा कर हमें बनाया। हाथ, कान, नाक, पांव, बुद्धि एवं श्रम क्षमता-सब कुछ कार्योपयोगी। यदि वह एकाध अंग-उप्रांग से अथवा अनेक जीवोपयोगी शारीरिक क्षमताओं से वंचित कर विपरीत परिस्थितियों में जन्म दे देते तब भी हमें जीवन जीना ही पड़ता। तो क्या फिर हम अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य पर इतना इतरा पाते? बिल्कुल नहीं। तब पल-पल संघर्ष एवं परिश्रम कर सब कुछ डोलना ही होता। प्रभु ने कुछ तो समझ-बूझकर हम मनुष्यों को जीवन की ये तमाम अनुकूलताएं दी होंगी। भगवान ने इतनी सुविधाएं दीं तो बरले में हमने क्या विलक्षण किया? वास्तव में ईश्वर ने हमें ये सारी अनुकूलताएं एवं सुविधाएं कुछ विशेष कार्य करने के लिए दी हैं, न कि केवल व्यर्थ में कुछ विशेष होने-समझने के लिए। समस्या यह है कि औरों के कल्याण एवं हित के लिए प्रभु-दरबार से अनुकंपा पर मिली वस्तुओं को हमने भूलवश नितांत अपना ही समझ लिया।



करंट अफेयर

पाक के पंजाब सूबे को पड़ोसी राज्यों से अधिक खतरा : मरियम

पाकिस्तान के पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने कहा कि उनके सूबे को पड़ोसी देशों से अधिक पड़ोसी सुबों से खतरा है । पाकिस्तान में विशेषकर पंजाब से सटे खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान सुबों में गत वर्षों के दौरान आतंकी गतिविधियां काफी बढ़ी हैं । पंजाब सूबे की सीमा भारत से भी लगती है । मरियम ने शनिवार को लाहौर में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ‘पंजाब में आतंकवाद राज्य की सीमाओं से दाखिल होता है । दुख की बात यह है कि 13 करोड़ की आबादी वाले पंजाब को जो खतरा है, वह मेरे पड़ोसी देशों से कम और मेरे पड़ोसी राज्यों से अधिक है ।’

पंजाब की मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से पड़ोसी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत का जिक्र करते हुए कहा, ‘वहां से पंजाब में आतंकवाद आता है । सबकी नजरें पंजाब पर हैं, लेकिन ईश्वर का शुक्र है कि पंजाब सुरक्षित है । हमें जिस तरह के खतरों का सामना करना पड़ता है, वे हमारी सभी प्रांतीय सीमाओं से आते हैं । खैबर पख्तूनख्वा सूबे में सतारूढ़ प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान तहरीक—ए—इंसाफ (पीटीआई) के वरिष्ठ नेता ने पंजाब की मुख्यमंत्री की टिप्पणी की आलोचना करते हुए इसे ‘अपमानजनक’ बताया ।

शिक्षक: जीवन को ‘आकार’ देने वाले सच्चे ‘कलाकार’

भारत के महामहिम राष्ट्रपति द्वारा हर वर्ष प्रदान किए जाने वाले ‘राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार’ वास्तव में उन चुनिंदा लोगों के प्रति सम्मान होते हैं, जिनका योगदान दूसरों से कहीं बढ़कर रहा होता है। इन सबके अलावा, देश के हर कोने में- चाहे वह कक्षा हो, कौशल संबंधी प्रयोगशाला, पॉलिटेक्निक, खेल का मैदान या फिर संगीत कक्ष। विद्यार्थीगण धन्यवाद कहने का अपना-अपना तरीका ढूंढ ही लेते हैं। कभी हाथ से लिखी हुई एक टिप्पणी...कभी सुबह की सभा में आभार जताने का एक पल। कभी एक ऐसी खामोश सराहना जो दिन खत्म होने के काफी देर बाद तक शिक्षक के मन में बसी रहती है। ये कोई कमतर उत्सव नहीं हैं, बल्कि कई मायनों में ये सबसे सच्चे उत्सव हैं।

हालांकि, आंकड़े हमें एक और चिंताजनक कहानी बताते हैं। ओईसीडी का 2026 का ‘टीचर नॉल्लेज सर्वे’ किसी विषय की जानकारी होने और उसे पढ़ा पाने की क्षमता के बीच के अंतर की ओर इशारा करता है। इस सर्वेक्षण के निकर्षों से पता चलता है कि विषय का ज्ञान हमेशा कारगर शिक्षण-पद्धति में नहीं बदलता। बात बिल्कुल सरल, लेकिन बेहद जरूरी है। किसी चीज को गहराई से जानना और किसी दूसरे व्यक्ति को उसे सीखने में मदद करना- ये दोनों अलग-अलग कौशल हैं। शिक्षण एक कला है और इसके लिए मानवीय रीतों एवं पढ़ाने के तरीकों की समझ के साथ-साथ कक्षा में थोड़ी नाटकीयता की भी जरूरत होती है।

यूनेस्को की ‘शिक्षकों से संबंधित वैश्विक रिपोर्ट 2024’ में इस पेशे की उपेक्षा करने की कौमंत को आंकड़ों में दर्शाया गया है। दुनिया को 2030 तक 44 मिलियन अतिरिक्त प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षकों की जरूरत होगी। इनमें से आधे से अधिक की जरूरत केवल उन शिक्षकों की जगह लेने के लिए होगी जो नौकरी छोड़ रहे हैं। वहीं, मैकिन्से ग्लोबल इंस्टीट्यूट का अनुमान है कि स्वचालन (ऑटोमेशन)के कारण 2030 तक दुनिया भर में 75 मिलियन से 375 मिलियन कामगारों को अपना पेशा बदलना पड़ सकता है। ऐसी परिस्थिति में, योग्य शिक्षकों की अहमियत पहले से कहीं अधिक होगी।

भारत ने इस चुनौती को समय रहते भांप लिया है और इससे पूरी गंभीरता से निपटने की दिशा में कदम उठाए हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत शुरू किए गए चार-वर्षीय ‘एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम’ में विषयगत निपुणता तथा शिक्षण-पद्धति को एक ही स्नातक कि डिग्री में शामिल किया गया है।

इसका उद्देश्य सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को शिक्षण के पेशे की ओर आकर्षित करना है। सेवा में कार्यरत शिक्षकों के बीच एक जैसे मानक सुनिश्चित करने हेतु, ‘शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय पेशेवर मानक (एनपीएसटी)’ के तहत करियर में तरक्की को मात्र वरिष्ठता के बजाय, पढ़ाने की असलगुणवत्ता से जोड़ा गया है। अलग-अलग क्षेत्रों में सीखने-सिखाने की प्रक्रिया का लाभ उठाने हेतु, ‘नेशनल मिशन फॉर मेंटॉरिंग (एनएमएम)’ शिक्षकों को अलग-अलग क्षेत्रों के मार्गदर्शकों (मेंटर) से सीखने के लिए व्यवस्थित सहायता प्रदान करता है। मैंने भी इस मिशन के लिए



एक मेंटर के तौर पर पंजीकरण कराया है। प्रधानमंत्री हर वर्ष राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं से न केवल बधाई देने के लिए, बल्कि उनकी बातें सुनने, जमीनी स्तर की उनकी कहानियां जानने और उनसे एक ऐसा दृष्टिकोण साझा करने के लिए भी मिलते हैं जो केवल अनुभवी नेतृत्व से ही प्राप्त हो सकता है। शिक्षण एक रचनात्मक काम है और अलग-अलग क्षेत्रों से सीखने-सिखाने की प्रक्रिया इस रचनात्मकता को नयापन प्रदान करती है।

भारत में ‘शिक्षक’ किसे माना जाए, इसका दायरा भी बढ़ाया जा रहा है और शायद यह सबसे अनूठा विचार है। ‘समाज में सभी के लिए आजीवन सीखने की समझ (उल्लास)’ यानी ‘न्यू इंडिया लिटरेसी प्रोग्राम’ इस सिद्धांत पर आधारित है कि हर साक्षर व्यक्ति एक निरक्षर व्यक्ति को पढ़ा सकता है। इस वर्ष जब हम ‘अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस’ मना रहे हैं, तो इस कार्यक्रम के तहत नौ राज्यों एवं केंद्र-शासित प्रदेशों को पूरी तरह साक्षर घोषित किया गया है। शिक्षा मंत्रालय के ‘विद्यांजलि’ पोर्टल में भी यही भावना दिखाई देती है। यह पोर्टल 8.75 लाख से अधिक

सरकारी स्कूलों को ऐसे वॉलंटियरों से जोड़ता है जो एक उपहार के रूप में अपनी विशेषज्ञताओं - चाहे वह नृत्य से संबंधित हो या गणित से या सार्वजनिक भाषण या फिर शिल्प से - को कक्षाओं में प्रदर्शित करते हैं। हर वॉलंटियर एक शिक्षक की भूमिका निभाता है। ये वॉलंटियर जो भी विषय पढ़ाते हैं, उसे बराबर का महत्व दिया जाता है। क्योंकि वास्तव में, शिक्षण कोई तकनीकी काम नहीं बल्कि एक कला है। हर अध्याय को पढ़ाने की योजना एक रचना जैसी होती है। हर व्याख्या एक प्रदर्शन सरीखी होती है। कोई भी कला किसी भी कलाकार में भेद नहीं करती। इसलिए हमारे मन में ऊंच-नीच की जो भी धारणा है, उसे परख कर खत्म करना जरूरी है। कभी-कभी संगीत शिक्षक या शारीरिक शिक्षा के शिक्षक को पूरक और व्यावसायिक शिक्षा के प्रशिक्षक को वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर देखा जाता। यह वर्गीकरण न केवल अनुचित है, बल्कि पूरी तरह गलत भी है। परीक्षा का दबाव बढ़ने पर संगीत या व्यायाम मन को शांत कर सकते हैं, जिससे तैयारी में मदद मिलती है। भारत की बढ़ती रचनात्मक अर्थव्यवस्था (अर्रिज इकोनॉमी) के साथ, अनेक कला रूप विद्यार्थियों को आधुनिक दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक के लिए तैयार करेंगे। जैसे-जैसे खेल विश्वविद्यालय आकार ले रहे हैं और राष्ट्रीय खेल अवसरचना को सुदृढ़ कर रहे हैं, खेल प्रशिक्षक तथा शारीरिक शिक्षा के शिक्षक एक विश्वसनीय करियर के द्वार खोलेंगे। सटीक मैन्यूफैक्चरिंग सिखा रहे आईटीआई के प्रशिक्षक, ऐसे कौशल विकसित कर रहे हैं जो पुलों के निर्माण और अस्पतालों को सुदृढ़ बनाने में सहायक हैं। यही राष्ट्र निर्माण का एक दूसरा स्वरूप है। आज के दौर में जब मशीनें लगभग हर उस काम को करने में सक्षम हो रही हैं जिसका पहले से अनुमान लगाया जा सकता है, तब भी एक काम ऐसा है जिसका कोई छटाएं नहीं ले सकता- और वह है शिक्षक का काम: एक ऐसा शिक्षक जो एक विद्यार्थी में ऐसी क्षमता देख लेता है जिसे खुद विद्यार्थी अभी नहीं देख पा रहा होता है। इस काम का कोई एल्गोरिदम नहीं है। यह स्कूल की घंटी बजने पर खत्म नहीं होता। और यह देश भर के हर तरह के संस्थान में, हर विषय के हर शिक्षक से जुड़ा है। एक लैटिन कहावत इस तथ्य को सटीक ढंग से रेखांकित करती है- नॉन स्कोलाए सेड विताए डिस्सिमस (Non scholae sed vitae discimus)। हम स्कूल के लिए नहीं, बल्कि जिंदगी के लिए सीखते हैं।

(लेखक केंद्रीय शिक्षा तथा कौशल विकास और उद्यमशीलता अफसर हैं।) लेख पर आपकी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर देख सकते हैं।

मित्रता मुश्किल समय के लिए एक भरोसा

रामायण में हनुमान जी ने श्रीराम और सुग्रीव की मित्रता करवाई थी। पहली मुलाकात में श्रीराम ने सुग्रीव से कहा कि मैं मेरी पत्नी सीता को खोज में जंगल-जंगल भटक रहा हूँ, लेकिन आप तो राजा हैं। आप जंगल में क्यों रह रहे हैं? पहले सब ठीक था, लेकिन एक दिन हमारे राज्य में एक राक्षस आ गया तो बालि उसे मारने गया। सुग्रीव ने श्रीराम से अपना सारा वृतांत बताया कि कैसे भाई को गलतफहमी हुई। श्रीराम ने सुग्रीव की पूरी बात सुनी और कहा कि ठीक है मैं आपको मदद करूंगा। पहले तो सुग्रीव को श्रीराम पर भरोसा नहीं हुआ। वह सोचने लगा कि बालि तो इतना बलवान है, राम उसे कैसे मार सकते हैं? ये कैसे मेरी मदद कर पाएंगे? सुग्रीव के चेहरे पर संदेह देखकर श्रीराम ने कहा कि सुग्रीव, अब मैं तुम्हारा मित्र हूँ। मित्र के छह गुण हैं। पहला, अपने दोस्त के दुख में दुखी होना। दूसरा, मित्र के दुख को दूर करने का प्रयास करना। तीसरा, मित्र को जलाने वाले राक्षस पर जाने से रोकना। चौथा, लेन-देन के समय शंका न करना। पांचवां, हमेशा दोस्त का भला करना और छठा गुण है, विपत्ति के समय दोस्त के साथ खड़े रहना। ये सभी अच्छे मित्र के लक्षण हैं और तुम मुझे अपना मित्र समझ सकते हो। श्रीराम की बातें सुनकर सुग्रीव को उनकी बातों पर भरोसा हो गया। इसके बाद सुग्रीव ने भी सीता को खोज में मदद करने का वचन दिया। दोनों मित्रों ने एक-दूसरे की परेशानी को हल करने का संकल्प लिया।



बाढ़ से प्रभावित क्षेत्र का सर्वे

चित्रकूट जिले ने बाढ़ से प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वे और घाटों का जमीनी निरीक्षण किया। बाढ़ से प्रभावित 800 परिवारों को राहत सामग्री बांटी गई, बेघर हुए परिवारों को जमीन के आवंटन प्रमाण-पत्र दिए।

- योगी आदित्यनाथ, सीएम, उत्तरप्रदेश



घायलों को तुरंत मिले इलाज

दिल्ली के सत्य निकेतन में इमारत गिरने की खबर ब्रेकट टूट्टर और चिंतानजक है। खबरों के मुताबिक, गलबे के नीचे कई लोग दबे हुए हैं, जिनमें दिल्ली यूनिवर्सिटी के कई छात्र भी शामिल हैं। मेरी अंजलि है कि सभी बचाव दल हर संभव कोशिश करके घायलों को तुरंत सबसे अच्छा इलाज दिलाएं।

- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस



छात्रों के सपनों को उड़ान

टेक्नोलॉजी के ज़रिए टैलेट को स्थान बनाकर, हम अपने होनहार छात्रों के सपनों को नई उड़ान दे रहे हैं। मेरा मानना है कि लैपटॉप छात्रों की पढ़ाई, रिसर्च, इनोवेशन और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में मददगार साबित होगा।

- डा. मोहन यादव, सीएम, मध्य प्रदेश



पंजाब में बहुत तरक्की

पिछले चार सालों में पंजाब ने बहुत तरक्की की है। जिस पंजाब को पिछली सरकारों ने नरो की दलदल में धकेल दिया था, आज उसी पंजाब के गांवों के बच्चे ‘खेडन वतन पंजाब दिया’ सैंगन 4’ में अपना हुनार दिखा रहे हैं। अब हमारा पंजाब बदल रहा है। -अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली



अपने विचार हरिभूमि कार्यालय

पौबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्प्लैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 aapkepatra.haribhoomi@gmail.com पर भेज सकते हैं।

धर्म, क्षमा और जीवन की जटिल सच्चाइयों का सामना करती 'द्रौपदी'

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में नृत्य, गायन एवं वादन पर केंद्रित गतिविधि संभावना गतिविधि में रविवार को प्रहल कुर्मी एवं साथी, सागर द्वारा राई नृत्य, दयाराम रठुरिया एवं साथी, डिण्डोरी द्वारा बेगा जनजातीय करमा नृत्य एवं प्रियंका शर्मा, भोपाल के निर्देशन में द्रौपदी लीला-नाट्य की प्रस्तुति का संयोजन किया गया। भारतीय मनीषा में पंचकन्याओं का स्मरण केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि नारी के अदम्य साहस, धैर्य, त्याग, आत्मबल और जीवन-संघर्ष की स्मृति है। इसी परंपरा की एक अत्यंत महत्वपूर्ण कड़ी है- द्रौपदी।

संभावना गतिविधि में नृत्य एवं लीला नाट्य की हुई प्रस्तुति

द्रौपदी लीला नाट्य का कथासार



चौर हरण का दृश्य।

यज्ञ की अग्नि से जन्मी द्रौपदी, केवल पांचाल की राजकुमारी नहीं, बल्कि एक ऐसी स्त्री है, जो अपने समय की सामाजिक और राजसत्ता की सीमाओं के बीच अपने अस्तित्व और सम्मान की लड़ाई लड़ती है। उसके स्वयंवर से प्रारंभ होती कथा उसे पांडवों की पत्नी और हस्तिनापुर के राजपरिवार का हिस्सा बनाती है। वस्त्रहरण के प्रयास में श्रीकृष्ण का संरक्षण उसकी आस्था और शक्ति का आधार बनता है। अपमान की अग्नि से द्रौपदी प्रतिशोध नहीं, बल्कि न्याय का संकल्प लेती है।



मानव संग्रहालय में पारंपरिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ 'ओणम उत्सव 2026'

चेंडा की गूंज में खिला केरल, ओणम ने रच दिया संस्कृति और प्रकृति का उत्सव

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

चेंडा की गूंज, लोकगीतों की मधुर लय और पारंपरिक आस्था के रंगों से रविवार को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय का तटीय ग्राम मुक्ताकाश प्रदर्शनी परिसर केरल की धरती-सा जीवंत नजर आया। अवसर था 'ओणम उत्सव 2026' का, जो पारंपरिक श्रद्धा, उल्लास और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच संपन्न हुआ। उत्सव में राजा महाबली की स्मृति के साथ सामाजिक समरसता, प्रकृति के प्रति सम्मान और सामुदायिक जीवन की खुबसूरती देखने को मिली।



'कुट्टनादन पुंजयिले' ने सुनाई केरल की कहानी

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में केरल के लोकप्रिय लोकगीत कुट्टनादन पुंजयिले की प्रस्तुति विशेष आकर्षण रही। इसकी लय के साथ दर्शकों के सामने केरल की प्रसिद्ध नौका दोड़ परंपरा, चुंडन वल्लम, भद्रकाली अम्मा की वंदना और सामुदायिक जीवन के रंग जीवंत हो उठे। गीत-संगीत ने ऐसा माहौल रचा मानो केरल की संस्कृति अपने पूरे वैभव के साथ भोपाल की धरती पर उतर आई हो।

सर्पकावु में की नागदेवता की पूजा

सर्पकावु में नागदेवता की पूजा के साथ प्रकृति और पर्यावरण के प्रति कुवक्षता व्यक्त की गई। वहीं पारंपरिक वाद्य चेंडा की गूंज ने पूरे परिसर को भक्तिमय वातावरण से भर दिया।



भद्रकाली अंबालम से सर्पकावु तक गूंजी आस्था

उत्सव के दौरान संग्रहालय परिसर में स्थापित भद्रकाली अंबालम, चुंडन वल्लम यानी पारंपरिक सर्प-नौका और सर्पकावु यानी पवित्र उपवन में विशेष पूजा एवं धार्मिक अनुष्ठान हुए। मुख्य पुजारी संतोष शांति ने वैदिक एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजन संपन्न कराया।



होटल सयाजी में परिवार संग मनाया स्थापना दिवस

अपनी यादों के गलियारों में फिर लौट आए मैनिट के पुराने छात्र



मैनिट के स्थापना दिवस पर एकजुट हुए पुराने छात्र।

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

कभी जिन गलियारों में पढ़ाई, दोस्तों की शरारतों और भविष्य के सपनों की गूंज सुनाई देती थी, उन्हीं यादों को एक बार फिर जीवंत करने का अवसर मिला। मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट), भोपाल के स्थापना दिवस पर

मैनिट के पूर्व छात्र परिवार सहित एक मंच पर जुटे। मैनिट एल्युमनी एसोसिएशन भोपाल (मान द प्राइड) द्वारा सयाजी होटल में आयोजित समारोह में करीब 150 पूर्व छात्रों ने सहभागिता की। वर्षों बाद मिले साथियों ने पुरानी यादें साझा कीं और अपने संस्थान से जुड़े अनुभवों को फिर से जिया।

कॉलेज के दिनों की यादें की साझा

समारोह में पूर्व छात्रों की मौजूदगी ने माहौल को आत्मीय बना दिया। किसी ने कॉलेज के दिनों की यादें साझा की तो किसी ने पुराने मित्रों से मुलाकात को वर्षों बाद मिले किसी अनमोल उपहार जैसा बताया। परिवारों की मौजूदगी ने आयोजन को और भी खास बना दिया।

मुकेश मेश्राम रहे मुख्य अतिथि

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मैनिट के पूर्व छात्र एवं उत्तर प्रदेश शासन के अपर मुख्य सचिव और आईएसएस अधिकारी मुकेश मेश्राम रहे। वरिष्ठ पूर्व छात्र हर्षद बागवां समाजिक अतिथि तथा मनोज कुकरेजा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मान द प्राइड के अध्यक्ष अमिल भारतीय ने की।

'द एचआर कॉन्फ्लुएंस' में एआई, जेन-जी और ट्रेनिंग के भविष्य पर सार्थक मंथन

भोपाल। भोपाल ट्रेनर्स फोरम द्वारा आयोजित द एचआर कॉन्फ्लुएंस में एचआर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जेन-जी और कॉर्पोरेट ट्रेनिंग जैसे समकालीन विषयों पर लगभग 20 एचआर विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों, विचारों और संभावनाओं को एक मंच पर लाकर भविष्य के कार्यस्थल के लिए नई सोच विकसित करना था। कार्यक्रम में डॉ. संगीता कुमार ने भोपाल ट्रेनर्स फोरम की भूमिका और शहर में ज्ञान, नेटवर्किंग एवं नए अवसरों की संस्कृति विकसित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मुख्य संचालक डॉ. विनोद गुप्ता रहे, जबकि डॉ. महेंद्र जोशी, डॉक्टर राजीव अग्रवाल, जय श्री अय्यर और भावना चावला ने क्रॉस नेटवर्किंग गतिविधि का संचालन किया।



भोपाल में चार दिवसीय 'टैगोर नाट्य महोत्सव' का शुभारंभ



शुभारंभ अवसर पर कुलगुरु डॉ. चौबे व अन्य अतिथि।

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय एवं विश्व रंग फाउंडेशन द्वारा आयोजित चार दिवसीय 'टैगोर नाट्य महोत्सव' का रविवार को शुभारंभ हुआ। रबीन्द्रनाथ टैगोर विवि के मुक्ताकाश में आयोजित पहले दिन के कार्यक्रम में टैगोर की गीतों की सांगीतिक प्रस्तुति, उनकी कहानियों पर आधारित नाट्य प्रस्तुति और 'टैगोर की सांस्कृतिक चेतना' विषय पर परिचर्चा हुई। कार्यक्रम में आरएनटीयू के कुलाधिपति और वरिष्ठ साहित्यकार संतोष चौबे, कुलगुरु डॉ. आर.पी. दुबे और कला क्षेत्र से जुड़े लोग उपस्थित रहे।

नवांगतुक विद्यार्थियों ने दी 'गीतांजलि' की प्रस्तुति

महोत्सव के पहले दिन टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के नवांगतुक विद्यार्थियों ने 'गीतांजलि' की प्रस्तुति दी। विद्यार्थियों ने टैगोर के गीतों को संगीत के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। इसके बाद विद्यालय के द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने टैगोर की दो कहानियों पर आधारित नाट्य प्रस्तुति एक रात अंतिम रात का मंचन किया।

अतीत की स्मृतियों पर आधारित 'एक रात'



'एक रात' में एक ऐसे युवक की कहानी है, जो बचपन की सहचरी सुरबाला के प्रेम को समय रहते समझ नहीं पाता। अपनी महत्वाकांक्षाओं के चलते वह उससे विवाह का अवसर खो देता है और बाद में उसे एहसास होता है कि जिसे वह प्रेम करता था, उसे वह स्वयं अपने जीवन से दूर कर चुका है। एक रात के घटनाक्रम में अतीत की स्मृतियां और पछतावा उसके सामने इस तरह उभरते हैं कि उसके जीवन और प्रेम का पूरा अर्थ बदल जाता है।

रंग श्री लिटिल बैले में नाटक 'दिल की दुकान' का मंचन



नाटक दिल की दुकान में मंचन करती अभिनेत्रियां।

जब मंच पर सजी 'दिल की दुकान', हंसी के बहाने समाज की विसंगतियों पर प्रहार

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

रंग श्री लिटिल बैले में आयोजित एकता नाट्य समारोह के दूसरे दिन दर्शकों के सामने एक ऐसी अनेखी दुकान सजी, जहां कपड़े, किताबें या सामान नहीं, बल्कि दिल बिक रहे थे। कोई दिल कंजूसी से भरा था, कोई डर से सहमा हुआ, तो किसी पर शराब का नशा हावी था। इसी दिलचस्प कल्पना को आधार बनाकर राजेन्द्र शर्मा द्वारा लिखित और डॉ. संकल्प द्वारा निर्देशित हास्य नाटक 'दिल की दुकान' के प्रभावी मंचन ने दर्शकों को हंसी के ठहाके लगाने पर मजबूर कर दिया।



यह है कहानी...

कहानी का केंद्र है 'दिल की दुकान' का मालिक, जो अलग-अलग खूबियों और खामियों वाले दिल बेचता है। समाज में मौजूद विसंगतियों के प्रतीक ये दिल कभी दर्शकों को गुदगुदाते हैं तो कभी उन्हें अपने आसपास के सामाजिक चरित्रों से रूबरू कराते हैं।

दिल के इलाज के लिए आजमाए जाते हैं तरह-तरह के उपाय

इस दुकान पर दिल के इलाज के लिए तरह-तरह के उपाय आजमाए जाते हैं, लेकिन विडंबना यह है कि दर्द की दवा बढ़ाने के बजाय कई बार दिल का मर्ज ही बढ़ता जाता है। मगोरजन के साथ नाटक अंततः एक गंभीर सवाल छोड़ गया—बीमारियों से भरे इस समाज में जब कोई दिलदार व्यक्ति बदलाव की कोशिश करता है, तो उसका क्या हथ्र होता है।

मानव संग्रहालय में पर्यावरण अनुकूल कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में रविवार को एक दिवसीय निःशुल्क पर्यावरण-अनुकूल गणेश प्रतिमा निर्माण कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें बच्चों, विद्यार्थियों, गृहिणियों, महिलाओं और पुरुषों सहित 75 से अधिक प्रतिभागियों ने मिट्टी से गणेश प्रतिमाएं बनाईं। मूर्तिकार शिवम कुमार और पारंपरिक कलाकार प्रेरणा शर्मा ने प्रतिभागियों को प्रतिमा निर्माण, मिट्टी के चयन और प्राकृतिक रंगों के उपयोग की जानकारी दी। विशेष आकर्षण 'सीड गणेश' रहा, जिसमें विसर्जन के बाद बीज से पौधा उगाया जा सकता है।

मिट्टी से गढ़े गणेश, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश...



मिट्टी की गणेश प्रतिमाओं के साथ आयोजक व अतिथि।



मुख्यमंत्री सुवेंदु ने किया बड़ा ऐलान, बंगाल के स्कूलों में बदलेगा इतिहास का पाठ

एजेसी ►►कोलकाता

पश्चिम बंगाल की सियासत और शिक्षा व्यवस्था में एक नया और ऐतिहासिक पन्ना जुड़ने जा रहा है। राज्य सरकार ने स्कूलों के सिलेबस में एक ऐसा बदलाव करने का मन बनाया है जो आने वाली पीढ़ी को उनके राज्य की जड़ों से और गहराई से जोड़ेगा। अब बंगाल के सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों के बच्चे सिर्फ किताबी ज्ञान नहीं बल्कि उन महान शख्सियतों के बारे में भी पढ़ेंगे, जिन्होंने बंगाल को एक नई दिशा दी। इस अहम फैसले के तहत भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और भारत सेवाश्रम संघ की नींव रखने वाले स्वामी प्रणवानंद के जीवन, उनकी उपलब्धियों और उनके महान योगदान को स्कूलों पाठ्यक्रम का अहम हिस्सा बनाया जा रहा है।

खबर संक्षेप

जीतन राम मांझी की बिगड़ी तबीयत, भर्ती

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी को रविवार शाम को सांस लेने में तकलीफ और बुखार की शिकायत के बाद दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया। सूत्र, लघु एवं मध्यम मंत्री मांझी को शाम करीब पांच बजे एम्स के आपातकालीन विभाग में लाया गया। रात करीब नौ बजे उन्हें आईसीयू में स्थानांतरित कर दिया गया।

गोदावरी में कूड़े परिवार के 4 लोग, 3 की मौत

गोदावरी। आंध्र प्रदेश के पश्चिम गोदावरी जिले में एक ही परिवार के 4 लोगों ने एक पुल से गोदावरी नदी में कथित तौर पर छलांग लगा दी। इस घटना में 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक महिला को बचा लिया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि रविवार को तलाश अभियान के दौरान 3 शव मिले, जबकि स्थानीय मछुआरों ने एक महिला को बचाया।

संभल में ऑटो-डंपर की टक्कर, 5 की मौत

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में रविवार सुबह मुरादाबाद-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर भीषण सड़क हादसा हो गया। बहजोई थाना क्षेत्र के वमनेटा गांव के पास एक सवारियों से भरा ऑटो सामने से आ रहे डंपर से टकरा गया। हादसे में 2 बच्चों समेत 5 की मौत हो गई, जबकि 6 लोग घायल हुए हैं। घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया है।

चेन्नई में टीवेके नेता की बीच सड़क पर हत्या

चेन्नई। तमिलनाडु के चेन्नई में एक शख्स की हत्या का मामला सामने आया है। मृतक ने हाल ही में सत्ताधारी टीवीके के ज्वाइनर की थी। घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है, जिसमें देखा जा सकता है कि 6लोगों के गैंग ने कन्नन पर हमला कर दिया। पूरी घटना चेन्नई के वननदुर्ग इलाके की है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव भेजा है।

गिद्धों का संरक्षण बेहद जरूरी: मंत्री भूपेंद्र

पंचकूला। अंतरराष्ट्रीय गिद्ध जागरूकता दिवस रविवार को हरियाणा के पंचकूला में मनाया गया। इस मौके पर केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने 'संकट से सुधार की ओर- भारत के गिद्धों का संरक्षण' थीम पर कार्यशाला का उद्घाटन किया। इस दौरान भूपेंद्र ने कहा कि जानवरों में गिद्धों का संरक्षण बेहद जरूरी है।

सिलेबस में जुड़ेंगे मुखर्जी और स्वामी प्रणवानंद के अध्याय,बच्चे केवल किताबी ज्ञान नहीं, अब ‘महान हस्तियों’ के बारे में भी पढ़ेंगे



स्कूलों के लिए 300 करोड़ अनुदान देंगे

राज्य सरकार ने शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए भी खजाने का मुंह खोल दिया है। सिलेबस में इस ऐतिहासिक बदलाव के साथ ही सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के लिए 300 करोड़ रुपये के अनुदान का भी बड़ा ऐलान किया गया है। इसका सीधा मतलब यह है कि बच्चों को पढ़ने के लिए अब बेहतर क्लासरूम और शानदार सुविधाएं मिलेंगी। स्कूलों में वंदे मातरम को अनिवार्य करना और अटल रिटिकिंग लैब्स की शुरुआत करना भी इस पूरी योजना का एक बेहद अहम हिस्सा है।

इतिहास के किन पहलू पर होगा खास जोर

इस बदलाव के खास बिंदुओं पर नजर डालें, तो इसका सबसे ज्यादा असर इतिहास और सामाजिक विज्ञान के विषयों पर देखने को मिलेगा। बंटवारे का इतिहास हमेशा दर्दनाक होता है, लेकिन उस दर्द के बीच जिन लोगों ने आगे आकर समाज को संभाला, उनका जिक्र होना लाजमी है। डॉ. मुखर्जी की दूर-अंदेशी ने उस वक्त बंगाल को एक बड़े संकट से उबारने में काफी मदद की थी। उन्होंने हमेशा इस बात की पैरवी की कि शिक्षा और राजनीति दोनों का मकसद समाज की भलाई होना चाहिए। स्वामी प्रणवानंद ने अध्यात्म को सिर्फ मंदिरों या आश्रमों की चारदीवारी तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे आम आदमी के दर्द को बांटने का एक मजबूत जरिया बनाया। उनकी इन्हीं शिक्षाओं को अब इतिहास के पन्नों से निकालकर सीधे क्लासरूम के ब्लैकबोर्ड तक लाया जा रहा है।

दोनों ने लोगों के अधिकारों की रक्षा की

यह कदम सिर्फ एक आम सिलेबस बदलाव नहीं है बल्कि बंगाल के उस दौर की यादों को ताजा करने की एक संजीवा कोशिश है, जब देश बंटवारे के गहरे दर्द से गुजर रहा था। 1947 के उस मुश्किल और उथल-पुथल भरे वक्त में इन दोनों हस्तियों ने जिस तरह से बंगाल के लोगों के हकों की रक्षा की और एक मजबूत नेतृत्व दिया, उसे अब स्कूलों की किताबों में खास जगह मिलेगी। सरकार की मंशा बिल्कुल साफ है। वह चाहती है कि आज की युवा पीढ़ी यह अछड़ी तरह जाने कि बंगाल के निर्माण में किन लोगों का पसीना और संघर्ष शामिल है। डॉ. शंमुखर्जी को उनके सियासी सफर, शिक्षा के क्षेत्र में किए गए बड़े सुधारों और बंगाली हितों की रक्षा करने के लिए हमेशा याद किया जाता है।

स्वामी प्रणवानंद ने समाज सेवा और अध्यात्म की अलख जगाई

स्वामी प्रणवानंद का जिक्र भी इस नए सिलेबस की बेहद अहम कड़ी है। समाज सेवा और अध्यात्म के जरिए उन्होंने जो अलख जगाई, वह आज भी भारत सेवाश्रम संघ के रूप में समाज की भलाई का काम कर रही है। इंसायनित की सच्ची सेवा और उस मुश्किल दौर में बेघर हुए लोगों को राहत पहुंचाने के उनके कामों को अब बच्चों तक पहुंचाया जाएगा। इतिहास की किताबों में इन दोनों के जुड़ने से छात्रों को न सिर्फ सियासी और सामाजिक नजरिया मिलेगी।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने गोवा में प्रेसवार्ता में कहा

सरकार भारत को 2029 तक मादक पदार्थ मुक्त बनाने के लिए ‘प्रतिबद्ध’

हमारी सरकार इस लड़ाई को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से प्राथमिकता बना रही

‘भारत पोल’ पर कड़ी बड़ी बात

भगोड़ों की करीब 17,874 करोड़ की संपत्तियां जब्त की

शाह ने कहा कि 14 से अधिक केंद्रीय एजेंसियां और सभी राज्यों की पुलिस 'भारत-पोल' से जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि इसके जरिए हर राज्य से भगोड़ों के प्रत्यर्पण की सुविधा के लिए मजबूत व्यवस्था तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि 2019 से 2026 के बीच भगोड़ों की करीब 17,874 करोड़ की संपत्तियां जब्त की गईं और नए आपराधिक कानूनों ने इन भगोड़ों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई का रास्ता तैयार किया है। शाह ने कहा कि हमने साइबर अपराध से निपटने के लिए एक व्यवस्थित व्यवस्था भी बनाई है। प्रधानमंत्री मोदी खुद भी इसकी निगरानी कर रहे हैं। आज '1930' नंबर साइबर अपराध से सुरक्षा के लिए एक पक्के समाधान के रूप में सामने आया है। गृह मंत्रालय ने राज्यों के साथ मिलकर 3 नए कानूनों को थाने के स्तर तक लागू करने में सफलता हासिल की है।

देश की आंतरिक सुरक्षा मजबूत की जा रही

शाह ने गोवा के डोना पाउला में एक कार्यक्रम के दौरान केंद्र सरकार के कार्यों को गिनाया। शाह ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने देश की आंतरिक सुरक्षा मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि जब नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री पद संभाला था, तब देश के सामने तीन बड़ी चुनौतियां थीं। इनमें जम्मू-कश्मीर की स्थिति और वहां बढ़ता आतंकवाद, नक्सलवाद और पूर्णतः नए विभिन्न सशस्त्र समूहों की मौजूदगी शामिल थी। उस समय देश के अलग-अलग हिस्सों में लगातार बम धमाके हो रहे थे और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बड़े आंदोलन हो रहे थे।

2019 से 274 भगोड़ों को प्रत्यर्पित किया

शाह ने कहा कि 2019 से हमने विभिन्न तरह के अपराध करने के बाद देश से भागे भगोड़ों के खिलाफ अभियान शुरू किया है। 2019 से जुलाई 2026 के बीच हमने 36 देशों से 274 भगोड़ों को सफलतापूर्वक प्रत्यर्पित किया। इनमें आर्थिक अपराध, आतंकवाद, नशीले

पदार्थों की तस्करी या गैंगवार में शामिल लोग थे और उन्हें भारतीय अदालतों के सामने लाया गया। पिछले 3 वर्षों में 401 रेड कॉर्नर नोटिस पर कार्रवाई की गई है। इस साल जुलाई 2026 तक अनेकले 182 रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने की पूरी प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की गई।

भारत को नशामुक्त बनाने का लक्ष्य तय किया

शाह ने कहा कि हमने 2029 तक भारत को नशामुक्त बनाने के बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक रोलप्लान तैयार किया है। नशीले पदार्थों का कारोबार एक पेसा अपराध है जो हमारी आने वाली पीढ़ियों को बर्बाद करता है। नशीले पदार्थों से मिलने वाले 'नर्दे पैसे' का इस्तेमाल आतंकवाद को बढ़ावा देने को किया जाता है। शाह ने कहा कि 2019 से हमने इस समस्या को खिलफ कार्रवाई की है।

अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर विकास की राह पर

शाह ने कहा कि अगर हम आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 2019 से अब तक के सफर को देखें तो जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद अलगाववाद की भावना काफी कम हुई है। आतंकवाद के आंकड़े धीरे-धीरे शून्य की ओर बढ़ते दिखाई दे रहे हैं और जम्मू-कश्मीर विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। जम्मू-कश्मीर और देश के बाकी हिस्सों के बीच मानसिक दूरी कम करने के लिए भी सफल प्रयास किए गए हैं।

नक्सलवाद को खत्म किया, अब नशीले पदार्थों की समस्या से निपटेंगे

उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने तिरुपति से पशुपति तक 'लाल' (माओवादी) गलियारा बनाने का सपना देखा था, उन्होंने हथियार डाल दिए हैं और मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं। पूर्वोत्तर में भी शांति है। 10,000 से ज्यादा युवाओं ने रक्षियार डाल दिए हैं। शाह ने कहा कि उनके वाला नक्सलवाद अब अतीत की बात हो गया है। साह ने कहा कि हमने नक्सलवाद को खत्म कर दिया है और नशीले पदार्थों की समस्या से भी उसी तरह निपटेंगे।

गुवाहाटी में स्वर्ण जयंती में उपराष्ट्रपति उच्च शिक्षा का उद्देश्य लोकतंत्र को सार्थक बनाना होना चाहिए

एजेसी ►►गुवाहाटी

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों का उद्देश्य केवल छात्रों को करियर के लिए तैयार करना नहीं होना चाहिए, बल्कि उन्हें समाज और लोकतंत्र में सार्थक योगदान देने में सक्षम बनाना भी होना चाहिए। राधाकृष्णन ने गुवाहाटी में गीतानगर कॉलेज के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्र निर्माण और समावेशी विकास को बढ़ावा देने में शिक्षण संस्थानों की भूमिका पर बल दिया। उन्होंने पूर्व 'कन्या



महाविद्यालय' के नाम से जाने जाने वाले कॉलेज की नई शैक्षणिक इमारत का ऑनलाइन माध्यम से उद्घाटन भी किया। असम के अपने पहले दौरे के दौरान उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में शिक्षण संस्थान सबसे अहम हैं। वे आवश्यक कुशल श्रमशक्ति तैयार कर सकते हैं।

पीएम के नाराज फूफा वाले बयान पर कांग्रेस ने किया वार तो माजपा अध्यक्ष ने किया पलटवार

हरिमूनि ब्यूरो ►►नई दिल्ली

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन रविवार को प्रधानमंत्री के बयान का समर्थन करते हुए विपक्ष पर तीखा निशाना साधा। नितिन नवीन ने कहा कि विपक्ष देश के विकास, विरासत और संस्कृति से जुड़ी हर उपलब्धि पर नाराजगी जताता है। कांग्रेस ने रविवार को पीएम मोदी के नाराज फूफा वाले बयान पर पलटवार किया है। इसके बाद भाजपा अध्यक्ष ने कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि भारत विकास कर रहा है तो उन्हें नाराजगी होती है। कश्मीर से



नाराज हुआ। नक्सलवाद जड़ों से समाप्त होने की दिशा में बढ़ रहा है, तब भी विपक्ष खुश नहीं है। नवीन ने पीएम मोदी के उस बयान का समर्थन किया, जिसमें उन्होंने विपक्ष की तुलना नाराज फूफा से की थी। पीएम मोदी शनिवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में शताब्दी समारोह में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे थे।

अनुच्छेद 370 हटाने पर लाल चौक पर तिरंगा फहराया गया तो भी विपक्ष नाराज हुआ। नक्सलवाद जड़ों से समाप्त होने की दिशा में बढ़ रहा है, तब भी विपक्ष खुश नहीं है। नवीन ने पीएम मोदी के उस बयान का समर्थन किया, जिसमें उन्होंने विपक्ष की तुलना नाराज फूफा से की थी। पीएम मोदी शनिवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में शताब्दी समारोह में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे थे।

ब्रिक्स देशों के बीच डालर से इतर भुगतान पर मंथन

हरिमूनि ब्यूरो ►►नई दिल्ली

देश की राजधानी में 12 और 13 सितंबर को 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के समानांतर पहली बार आइ-ब्रिक्स समिट का आयोजन होगा। इस सम्मेलन में 500 से अधिक संस्थागत निवेशक, वित्त मंत्री और प्रमुख कारोबारी नेता हिस्सा लेंगे। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य ब्रिक्स सदस्य और साझेदार देशों में बुनियादी ढांचा, ऊर्जा और डिजिटल क्षमता से जुड़ी परियोजनाओं के लिए बड़े पैमाने पर संस्थागत पूंजी जुटाना है। आइ-

आइ-ब्रिक्स की समिट में जुटेगा एक ट्रिलियन डॉलर का संस्थागत निवेश

ब्रिक्स समिट में शामिल होने वाले सांवेन वेल्थ फंड, पेशन फंड और फैमिली ऑफिस सामूहिक रूप से करीब 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की संपत्ति का प्रबंधन करते हैं। ऐसे में सम्मेलन को ब्रिक्स देशों के बीच निवेश सहयोग को नई दिशा देने के लिहाज से अहम माना जा रहा है। सीमा पर निवेश और डॉलर से इतर भुगतान पर चर्चा: सम्मेलन में ब्रिक्स अर्थव्यवस्थाओं के बीच सीमा पर निवेश बढ़ाने के साथ-साथ गैर-डॉलर आधारित निपटान व्यवस्था और वैकल्पिक भुगतान

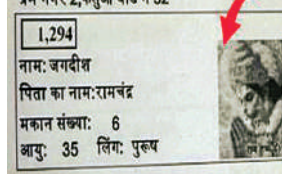
प्रणालियों पर भी चर्चा होने की उम्मीद है। बदलते वैश्विक व्यापार समीकरणों और डॉलर आधारित भुगतान व्यवस्था की ऊंची लागत के बीच ब्रिक्स देशों के लिए वैकल्पिक वित्तीय ढांचा तैयार करना इस चर्चा का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। फास्ट पेमेंट प्रणालियों पर नजर: आइ-ब्रिक्स समिट में डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण संभावनाओं पर चर्चा होगी। भारत की यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस और ब्राजील की पीएफ जैसी राष्ट्रीय फास्ट-पेमेंट प्रणालियों को आपस में जोड़ने का संभावनाओं पर विचार किया जाएगा।

कोटा में जगदीश का कारनामा

भगवान हनुमान बने मतदाता वोटर लिस्ट में लगाई फोटो

एजेसी ►►कोटा

नगर निगम चुनाव के दिन जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, वैसे ही चुनाव को लेकर रोमांच भी लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसा ही एक मामला शहर के वार्ड नंबर 29 से सामने आया है, जहां की वोटर लिस्ट में एक नाम के आगे हनुमान जी का फोटो लगा है। वोटर लिस्ट के तहत मतदाता का नाम जगदीश पुर रामचंद्र था। उसका घर भी प्रेम नगर इलाके में बताया गया है। लेकिन यहां के बीएलओ 10 दिन बाद भी जगदीश को तलाश नहीं कर पाए हैं। बीएलओ का कहना है कि जगदीश



का नाम उन्होंने नहीं जोड़ा है। यह गलती से हुआ है या जान-बूझकर किसी ने किया है, इसकी शिकायत उच्चाधिकारियों को कर दी गई है। वहीं, सवाल यह भी उठता है कि बिना बीएलओ की अनुमति के वोटर लिस्ट में न तो किसी का नाम जुड़ा है और न ही हटाता है तो इतनी बड़ी गलती आखिर कहां से हो गई?

मुंबई का जीसीबी सेवा मंडल कर रहा बड़ा आयोजन

गजब...गणेश उत्सव के लिए 703 करोड़ रुपए का बीमा कराया

एजेसी ►►मुंबई

मुंबई के जीसीबी सेवा मंडल ने आगामी गणपति उत्सव के लिए 703.27 करोड़ रुपए का बीमा कराया है, जबकि पिछले साल यह रकम 474 करोड़ रुपए थी। आयोजकों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 5 दिन तक चलने वाले इस उत्सव के दौरान भगवान गणेश की प्रतिमा को 66 किलोग्राम से अधिक सोने और 335 किग्रा चांदी के गहनों से सजाया जाएगा। 10 दिन तक चलने वाला गणपति उत्सव 14 सितंबर से शुरू होगा।



10 दिनी उत्सव 14 सितंबर से शुरू होगा



मुंबई का सबसे समृद्ध गणेश मंडल माने जाने वाला जीसीबी सेवा मंडल, किंग्स सर्कल में इस उत्सव का आयोजन करता है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। जीसीबी सेवा मंडल ने कहा कि वह 14 से 18 सितंबर तक 5दिन के लिए अपना 72वां गणेशोत्सव आयोजित करेगा। बारह सितंबर को रात 8 बजे विराट दर्शन समारोह का आयोजन किया जाएगा।

यहां का सबसे समृद्ध गणेश मंडल

मुंबई का सबसे समृद्ध गणेश मंडल माने जाने वाला जीसीबी सेवा मंडल, किंग्स सर्कल में इस उत्सव का आयोजन करता है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। जीसीबी सेवा मंडल ने कहा कि वह 14 से 18 सितंबर तक 5दिन के लिए अपना 72वां गणेशोत्सव आयोजित करेगा। बारह सितंबर को रात 8 बजे विराट दर्शन समारोह का आयोजन किया जाएगा।

इस तरह बढ़ता गया इंश्योरेंस

मुंबई के सबसे अमीर गणपति मंडल के रूप में मशहूर जीएसबी सेवा मंडल ने इस साल अपने इंश्योरेंस कवर में भारी बढ़ोतरी की है। इससे पहले मंडल ने साल 2025 में 474 करोड़ रुपए और साल 2024 में 400 करोड़ रुपए का बीमा कराया था। यह बीमा सुरक्षा मंडल के कीमती सोने-चांदी के आभूषणों, श्रद्धालुओं, स्वयंसेवकों, पुजारियों, सुरक्षाकर्मियों, रसोइयों, पंडाल और आपस के परिसर को किसी भी दुर्घटना या अग्नि घटना से कवर करता है।

खबर संक्षेप

ईरान में ईंधन टैंकर में धमाका, 11 की मौत

तेहरान। पश्चिमी ईरान में एक सड़क हादसे के बाद ईंधन टैंकर में हुए



धमाके में 11 लोगों की मौत हो गई। विस्फोट के कारण आसपास चल रही कई गाड़ियों में भी आग लग गई। हादसे में सात लोग घायल भी हुए हैं। मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार, यह हादसा कुर्दिस्तान प्रांत के सनंदाज काउंटी और हमदान प्रांत के हमदान काउंटी के बीच स्थित इंटरसिटी सड़क पर हुआ। यह जानकारी कुर्दिस्तान यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज की इमरजेंसी मेडिकल सर्विसेज के प्रमुख बाबक होवाई ने दी।

वैष्णो देवी हेलिकॉप्टर का किराया 15 प्रतिशत बढ़ा

जम्मू। श्री माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को अब हेलिकॉप्टर यात्रा के लिए अधिक जेब ढीली करनी पड़ेगी। ग्राइन बोर्ड ने एविएशन टर्बाइन फ्यूल एटीएफ की बढ़ती कीमतों का हवाला देते हुए किराये में लगभग 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। अभी अधिसूचना जारी नहीं है, किंतु नई दरें 15 अक्टूबर से लागू होने की संभावना है। मौजूदा समय में एक तर्फ का किराया 2,320 रुपये है। अब यह बढ़कर 2,700 हो जाएगा। यानी प्रति व्यक्ति 380 की वृद्धि की गई है।

चीन में मुख्यलन से तीन लोगों की मौत

बीजिंग। पूर्वी चीन में उष्णकटिबंधीय चक्रवात सौडेल के कारण कई दिनों से मूसलाधार बारिश के बीच भूस्खलन होने से तीन लोगों की मौत हो गई और नौ लोग लापता हैं। अधिकारियों ने एक बयान में बताया कि शनिवार तड़के जियांग्शी प्रांत में सुइचुआन काउंटी के एक गांव में भूस्खलन हुआ। रविवार को बचावकर्मियों को दो शव मिले। वही चक्रवात की वजह से हुई भारी बारिश के कारण दक्षिण-मध्य चीन के हुनान प्रांत में दो लोगों की मौत हो गई।

नदियों और नहरों का जलस्तर बढ़ने से जनजीवन अस्त-व्यस्त
 उत्तराखंड : ऊधमसिंह नगर में 36 घंटे से लगातार बारिश, घरों में घुसा पानी,लोगों में फैली दहशत

एजेंसी ►►बागपुर

पिछले 36 घंटे से लगातार हो रही बारिश के चलते क्षेत्र की नदियों और नहरों का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों की लिंक नहरों में भी पानी काफी बढ़ गया है। जलस्तर बढ़ने के कारण राजीव नगर, ईशिरा कॉलोनी और ग्राम चक्रपुर में घरों में पानी का बचावकर्मियों को दो शव मिले। वही चक्रवात की वजह से हुई भारी बारिश के कारण दक्षिण-मध्य चीन के हुनान प्रांत में दो लोगों की मौत हो गई।

रविवार सुबह से ही आलापुर माइनर और लेवड़ा नदी के जलस्तर में तेजी से वृद्धि हुई। इससे क्षेत्र में बाढ़ की आशंका गहरा गई है। वहीं, ग्राम झारखंडी को जाने वाला मार्ग गडप्प नाले में बरसाती पानी आने के कारण बंद हो गया।इससे आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया है।

सिंधु नदी पर भारत का ‘मास्टरस्ट्रोक’

एजेंसी ►►नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने सिंधु नदी के पानी को लेकर एक बड़ा रणनीतिक कदम उठाया है। पानी का सही एवं समुचित उपयोग सुनिश्चित करने के लिए लद्दाख में सिंधु नदी पर उपशी में देश का पहला रॉक चेक डैम तैयार किया गया है। फिलहाल इसमें 10 फीट तक पानी भर लिया गया है। इस कदम से जहां लद्दाख के किसानों को सिंचाई के लिए भरपूर पानी मिलेगा, वहीं पाकिस्तान का अब बूंद-बूंद पानी के लिए तरसना तय माना जा रहा है। पहलागाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल

संधि को स्थगित कर दिया था। इसके बाद से भारत इस संधि के तहत आने वाली सभी छह नदियों के पानी का समुचित एवं अधिकतम इस्तेमाल करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। सिंधु नदी भी इसी संधि के तहत आती है। ऐसे में इस नदी के पानी को भी रोककर अपने उपयोग में लाने की वृहद योजना बनाई गई है। उपशी में इस डैम के बनने से भारत के हिस्से का जो पानी बहकर पाकिस्तान चला जाता था, वह अब लद्दाख के विकास में काम आएगा। यह परियोजना सिंधु नदी तंत्र के जल उपयोग को लेकर भारत के बदलते और आक्रामक रुख का स्पष्ट संदेश है।

56 करोड़ की लागत से बनेंगे 36 और डैम



उपशी में चल रहा यह पायलट प्रोजेक्ट लद्दाख में जल सुरक्षा को मजबूत करने की व्यापक योजना की महज शुरुआत है। सूत्रों ने बताया कि पूरे लद्दाख में सिंधु नदी पर 36 और डैम बनाना प्रस्तावित है। इस संबंध में केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय को प्रस्ताव भी भेजा गया है। योजना के मुताबिक, लैह में 7 हिमालयन रॉक चेक डैम और कारगिल में 29 चेक डैम बनाए जाएंगे। कारगिल जिले में सिंधु नदी बटालिक सेक्टर से होते हुए बहती है। इन परियोजनाओं की अनुमानित लागत 56 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है।

दुनिया के नए नक्शे पर विदेश मंत्रालय की यूएन को दो टूक
 जम्मू-कश्मीर, लद्दाख हमारे नक्शे के मुताबिक दिखें, हमारी सीमाएं अटल, इनसे समझौता नहीं

एजेंसी ►►नई दिल्ली

भारत ने दुनिया के नए नक्शे को लेकर आपत्ति जताई है। विदेश मंत्रालय ने रविवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख समेत भारत का पूरा इलाका भारत के आधिकारिक नक्शे के हिसाब से ही दिखना चाहिए। भारत के इलाके को गलत या भ्रामक तरीके से दिखाना हमें मंजूर नहीं है। भारत की सीमाएं अटल हैं, इससे समझौता नहीं हो सकता। विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के उस प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया, जिसमें दुनिया के नक्शे पर देशों और महाद्वीपों का आकार उनके असली क्षेत्रफल के करीब दिखाने की बात कही गई है। हालांकि, भारत ने साफ किया कि इसका मतलब किसी एक खास नक्शे को मंजूरी देना नहीं है।

दरअसल, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने शुक्रवार को दुनिया के नक्शे को नए तरीके से दिखाने का प्रस्ताव पास किया। इस बदलाव से किसी देश या महाद्वीप का असली क्षेत्रफल नहीं बदलेगा। सिर्फ नक्शे पर उनका आकार पहले से कुछ छोटा या बड़ा नजर आएगा। अभी दुनिया में मर्केटर मैप काफी इस्तेमाल होता है। इसमें नक्शे पर ध्रुवों के पास के इलाके अपने असली आकार से बड़े दिखाई देते हैं। नए तरीके को इक्वल एरिया प्रोजेक्शन कहा गया है। इसमें अफ्रीका पहले से बड़ा, जबकि यूरोप और उत्तरी अमेरिका छोटे नजर आएंगे। एशिया के कुछ हिस्से भी पहले की तुलना में छोटे दिखाई दे सकते हैं।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के समान क्षेत्रफल वाले ग्लोबल मैप प्रस्ताव का समर्थन किया है। हालांकि, विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि यह प्रस्ताव किसी विशेष मानचित्र का समर्थन नहीं करता।

भारत ने यूएन के ग्लोबल मैप प्रस्ताव का समर्थन किया

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख पर भारत का रुख स्पष्ट

समान क्षेत्रफल वाले मानचित्रों के उपयोग को प्रोत्साहन

भारत को गलत या भ्रामक चित्रण स्वीकार नहीं



रणधीर जायसवाल

भारत का रुख और स्थिति

हालांकि, भारत ने स्पष्ट किया है कि इस कदम को किसी विशिष्ट मानचित्र, प्रक्षेपण या राष्ट्रीय सीमाओं के चित्रण के समर्थन के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। भारत के दृष्टिकोण को स्पष्ट करते हुए भारतीय राजनयिक रघु पुरी ने कहा, हमारा मानना ​​है

कि इस प्रस्ताव को केवल समान क्षेत्रफल वाले मानचित्र प्रक्षेपणों के व्यापक उपयोग और विचार के समर्थन के रूप में समझा जाना चाहिए, न कि 'इक्वल अर्थ प्रोजेक्शन' या किसी अन्य विशिष्ट मानचित्र प्रणाली के समर्थन के रूप में।

भारत ने प्रस्ताव के पक्ष में किया मतदान

रणधीर जायसवाल ने बताया कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में इस प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया। भारत ने अपने वोट की वजह बताते हुए कहा कि नक्शों में अलग-अलग क्षेत्रों को समान और सही तरीके से दिखाने का मूल सिद्धांत महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारत किसी खास नक्शे, मैप प्रोजेक्शन या किसी देश की सीमा को किसी खास तरीके से दिखाने का समर्थन नहीं करता है।

जम्मू-कश्मीर को नक्शे के अनुसार ही दिखाएं

भारत ने यह भी स्पष्ट किया है कि उसके संप्रभु क्षेत्र, जिसमें जम्मू-कश्मीर और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख शामिल हैं, उन्हें भारत के आधिकारिक नक्शे के अनुसार ही दिखाया जाना चाहिए. भारत का कहना है कि किसी भी तरह का गलत या भ्रामक नक्शा स्वीकार नहीं किया जा सकता। देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को लेकर भारत का रुख पहले से ही साफ है। कनेक्ट ड मैप प्रस्ताव का उद्देश्य ऐसे विश्व नक्शों को बढ़ावा देना है।

इसरो के कर्मचारी संघों ने अध्यक्ष को लिखी चिट्ठी
 कार्यों को निजी संस्थाओं को सौंपने की प्रस्तावित नीति पर मांगा स्पष्टीकरण

एजेंसी ►►नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो के नौ कर्मचारी संघों ने इसरो अध्यक्ष वी नारायणन को पत्र लिखकर अंतरिक्ष एजेंसी के विनिर्माण और प्रचालन कार्यों को निजी संस्थाओं को सौंपने की प्रस्तावित नीति पर आधिकारिक स्पष्टीकरण की मांग की है।

बता दें कि 4 सितंबर को लिखे गए इस पत्र में कर्मचारियों ने चिंता व्यक्त की है कि यदि केवल वाणिज्यिक गतिविधियों तक निजी

भागीदारी सीमित रहती है, तो यह स्वीकार्य है। हालांकि, ऐसी नीति जो इसरो को केवल एक शोध और विकास इकाई तक सीमित कर दे और देश के लांच वाहनों एवं बुनियादी ढांचे का नियंत्रण निजी हाथों में सौंप दे, वह बिना किसी खुली चर्चा के स्वीकार नहीं की जा सकती। यह चिंता इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड अथोराइजेशन सेंटर के अध्यक्ष पवन गोयनका द्वारा 21 अगस्त को दिए गए उस बयान के बाद आई है जिसमें भविष्य में इसरो कोई लांच वाहन नहीं बनाएगा और यह काम पूरी तरह से निजी क्षेत्र या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा किया जाएगा।

सिंगापुर में भारतीयों के खिलाफ नफरत पर भड़के मंत्री लूंग
 देशवासियों को दी चेतावनी, कहा- नस्लवाद बर्दाश्त नहीं करेंगे

एजेंसी ►►सिंगापुर

नेपाल में बाढ़ की त्रासदी के बाद भारतीय समुदाय के खिलाफ नस्लवादी और नफरत भरी बातें सुनना बहुत चिंताजनक है। सिंगापुर के सीनियर मिनिस्टर ली सियन लूंग ने 6 सितंबर को यह बात कही है और सिंगापुर के लोगों से नफरत को नकारने की अपील की है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में लोगों को सहानुभूति और एकजुटता दिखानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि सिंगापुर के लोगों को नस्ल, भाषा या धर्म से ऊपर उठकर एक-दूसरे का साथ देना चाहिए। फेसबुक पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि सिंगापुर पर हमेशा ही नस्ल के आधार पर भेदभाव और नफरत फैलाने जैसी भावनाओं का असर पड़ने का खतरा बना रहेगा। उन्होंने कहा कि भले ही देश अलग-अलग नस्लों के बीच सहनशीलता और सम्मान के लिए कोशिश कर रहा है लेकिन लोग नस्ल को लेकर बेपरवाह नहीं हो सकते। समाज में नस्ल और धर्म हमेशा ही मतभेद की वजह बने रहेंगे।

समाज में नस्ल और धर्म हमेशा ही मतभेद की वजह बने रहेंगे



ली सियन लूंग

ली ने कहा कि इसलिए सिंगापुर को आपसी एकता को मजबूत करने और नस्लीय सद्भाव बनाए रखने के लिए कड़ी मेहनत जारी रखनी होगी। उन्होंने नस्लीय टिप्पणों करने वाले देशवासियों को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा 'जब ऐसी घटनाएं होती हैं तो नेताओं को मजबूती और पूरे यकीन के साथ अपनी बात रखनी चाहिए ताकि वे हो रही घटनाओं पर आवाज उठा सकें, लोगों की दबी हुई भावनाओं का फायदा उठाने की निंदा कर सकें और सभी सिंगापुरवासियों से एकजुट होने की अपील कर सकें।'

उन्होंने बताया कि सीनियर मिनिस्टर के शानमुगम ने 5 सितंबर को इन मुद्दों पर अपनी बात रखी थी। शानमुगम ने मीडिया को बताया था कि पुलिस नेपाल में आई बाढ़ और एयर इंडिया में सिंगापुर एयरलाइंस के विवेश से जुड़ी नस्लभेदी और विदेशियों के प्रति नफरत वाली टिप्पणियों की जांच कर रही है। शानमुगम ने कहा कि इन मुद्दों पर कुछ ऑनलाइन टिप्पणियां शर्मनाक, भेदी और पूरी तरह से अस्वीकार्य थीं जिनमें सांप, करी, प्राटा, काला जादू और नस्लभेदी रूढ़ियों का जिक्र किया गया था।

किसी तरह का सामाजिक सद्भाव नहीं बिगड़ना चाहिए

उन्होंने कहा कि उन्होंने ऐसे कमेंट करने वालों के खिलाफ आवाज उठाने का फैसला किया ताकि इस तरह के व्यवहार को सामान्य न माना जाए क्योंकि इससे सार्वजनिक बातचीत का स्तर गिरता है और सामाजिक सद्भाव पर असर पड़ता है। शानमुगम ने कहा कि डिजिटल डेवलपमेंट और सूचना मंत्रालय प्लेटफॉर्मर्स से ऐसे कमेंट्स को हटाने के लिए भी कहेंगे क्योंकि ये ग्राइडलाइंस का उल्लंघन करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि टेमासेक के सीईओ दिलहान पिल्ले संधरसेगरा और इस बड़ी इन्वेस्टमेंट कंपनी के सीनियर मैनेजमेंट पर ऑनलाइन हमले किए गए थे। यह हमला तब हुआ जब खबर आई कि एयर इंडिया अपने शेयरहोल्डर्स जिनमें भी शामिल हैं से लगभग 1.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर का इन्वेस्टमेंट मांग रही है। शानमुगम ने कहा कि ये हमले बहुत बुरे थे और इनमें घटिया और मानहानि करने वाले कमेंट्स शामिल थे। इन कमेंट्स में कहा गया था कि टेमासेक के सीईओ एयर इंडिया का पक्ष लेंगे क्योंकि वे भारतीय मूल के हैं।

बिना चूना व सीमेंट के बना डैम, चार करोड़ लीटर है भंडारण क्षमता

उपशी में बनाए गए रॉक चेक डैम की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसके निर्माण में सीमेंट या चूने का बिल्कुल इस्तेमाल नहीं किया गया है। इसे नदी के तल से निकाले गए भारी प्राकृतिक पत्थरों को आपस में इंटरलॉक करके एक मजबूत संरचना का रूप दिया गया है। इसमें करीब चार करोड़ लीटर पानी के भंडारण की क्षमता है। अधिकारी स्थानीय स्तर पर पानी की उपलब्धता बढ़ाने और पारंपरिक निर्माण पद्धतियों पर निर्भरता कम करने के लिए पत्थर आधारित ऐसी संरचनाओं को एक बेहतररीन मॉडल के रूप में देख रहे हैं।

इगू के नहर से खेतों तक पहुंचेगा पानी
 लद्दाख के किसानों को अक्सर वसंत ऋतु में बुवाई के समय पानी की भारी किल्लत का सामना करना पड़ता है। ऐसे में यह डैम खेतों में हरियाली लाएगा। डैम में जलस्तर 10 फीट तक बढ़ने से 'इगू के नहर' के माध्यम से पानी को आसपास के खेतों तक पहुंचाया जाएगा। उपशी परियोजना के आगे बढ़ने के साथ ही लद्दाख में इसी तरह की जल संरक्षण योजनाओं को व्यापक स्तर पर लागू करने की तैयारी की जा रही है।

अमेरिका में शुरू हुई एसआईआर जैसी वोटर लिस्ट जांच
 दस लाख भारतवंशी वोटरों के नाम कटने का खतरा!



एजेंसी ►►नई दिल्ली

भारत में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेसिव रिवीजन (एसआईआर) को लेकर जारी बहस के बीच अब अमेरिका में भी बड़े पैमाने पर मतदाता सूची की जांच शुरू होने की खबर है। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने देशभर के वोटर रिकॉर्ड की समीक्षा और एक राष्ट्रीय मतदाता डेटाबेस तैयार करने की प्रक्रिया शुरू की है। मीडिया को मिली जानकारी के मुताबिक इस अभियान के दायरे में करीब 26 लाख भारतवंशी अमेरिकी वोटर भी आ सकते हैं, जिनमें से लगभग 10 लाख के नाम जांच के बाद प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है।

भारतवंशी वोटरों पर क्यों पड़ेगा असर?

न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी, कैलिफोर्निया और टेक्सास जैसे राज्यों में भारतीय मूल के मतदाता राजनीतिक रूप से प्रभावशाली माने जाते हैं। ऐसे में वोटर रिकॉर्ड की व्यापक जांच का असर इस समुदाय पर भी पड़ सकता है। हालांकि, वास्तव में कितने नाम हटेंगे, यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा। ट्रंप लंबे समय से वोटर आईडी और नागरिकता के सख्त प्रमाण के समर्थक रहे हैं।

राज्यों के अलग-अलग नियम बड़ी चुनौती
 अमेरिका में भारत की तरह कोई एक केंद्रीय चुनाव आयोग पूरे देश के चुनाव संचालित नहीं करता। चुनाव व्यवस्था मुख्य रूप से राज्यों और स्थानीय प्रशासन के अधीन है। इसलिए वोटर रजिस्ट्रेशन और पहचान संबंधी नियम भी राज्य-दर-राज्य अलग हैं। इसी वजह से राष्ट्रीय स्तर पर वोटर डेटाबेस बनाने की कवायद कानूनी और राजनीतिक विवाद की जम्ब दे सकती है।

ज्वालामुखी फटने से 50 हजार फीट ऊपर तक फैला राख का गुबार



जकार्ता। इंडोनेशिया के अनाक क्राकाटाऊ ज्वालामुखी में रविवार तड़के भीषण विस्फोट हुआ है। इससे करीब 50 हजार फीट ऊपर तक राख उठी। इसके बाद राजधानी जकार्ता के सौफकार्नी-हट्टा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सभी उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। पश्चिमी इंडोनेशिया के बड़े हिस्से में ज्वालामुखी की राख फैलने से घरेलू हवाई अड्डों पर 300 उड़ानें रद्द करना पड़ीं। देश के बड़े हिस्से में स्कूलों को बंद करना पड़ा है। यह घटना रविवार तड़के 3 बजकर 53 मिनट पर इसमें 30 सेकंड तक विस्फोट हुआ। क्लोज्ड-सर्किट कैमरे के फुटेज में ज्वालामुखी से लावा की लपटें निकलती दिखीं।

बेटेल 7 से 9 सितंबर तक भारत की यात्रा पर जेवियर बेटेल आज आएंगे भारत जयशंकर से करेंगे द्विपक्षीय वार्ता

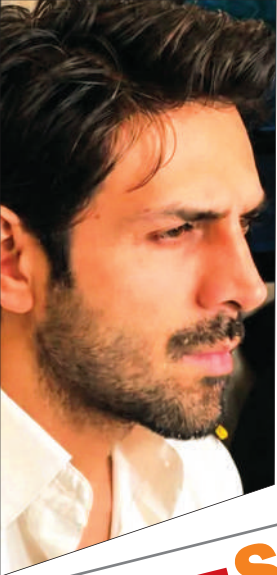
एजेंसी ►►नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय ने शनिवार को पुष्टि की कि लक्जमबर्ग के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश और विदेश व्यापार मंत्री जेवियर बेटेल आज भारत आएंगे। 7 से 9 सितंबर तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, बेटेल आज 7 सितंबर को नई दिल्ली पहुंचेंगे।

इसी दिन वह हैदराबाद हाउस में विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। विदेश मंत्रालय की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, वह मंगलवार को चेन्नई जाएंगे, जहां भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान आईआईटी मद्रास कैम्पस की दौरा करेंगे। विदेश मंत्री जयशंकर की



जनवरी में लक्जमबर्ग की आधिकारिक यात्रा के दौरान, बेटेल ने भारत के साथ संबंधों को गहरा करने का आह्वान किया था और लक्जमबर्ग के तकनीकी, डिजिटल और वित्तीय क्षेत्रों के विकास में भारतीय समुदाय द्वारा निभाई गई भूमिका पर प्रकाश डाला था। बेटेल ने विदेश मंत्री जयशंकर के साथ बैठक के दौरान अपने शुरुआती संबोधन में कहा था।



कैप्टन इंडिया बनकर उड़ान भरेंगे कार्तिक

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट 'कैप्टन इंडिया' की शूटिंग शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और अब उनका पहला लुक भी सामने आ गया है। कार्तिक आर्यन ने सोशल मीडिया पर अपना पहला लुक शेयर करते हुए अपने नए प्रोजेक्ट 'कैप्टन इंडिया' की शूटिंग शुरू करने की घोषणा की है। अलग-अलग तरह के रोल करने के लिए मशहूर इस एक्टर ने मिलिट्री यूनिफॉर्म में अपनी एक तस्वीर शेयर की और इस प्रोजेक्ट के लिए अपना उत्साह जाहिर किया है। पहले लुक के साथ-साथ कार्तिक आर्यन ने डायरेक्टर शिमित अमीन का एक दिल को छू लेने वाला मैसेज भी शेयर किया।

लाइफStyle

बिपाशा बसु एक समय पर बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस में गिनी जाती थीं। हालांकि, शादी और बेटी देवी के जन्म के बाद उन्होंने कुछ समय के लिए लाइमलाइट से दूरी बना ली। फिलहाल बिपाशा अपने पति करण सिंह गोवर और बेटी देवी के साथ क्वालिटी टाइम बिताने पर फोकस कर रही है।

बिपाशा

जिस्म न करने की मिली थी चेतावनी

एजेंसी ►► नई दिल्ली

बिपाशा ने 2001 में 'अजनबी' से अपने करियर की शुरुआत की थी। वहीं साल 2003 में रिलीज हुई 'जिस्म' में उन्होंने एक इरोटिक रोल निभाकर सबको हैरान कर दिया। अब बिपाशा ने बताया कि कैसे जब उन्होंने इस फिल्म के लिए हामी भरी, उन्हें सबने चेतावनी दी थी कि इस तरह का किरदार उनका करियर खत्म कर सकता है। बिपाशा बसु ने एक बातचीत में बताया कि जब उन्होंने 'जिस्म' करने का फैसला किया, तो उन्हें पता था कि वह बहुत बड़ा रिस्क ले रही हैं। बिपाशा के अनुसार, उस समय इंडस्ट्री में कई लोगों ने उन्हें ये फिल्म नहीं करने की सलाह दी, क्योंकि उन्होंने चिंता थी कि बोलड सीन करना उनके करियर के लिए नुकसानदायक हो सकता है। लेकिन, बिपाशा उनकी बातों से सहमत नहीं थीं और उन्होंने ये फिल्म करने का फैसला किया। इस फिल्म में बिपाशा बसु के साथ जॉन अब्राहम लीड रोल में थे। बिपाशा कहती हैं- 'इंडस्ट्री में हर किसी ने मुझसे कहा कि 'यह फिल्म (जिस्म) मत करो।' उनका कहना था कि अगर मैं ऐसी फिल्म करूंगी, जिसमें थोड़ा भी इरोटिका है, तो मेरा करियर खत्म हो जाएगा। मगर मेरे लिए ये बस एक एडल्ट लव स्टोरी थी और मुझे इसमें कोई परेशानी नहीं थी।



हॉलीवुड मसाला

फुसफुसाती नजर आई प्रियंका-जेनिफर

लॉस एंजिल्स। ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा जहां भी जाती हैं लोगों का ध्यान खींच लेती हैं। वह अक्सर इंटरनेशनल इवेंट्स में जाती हैं। यहीं नहीं वह हॉलीवुड के बड़े कलाकारों के साथ आसानी से घुल-मिल जाती हैं। हाल ही में उन्होंने जेनिफर लॉरेंस के साथ बातचीत की, जिसका वीडियो वायरल हो रहा है। दोनों कलाकार हाल ही में पेरिस में एक इवेंट में शामिल हुईं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि दोनों कलाकार हंस-हसकर बातें कर रही हैं। प्रियंका जेनिफर के कान में कुछ फुसफुसाती हुईं दिखाईं।



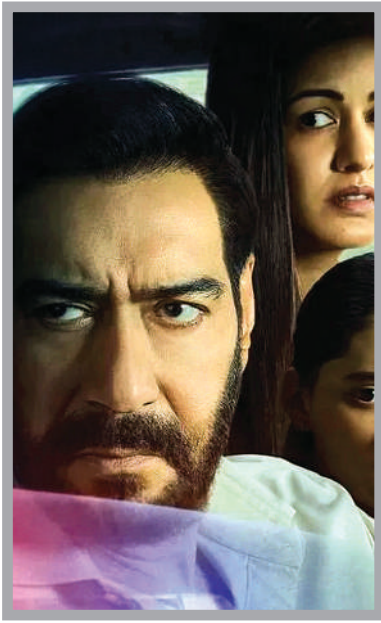
हॉलीवुड सितारे भक्ति भाव से करते हैं भजन-कीर्तन

लॉस एंजिल्स। 'आयरन मैन' फेम लोकप्रिय हॉलीवुड अभिनेता रॉबर्ट डाउनी जूनियर भगवान श्रीकृष्ण के दीवाने हैं। एक इंटरव्यू में उन्होंने खुद माना कि वे हरे कृष्ण विचारधारा और आंदोलन से काफी प्रभावित रहे। अपनी जिंदगी के कठिन दौर से उबरने में कृष्ण विचारधारा उनके लिए काफी मददगार साबित हुई। भगवद गीता के दर्शन से वे काफी प्रभावित हैं। ब्रिटिश अभिनेता और कॉमेडियन रसेल बॉड का भगवान कृष्ण और हरे कृष्ण आंदोलन (इस्कॉन) से गहरा जुड़ाव रहा है। ध्यान साधना में भी उनकी काफी दिलचस्पी रही है। रसेल बॉड ने खुद यह स्वीकार किया है कि जीवन के कठिन दौर और नशे की लत से उबरने में 'हरे कृष्ण महामंत्र' ने उनकी मदद की। हिंदू संस्कृति और रीति-रिवाजों में आस्था के चलते उन्होंने शादी के लिए भी भारत को चुना।



तीनों बच्चे गए विदेश, फराह हुई इमोशनल...

मुंबई। बॉलीवुड फिल्ममेकर और कोरियोग्राफर फराह खान ने हाल ही में अपने परिवार की जिंदगी के एक अहम पड़ाव के बारे में एक इमोशनल अपडेट शेयर किया। उन्होंने इस पोस्ट के जरिए बताया कि उनके तीनों बच्चे - दिवा, अन्या और जार पढ़ाई के लिए विदेश चले गए हैं। फराह ने रविवार, 6 सितंबर को इंस्टाग्राम पर अपने बच्चों की कई तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें वे अलग-अलग शहरों में अपनी नई जिंदगी की शुरुआत करते दिख रहे हैं। तस्वीरों के साथ उन्होंने बताया कि उन तीनों को अलविदा कहना कितना मुश्किल था। 'तीस मार खान' की डायरेक्टर फराह ने अपने पति-फिल्ममेकर शिरीष कुंदर पर मजाकिया अंदाज में तंज कसते हुए अपना सिग्नेचर ह्यूमर भी दिखाया।



फिर दिमाग उलझाने आ रहे हैं अजय

मुंबई। एक बार फिर अजय देवगन क्राइम-सर्पेंस 'दृश्यम 3' के जरिए विजय सलगांवकर के तौर पर दर्शकों के बीच वापसी कर रहे हैं। मेकर्स ने अब इस क्राइम-सर्पेंस के ट्रेलर रिलीज की डेट भी अनाउंस कर दी है। इस घोषणा के साथ मेकर्स ने विजय सलगांवकर का फैंमिली पोस्टर भी जारी किया है। अभिषेक पाठक द्वारा निर्देशित यह फिल्म 2 अक्टूबर, को गांधी जयंती के अवसर पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में अजय देवगन के साथ श्रिया शरण, तब्बू, जयदीप अहलावत, प्रकाश राज, रजत कपूर और इशिता दत्ता मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म के मेकर्स ने 'दृश्यम 3' का नया पोस्टर जारी किया। जिसमें अजय देवगन का किरदार विजय सलगांवकर अपने परिवार के साथ एक गाड़ी में नजर आ रहा है और सभी काफी तनाव में दिखाई दे रहे हैं।

टीवी मसाला



बिग बॉस 20 में मनोज की बेटी की हुई एंट्री, सलमान ने दी खास सलाह

नई दिल्ली। सलमान खान के होस्ट किए जाने वाले रियलिटी टीवी शो 'बिग बॉस 20' में सीजन 4 के कंटेस्टेंट रहे एक्टर-नेता मनोज तिवारी की बेटी, म्यूजिशियन ऋति तिवारी की एंट्री हुई है। सोशल मीडिया पर सलमान खान और मनोज तिवारी की बेटी का एक मजेदार प्रोमो वायरल हो रहा है, जिसमें सुपरस्टार ऋति को एक सलाह देते नजर आ रहे हैं। प्रोमो की शुरुआत मनोज के स्टेशन पर गाना गाते हुए, आने से होती है और सलमान उनसे मजाक करते हैं कि क्या वह फिर से शो में आना चाहते हैं। हालांकि, एक्टर-नेता कहते हैं कि वह सिर्फ अपनी बेटी ऋति को छोड़ने आए हैं। इसके बाद म्यूजिशियन ऋति स्टेशन पर आती हैं और परफॉर्मेंस देती हैं। सलमान उन्हें सलाह देते हैं, 'घर के अंदर, अंडों को लेकर कभी लड़ाई मत करना। ये बाप पर मत जाना इस पर मनोज तिवारी की बेटी ने भी कहा, 'मेरे बाप पर आना नहीं' जिस पर मनोज मुस्कुराते हुए अपना चेहरा छिपा लेते हैं। पिता बच में ऋति भी अपने पिता से जुड़ा एक मजाक करती हैं, जिससे उनके पिता और सलमान दोनों हंस पड़ते हैं। सलमान खान प्रोमो में 'बिग बॉस 4' में मनोज और डॉली बिंद्रा के बीच अंडों को लेकर हुई उस चर्चित लड़ाई का जिक्र करते हैं। जब मनोज नाश्ते में आमलेट खाना चाहते थे, जबकि डॉली चाहती थी कि वह पहले बचा हुआ खाना खत्म करे और इसी बात पर दोनों के बीच झगड़ा हो गया। तब मनोज ने कहा, 'किचन किसी के बाप का नहीं है' और डॉली ने जवाब दिया, 'बाप पर मत बोलना।' ये पल आज भी सभी को याद है।

अक्षय ने बिग बी के साथ किया प्रैंक



उड़ जाते हैं। दरअसल, सैफ अली खान और अक्षय कुमार अपनी फिल्म हैवान के लिए 'कौन बनेगा करोड़पति' के मंच पर पहुंचे थे। शो के दौरान अमिताभ बच्चन ने अक्षय कुमार को एक खास आदत का जिक्र करते हुए उनसे पूछा कि वह महान कॉमेडियन चार्ली चैपलिन के बहुत बड़े फैन हैं और अपने पर्स में उनकी तस्वीर रखते हैं। इस पर अक्षय ने कहा कि जी मैं बहुत बड़ा फैन हूँ। तो बिग बी ने कहा कि पर्स है आपके पास?

फिल्मों का विलेन असल जिंदगी में रहा था स्वतंत्रता सेनानी

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा में कई कैरेक्टर आर्टिस्ट रहे जिन्होंने भले ही एक तरह के किरदार निभाए, लेकिन हर एक किरदार में एक ऐसा मैजिकल टच छोड़ा कि वो यादगार बन गया। ऐसे ही एक एक्टर वे सीएस दुबे। सीएस दुबे यानी कि चंद्रशेखर दुबे। दुबे जी हिंदी सिनेमा के मशहूर कैरेक्टर आर्टिस्ट थे। उनका जन्म 4 सितंबर 1924 को मध्य प्रदेश के कन्नौड़ में हुआ था। उन्होंने 1950 के दशक से लगभग 150-200 फिल्मों में काम किया। वे खासतौर से नेगेटिव किरदार जैसे साहूकार, मुनीम और कपटी लाला के किरदारों के लिए मशहूर थे। फिल्म 'जिंद दिल' (1975) में उनका डायलॉग 'ढक्कन खोल के' बहुत वायरल हुआ। वह केवल फिल्मों में ही एक्टिव नहीं थे। अपनी प्रोफेशनल लाइफ में उन्होंने कई रेडियो प्रोग्राम भी किए। इतना ही नहीं, वह एक स्वतंत्रता सेनानी भी रहे और देश की खातिर जेल गए थे।

भारत छोड़ा आंदोलन का हिस्सा थे



चंद्रशेखर दुबे महात्मा गांधी द्वारा शुरू किए गए भारत छोड़ा आंदोलन का हिस्सा थे। इस दौरान उन्होंने देश के लिए लाठियां खाईं और जेल भी गए थे। इसके अलावा वे एक सोशल वर्कर भी थे जो गरीब छात्रों को उनकी शिक्षा का खर्च उठाने में मदद करते थे। इसके बाद जब नौकरी करने की बारी आई तो उन्होंने बॉम्बे का रुख किया। वहां उन्होंने काम की शुरुआत प्रोड्यूसर और डायरेक्टर अमीन चक्रवर्ती के साथ बतौर ऑफिस बॉय की। इसके साथ-साथ वे प्रोडक्शन मैनेजर और असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर भी काम संभाला। इसके बाद वे बतौर एक्टर अमीन की फिल्म पतिता और सीमा (1955) में नजर आए। इसके बाद बतौर एक्टर उनकी गाड़ी चल निकली और वे करीब 200 से ज्यादा फिल्मों में नजर आए।

हनुमान अंश : 31वें दिन 100 करोड़ पार पहले 21 दिन में कमाए थे मात्र 12 करोड़

नई दिल्ली। फिल्म 'हनुमान अंश' सात अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म को रिलीज हुए करीब एक महीना हो गया है और इसी के साथ इसने अपने नाम एक माइलस्टोन सेट कर लिया है। फिल्म ने 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। लेकिन फिल्म ने 100 करोड़ तक सफर करने में कई उतार चढ़ाव देखे।

पहले हफ्ते की केवल एक करोड़ की कमाई
फिल्म 'हनुमान अंश' 7 अगस्त को थिएटर्स में रिलीज हुई थी। फिल्म को लेकर कोई बड़ा पीआर नहीं किया गया और ना ही रिलीज के बाद इसके बारे में कोई जान रहा था। पहले हफ्ते में इसे टक्कर देने के लिए कोई बड़ी फिल्म नहीं थी। इसके बावजूद फिल्म एक हफ्ते में केवल 1.08 करोड़ का कलेक्शन कर पाई। कम पॉपुलैरिटी और छोटी फिल्म होने के चलते पहले हफ्ते में ये फिल्म केवल 250 स्क्रीन्स में दिखाई गई थी। कम कमाई होने के चलते यही स्क्रीन्स दूसरे हफ्ते में घटकर 25 रह गईं।



चौथे हफ्ते हुआ चमत्कार

असली चमत्कार तो तब हुआ, जब 26 अगस्त को 'टॉक्सिक' की रिलीज के बावजूद फिल्म ने अपनी कमाई जारी रखी। 'टॉक्सिक' जैसी बड़ी स्टारकास्ट और बड़े बजट पर बनी फिल्म के आगे हनुमान अंश ने अपना दबदबा कायम रखा। चौथे हफ्ते में इसकी कमाई डबल डिजिट (करोड़ों में) में हो गयी और अब इस फिल्म का नाम हर किसी की जुबान पर था। चौथे हफ्ते में ऐसा चमत्कार हुआ कि फिल्म ने 61 करोड़ का कलेक्शन किया। अचानक कोई इसकी कमाई ने सबको हैरान कर दिया। इतना ही नहीं, जहां एक हफ्ते बाद 'टॉक्सिक' की कमाई में भारी गिरावट देखने को मिली, वहीं 'हनुमान अंश' का कलेक्शन लगातार बढ़ता नजर आया।

'आवारापन 2' की रिलीज ने तोड़ी कमर

दूसरे हफ्ते में 14 अगस्त को वो बड़ी फिल्म रिलीज हुई। इसमें इमरान हाशमी और दिशा पटानी की 'आवारापन 2' और सनी देओल की फिल्म 'बंटवारा' थी। 'आवारापन 2' ने आते ही बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की, वहीं बंटवारा ने भी पहले दिन अच्छा कलेक्शन किया। 'आवारापन 2' ने अपने पहले हफ्ते में दमदार शुरुआत करते हुए 113.50 करोड़ की कमाई की। फिल्म का इतना केज था कि 'हनुमान अंश' बॉक्स ऑफिस से लगभग गायब हो गई थी। जहां 'आवारापन 2' ने इस हफ्ते में 113.50 की कमाई की थी, वहीं 'हनुमान अंश' इस हफ्ते केवल 40 लाख ही कमा पाई थी।

दिल्ली-6 के म्यूजिक को भी मिली थी काफी सराहना

डिवशानरी में ढूंढने से भी नहीं मिलेगा 17 साल पुराने गाने का मतलब

नई दिल्ली। बॉलीवुड में पर्दे के पीछे कई दिलचस्प कहानियां छुपी हुई हैं। अब आपने दिल्ली-6 का मसकली गाना तो सुना ही होगा जो फिल्म की पहचान बन गया और साथ ही कट्ट मी। लेकिन क्या आप जानते हैं यह गाना दिल्ली-6 के लिए बना ही नहीं था। एक चौंकाने वाले खुलासे में फराह खान ने बताया कि ए.आर. रहमान ने 'मसकली' गाना असल में 'ओम शांति ओम' के लिए बनाया था। उन्होंने बताया कि विशाल-शेखर के आने से पहले, शाहरुख खान की इस फिल्म के लिए संगीत बनाने के लिए ए.आर. रहमान पहली पसंद थे। तो आखिर मसकली शब्द का अर्थ क्या है और यह कैसे दिल्ली-6 का हिस्सा बना?

ए आर रहमान थे पहली पसंद

फराह खान यूट्यूब वॉग के हालिया एपिसोड में, फिल्ममेकर विशाल ददलानी के फॉर्महाउस गई, जहां उन्होंने अपने दशकों पुराने रिश्तों के बारे में बात की। बातचीत के दौरान, फराह ने याद किया कि उन्होंने विशाल से कहा था कि वह 'ओम शांति ओम' के संगीत के लिए ए.आर. रहमान के पास जा रही हैं, और अगर बात नहीं बनी, तो विशाल और शेखर उनकी दूसरी पसंद होंगे।

पहले ओम शांति ओम के लिए बनाया था गाना

उस समय विशाल ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि बात बन जाएगी और उन्होंने यह भी सुझाव दिया था कि वे दोनों इस प्रोजेक्ट पर उनके असिस्टेंट के तौर पर काम कर सकते हैं। फराह ने बताया, 'रहमान ने 'ओम शांति ओम' के लिए जो पहला गाना बनाया था, वह 'मसकली' था। मुझे नहीं पता कि मैं इसे कहाँ इस्तेमाल करने वाली थी, लेकिन मुझे वह गाना और वह शब्द बहुत पसंद हैं।



कैसे बना दिल्ली-6 का हिस्सा?

'मसकली' गाने का इस्तेमाल बाद में राकेश ओमप्रकाश मेहरा की फिल्म 'दिल्ली-6' में किया गया, जिसमें अभिषेक बच्चन और सोनम कपूर थे। यह फिल्म 'ओम शांति ओम' के एक साल बाद, 2009 में रिलीज हुई थी।

मसकली का क्या है मतलब?

ए. आर. रहमान ने मसकली शब्द को ध्वनि के आधार पर बनाया था। किसी भी डिवशानरी में इसका कोई अर्थ नहीं है। डायरेक्टर राकेश ओमप्रकाश मेहरा ने बताया कि गाने में बंधे पंखों वाला कबूतर भारतीय समुदायों में युवा महिलाओं पर लगाई गई सख्त सामाजिक पाबंदियों का प्रतीक है। मेहरा ने यह बात अपने पिता के उस अनुभव के आधार पर बताई, जिसमें वे उड़ान भरने की ट्रेनिंग के दौरान छोटे कबूतरों के पंख बांध दिया करते थे।

ओमप्रकाश ने किया है डायरेक्ट

'दिल्ली-6' की बात करें तो यह साल 2009 में आई एक झूमा फिल्म है, जिसे राकेश ओमप्रकाश मेहरा ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में अभिषेक बच्चन ने एक एनआरआई का रोल निभाया है, जो अपनी बीमार दादी (वहीदा रहमान) के साथ भारत आते हैं और अपनी जड़ों को जानने-समझने लगते हैं। इसी दौरान वे एक धार्मिक विवाद में फंस जाते हैं। फिल्म में सोनम कपूर, अदिति राव हैदरी, ऋषि कपूर, सुप्रिया पाठक, अतुल कुलकर्णी, पवन मल्होत्रा, दीपक डोबरियाल, दिव्या दत्ता, विजय राज और ओम पुरी भी अहम रोल में हैं। इस फिल्म के म्यूजिक को भी काफी सराहना मिली थी जो ए आर रहमान ने दिया था।

सात्विक-चिराग बने चाइना मास्टर्स चैंपियन, फाइनल में चीनी दीवार को दी मात

एजेंसी ►► शेनजेन

भारत के सात्विकसाईंराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार पुरुष युगल जोड़ी ने शानदार वापसी करते हुए तीन गेम के रोमांचक मुकाबले में चीन के हे जी टिंग और रेन शियांग यू की जोड़ी को हराकर चाइना मास्टर्स सुपर 750 का खिताब अपने नाम कर लिया। सात्विक और चिराग की जोड़ी यहां अपना तीसरा फाइनल खेल रही थी। इस भारतीय जोड़ी ने 1 घंटे 10 मिनट तक चले मुकाबले में हे और रेन की दुनिया की पूर्व चौथे नंबर की जोड़ी को 11-21, 21-13, 21-17 से शिकस्त दी। यह भारतीय जोड़ी का इस सत्र का दूसरा खिताब है। इससे पहले उन्होंने सिंगापुर ओपन सुपर 750 का खिताब जीता था और थाईलैंड ओपन सुपर 500 के फाइनल में भी जगह बनाई थी।

एशियाई खेलों से पहले बड़ा आत्मविश्वास

दुनिया की पांचवें नंबर की भारतीय जोड़ी के लिए यह खिताब जापान में 19 सितंबर से पहले होने वाले एशियाई खेलों से पहले आत्मविश्वास बढ़ाने वाला है, जिसमें वह अपने स्वर्ण पदक का बचाव करने की तैयारी कर रहे हैं। भारतीय जोड़ी का सामना चीन की ऐसी जोड़ी से था, जो लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय सर्किट से दूर रहने के कारण रैंकिंग में गिरकर 70वें नंबर पर पहुंच गई थी। हे जी टिंग के लिए यह वापसी के बाद केवल तीसरा टूर्नामेंट है।

भारतीय जोड़ी का दूसरे गेम में बेहतर प्रदर्शन

भारतीय जोड़ी ने दूसरे गेम में काफी बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने अपनी रैलियों को लंबा खींचना शुरू किया। सात्विक ने पिलक सर्विस का इस्तेमाल किया और प्रतिद्वंद्वी जोड़ी को बार-बार फ्रंट कोर्ट में खेलने से रोका। इस तरह सात्विक और चिराग ने कई मुकाबले के बाद 7-6 की बढ़त हासिल कर ली। चिराग के बॉडी स्मैश से भारतीय जोड़ी ने लगातार पांचवां अंक हासिल करते हुए स्कोर 9-6 कर दिया, लेकिन सात्विक की सर्विस गलती से उनकी बढ़त का सिलसिला टूट गया। चिराग के स्मैश की मदद से भारत ने बेक तक चार अंक की बढ़त बना ली।

रोमांचक फाइनल में चीन के खिलाड़ियों को 1 घंटे 10 मिनट में दी मात



तीसरे फाइनल में जगह बनाई

सात्विक और चिराग ने हालांकि इससे पहले चीन की इस जोड़ी के खिलाफ हुए अपने दोनों मुकाबलों में जीत दर्ज की थी। भारतीय जोड़ी ने फाइनल तक पहुंचने के सफर में तीन गेम के तीन मुकाबले खेले थे। इन सभी मुकाबलों में उन्होंने पहला गेम जीतने के बाद दूसरा गेम गंवाया था। सात्विक और चिराग ने इस साल के अपने 10वें टूर्नामेंट में तीसरे फाइनल में जगह बनाई।

भारतीय जोड़ी को मिले

तीन मैच प्वाइंट

सात्विक की सर्विस से स्कोर 14-16 हुआ और फिर भारतीय जोड़ी ने जल्द ही 16-16 से बराबरी हासिल कर ली इसके बाद हे जी टिंग शटल को नेट में लगा बैठे, जिससे भारत 18-17 से आगे हो गया। नेट कोर्ड की मदद से भारतीय जोड़ी को तीन मैच प्वाइंट मिले और और चिराग ने जोरदार स्मैश लगाकर खिताब भारत की झोली में डाल दिया।

भारतीय जोड़ी नहीं बना

सकी रैलियों पर नियंत्रण

भारतीय जोड़ी शुरुआत में रैलियों पर नियंत्रण नहीं बना सकी। हे जी टिंग और रेन ने तेज और आक्रामक शॉट्स से 5-0 की बढ़त बना ली। उन्होंने आक्रमण जारी रखा, जिससे यह बढ़त 8-3 हो गई। भारतीय खिलाड़ियों ने प्रतिद्वंद्वी जोड़ी के डिफेंस को भेड़ने की कोशिश की, लेकिन चीन की जोड़ी ने बेक तक अपनी बढ़त छह अंक की कर ली। भारतीय खिलाड़ी प्रतिद्वंद्वी जोड़ी की गति से तालमेल नहीं बिठा सके और अंतर बढ़कर 7-14 हो गया। हे जी टिंग शानदार लय में नजर आ रहे थे और लगातार स्मैश लगा रहे थे। फिर चिराग की एक सर्विस गलती ने मुश्किलें और बढ़ा दीं, जिससे चीन की जोड़ी ने बढ़त 17-9 कर दी। इसके बाद चिराग का एक और शॉट बाहर जाने से चीन की जोड़ी ने पहला गेम आसानी से अपने नाम कर लिया।



दलीप ट्रॉफी फाइनल :

ईस्ट जोन ने पहले दिन बनाए 4 विकेट पर 385 रन

ईस्ट जोन ने बनाया रनों का पहाड़, साउथ जोन हुआ परस्त

एजेंसी ►► चेन्नई

ईस्ट जोन ने एमए चिदंबरम स्टेडियम में जारी दलीप ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में शानदार शुरुआत की। इस टीम ने पहले दिन (रविवार) के खेल की समाप्ति तक 4 विकेट खोकर 385 रन बना लिए हैं।

फाइनल में कप्तान इशान किशन के शतक और तीन बल्लेबाजों के अर्धशतकों से ईस्ट जोन ने पहले दिन रनों का पहाड़ बना दिया। इशान ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 10वां शतक बनाया और वे 111 रन बनाकर नाबाद हैं। वे अभी तक 14 चौके व एक छक्का लगा चुके हैं। उनके अलावा शिखर मोहन ने 85, अभिमन्यु ईश्वरन ने 72 और कुमार जोन की टीम के लिए चमा मिलिंद ने सबसे ज्यादा दो विकेट लिए।



वैभव ने 37 गेंद में बनाए 44 रन

ईश्वरन और वैभव ने की 100 रन की साझेदारी

ईश्वरन और वैभव सूर्यवंशी की सलामी जोड़ी ने तुफानी बैटिंग करते हुए 100 रन की साझेदारी की। इन्होंने ये रन 14.3 ओवर में जुटाए। सूर्यवंशी एक बार फिर से आक्रामक अंदाज में खेले। उन्होंने 37 गेंद में पांच चौकों व एक छक्के से 44 रन बनाए। वह अर्धशतक से छह रन पहले मिलिंद की गेंद पर कैच दे बैठे। उनके साथी ईश्वरन ने भी चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर की मौजूदगी में तेजी से रन जुटाए। उन्होंने 86 गेंद खेली और 10 चौके व एक छक्का लगाते हुए 72 रन बनाए. वे रन आउट हुए।

किशन-कुशाग का शानदार खेल

अब इशान के साथ कीज पर कुमार कुशाग थे। इन्होंने भी साउथ जोन को कोई मौका नहीं दिया। दोनों ने मनमर्जी से रन जुटाए। किशन ने चौके के साथ शतक पूरा किया। उनके पिछले दो मैच रनों के लिहाज से अच्छे नहीं थे। मगर फाइनल में उन्होंने कप्तान पारी खेली। वहीं कुशाग ने भी कप्तान का अच्छा साथ देते हुए अर्धशतक पूरा कर लिया। इन दोनों के बीच 145 रन की अटूट शतकीय साझेदारी हो चुकी है। साउथ जोन की तरफ से मोहम्मद सिराज भी खेले लेकिन उनकी गेंदों पर काफी रन गए। उन्होंने 14 ओवर फेंके, जिनमें 96 रन बने। वे केवल एक मेडन डाल सके।

स्वबर संक्षेप



ओमेगा यूरोपीय मास्टर्स: 50वें स्थान पर रिकसके शुभंकर

क्रिस मोंटाना। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा तीसरे दौर में चार ओवर 74 के लचर प्रदर्शन के साथ ओमेगा यूरोपीय मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से 50वें स्थान पर खिसक गए। शुरुआती दो दौर में 68 और 68 के प्रभावी प्रदर्शन के साथ शुभंकर दो दौर के बाद संयुक्त रूप से आठवें स्थान पर थे। तीसरे दौर में शुभंकर ने दो बड़ी की लेकिन दो बोगी और दो डबल बोगी भी कर गए, जिससे उनका स्कोर चार ओवर रहा। इंग्लैंड के पॉल केसी ने सात अंडर 63 के स्कोर से कुल 16 अंडर के स्कोर के साथ तीन शॉट की बढ़त बना ली है।

साई किशोर का इंग्लैंड में बवाल 18 में से 12 ओवर फेंके मेडन

एजेंसी ►► लंदन

भारत के बाएं हाथ के फिरकी बॉलर आर साई किशोर ने इंग्लैंड की काउंटी चैंपियनशिप में धूम मचा दी। ग्लूसेस्टरशर की ओर से खेलते हुए डर्बीशर के खिलाफ उन्होंने 20 रन देकर 5 विकेट लिए। इससे उनकी टीम 213 रन से जीत हासिल करने में सफल रही। साई किशोर ने दूसरी पारी में बॉलिंग का आगाज किया और 18 ओवर फेंके। इनमें से 12 मेडन रहे। उन्होंने अपने पहले 8 ओवर में ही 5 विकेट चटका लिए थे और इसके लिए केवल छह रन दिए थे।

साई किशोर ने डर्बीशर के टॉप सात में से पांच बल्लेबाजों को आउट किया। उन्होंने हेरी केम, मैथ्यू मोंटगोमरी, वेन मेडसेन, एन्थुरिन डॉनलड और ब्रुक गेस्ट को वापस भेजा। इससे डर्बीशर की टीम का स्कोर 15 ओवर में छह विकेट पर 41 रन हो गया। साई किशोर के अलावा ऑलिवर प्राइस ने तीन और एड मिडलटन ने दो विकेट लिए। इससे डर्बीशर की टीम 38.5 ओवर में ही सिमट गई।



साई ने बॉलिंग के साथ बैटिंग में दिया योगदान

साई किशोर ने मैच में कुल 7 विकेट लिए। उन्होंने पहली पारी में 23 ओवर में 59 रन खर्च कर दो बल्लेबाजों को आउट किया था। एक बार उन्होंने बैटिंग की और 20 रन का योगदान दिया। जेम्स बेसी के साथ सातवें विकेट के लिए उन्होंने 48 रन की अहम साझेदारी की। ग्लूसेस्टरशर ने इस सीजन की दूसरी ही जीत हासिल की। वहीं डर्बीशर को सीजन की छठी शिकस्त झेलनी पड़ी।

साई का काउंटी चैंपियनशिप कमाल प्रदर्शन

29 साल के साई किशोर ने इस सीजन ग्लूसेस्टरशर के लिए कमाल का प्रदर्शन किया है। उन्होंने 23.07 की औसत से 13 विकेट लिए हैं। वहीं 34.5 की औसत से 69 रन भी बनाए हैं। साई किशोर की दलीप ट्रॉफी के लिए साउथ जोन में जगह नहीं दी गई थी। ऐसे में उन्होंने काउंटी चैंपियनशिप में खेलने का फैसला किया था। वे काफी समय से घरेलू क्रिकेट में लगातार बढ़िया खेल दिखा रहे हैं।

एएचएफ जूनियर एशिया कप

महिला टीम ने मलेशिया को दी कठारी शिकस्त

मोकी। भारतीय महिला टीम ने एएचएफ जूनियर एशिया कप के एलीट पूल मुकाबले में मलेशिया को 11-1 से करारी शिकस्त देकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

टूर्नामेंट के अपने पहले मुकाबले में दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराकर जीत के साथ अभियान शुरू करने वाली भारतीय टीम की ओर से मलेशिया के खिलाफ सात अलग-अलग खिलाड़ियों ने गोल किए। भारत ने चार गोल मैदानी खेल से, पांच पेनल्टी कॉर्नर और दो पेनल्टी स्ट्रोक के जरिए किए। पूजा साहू ने पहले ही मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर भारत का खाता खोला। चौथे मिनट में पूर्णिमा यादव ने गोल कर बढ़त दोगुनी कर दी। पात चैंपियन भारत ने अपना दबदबा कायम रखते हुए आठवें मिनट में बिनिमा धन ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला, जबकि 14वें मिनट में कृष्णा शर्मा ने एक और गोल कर दिया। पूर्णिमा ने दूसरे क्वार्टर में 17वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर अपना दूसरा गोल किया। इसके बाद हाफटाइम से पहले दो और गोल हुए। सुखवीर कोर ने 21वें मिनट और गोता यादव ने 28वें मिनट में गोल किया, जिससे भारत मध्यांतर तक 7-0 से आगे था। मलेशिया ने 38वें मिनट में नूर मोहम्मद के गोल से खाता खोला, लेकिन इसके बावजूद मुकाबले पर भारत का दबदबा बरकरार रहा।

एजेंसी ►►लंदन।

लौटारो मार्टिनेज ने आखिरी क्षणों में अपना दूसरा गोल दागकर इंटर मिलान को इटली की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग सीरी ए में नेपोली पर 3-2 की रोमांचक जीत दिलाई, तो वहीं एलिंग हालैंड के गोल की बदैलत मैनचेस्टर सिटी ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में कोवेंट्री को 1-0 से हराकर तालिका में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा।

इंटर मिलान की तरह सीरी ए के एक और रोमांचक मुकाबले में रोमा ने आखिरी मिनटों में दो गोल कर तीन मैचों में अपनी तीसरी जीत दर्ज की। इंटर मिलान के



खिलाफ माटेओ पोलितानो और रासमुस होयलुंड ने 50वें और 53वें मिनट में गोल कर गत

चैंपियन नेपोली को 2-0 की बढ़त दिलाई। इसके तीन मिनट बाद मार्टिनेज ने गोल कर इंटर की



यूएस ओपन

नाओमी ओसाका ने एलिस मर्टेंस को 6-3, 3-6, 7-5 से हराकर चौथे दौर में जगह बना ली। 2 घंटे 38 मिनट चले मुकाबले के अंतिम अंक के बाद दो बार की चैंपियन ओसाका ने अपना सिर रैकेट पर रख लिया, मानो इस 13वें वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को खुद भी अपनी जीत पर यकीन नहीं हो रहा हो।

मैं सचमुच हैरान

हूँ: नाओमी

ओसाका ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि मैंने यह मैच जीत लिया।' मैं सचमुच हैरान हूँ कि मैं जीत गई। ओसाका की वापसी झेंग जितनी मुश्किल तो नहीं थी, लेकिन वह निर्णायक सेट में 2-4 से पीछे थीं। उन्होंने कठिन मुकाबले के दौरान अपनी झुंझलाहट जाहिर करने के लिए माफी भी मांगी।

फ्रिट्ज हुए उलटफेर का शिकार

पुरुषों में नौवीं वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज हालांकि उलटफेर का शिकार होने से नहीं बच पाए। फ्रिट्ज ने दो सेट की बढ़त गंवा दी और 24वीं वरीयता प्राप्त अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को सेरेंडोलो से 3-6, 4-6, 6-3, 6-4, 6-4 से हार गए। फ्रिट्ज ने कहा, मुझे नहीं पता कि आज मैंने ऐसा कैसे होने दिया। अमंडा अनिसिमोवा भी बाहर हो गई।प्लावियो कोबोली को 28वीं वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ब्लॉक्स ने चार सेट में हराया। इसके साथ ही पुरुष एकल ड्रॉ में शीर्ष 10 में से छह वरीय खिलाड़ी बाहर हो चुके हैं।

इंटर मियामी ने अटलांटा से खेला ड्रा, संन्यास लेने के बाद स्टार खिलाड़ी मैस्सी का दमदार खेल

एजेंसी ►► मियामी

अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने के बाद भी अर्जेंटीना के महान खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी ने मैदान पर अपना प्रभाव छोड़ने का सिलसिला जारी रखा है।

मेस्सी ने इंटर मियामी के लिए दो गोल में मदद की लेकिन उनकी टीम अटलांटा यूनाइटेड के खिलाफ 2-2 से ड्रा पर रोक दी गई। अर्जेंटीना के लिए अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा के बाद यह मेस्सी का पहला मुकाबला था। इंटर मियामी की ओर से लुइस सुआरेज और कारसेमिरो ने गोल किए। टीम इंस्टन कॉर्नेस में दूसरे स्थान पर है और शीर्ष पर मौजूद नैशविले से 10



अंक पीछे है। नियमित सत्र में उसके 11 मुकाबले बाकी हैं। कारसेमिरो ने 32वें मिनट में मेस्सी की कॉर्नर

किक पर हेडर के जरिए गोल कर इंटर मियामी को बढ़त दिलाई। इसके कुछ ही मिनट बाद मिगुएल

अल्मिरो ने अटलांटा की ओर से बराबरी का गोल कर दिया। इसके बाद मेस्सी ने तेलास्को सेगोविया की ओर शानदार लॉफ्टेड पास खेला।

सेगोविया ने गेंद सुआरेज की ओर बढ़ाई और उरुग्वे के स्टार ने मध्यांतर से ठीक पहले दाएं पैर से शानदार शॉट लगाकर इस सत्र का अपना 12वां गोल दाग दिया। मैच के 87वें मिनट में ब्रेल एम्बोलो ने पेनल्टी को गोल में बदलकर अटलांटा को फिर बराबरी दिला दी। इसके बाद इंटर मियामी ने आखिरी मिनटों में कई मौके बनाए, लेकिन अटलांटा ने उन्हें गोल में तब्दील नहीं होने दिया और मुकाबला ड्रा पर समाप्त हुआ।

वापसी की शुरुआत की। मार्कस थुराम ने 82वें मिनट में बराबरी का गोल किया। आखिरी पलों में मैनुअल अकांजी के प्रयास से गेंद मार्टिनेज तक पहुंची और उन्होंने नजदीक से गोल कर इंटर को जीत दिला दी। अटलांटा के खिलाफ मटियास सोले ने आखिरी समय में गोल और गोल में मदद कर रोमा को 2-1 से जीत दिलाई। उन्होंने 90वें मिनट में मारियो हर्मोसो के गोल में मदद की, जिससे एडरसन के शुरुआती गोल की बराबरी हुई। इसके तीन मिनट बाद सोले ने खुद गोल कर रोमा को जीत दिला दी। लीग के एक अन्य मैच में टोरिनो ने फियोरेंटीना को उसके घरेलू मैदान पर 2-1 से हराया।

